जबलपुर सोमवार 14 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, तृतीया/चतुर्थी व्रत
वर्ष 32 अंक 77 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण
» 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

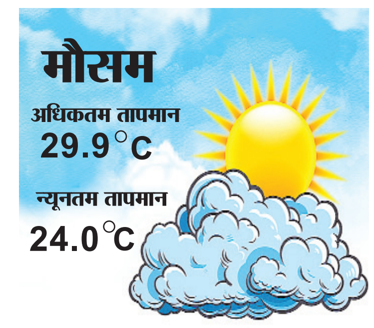

सूर्योदय - 5.57 | सूर्यास्त - 6.15

राहुल से मिले मलेशिया के प्रधानमंत्री

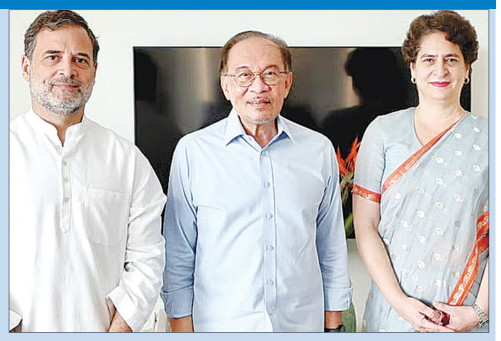

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भारत की यात्रा पर आए मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। रविवार को दोनों नेताओं के बीच यहां नाश्ते पर मुलाकात हुई। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मौजूद थीं। श्री इब्राहिम 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए हैं। मलेशिया इस वर्ष ब्रिक्स का साझेदार देश है।

'आप' का गोवा फॉरवर्ड पार्टी से गठबंधन

नई दिल्ली। गोवा फॉरवर्ड पार्टी और आम आदमी पार्टी ने मिलकर 'गोवा फर्स्ट' गठबंधन बनाया है। दोनों दलों ने इसे गोवा के लोगों को असली विकल्प देने की पहल बताया। 'आप' के संयोजक (कन्वीनर) अरविंद केजरीवाल गोवा दौरे पर हैं। इसी दौरान यह फैसला लिया गया। फरवरी 2027 में गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2022 के चुनावों में 'आप' ने राज्य की 40 में से 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसे दो सीटें मिली थीं। वहीं, पार्टी को 6.7 प्रतिशत वोट मिले थे। 2022 में गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में सिर्फ 3 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उसे 1 सीट पर जीत मिली थी। गठबंधन की ओर से कहा गया कि गोवा के लोगों को दो बार धोखा दिया गया है। अब उन्हें तीसरी बार धोखा नहीं दिया जाएगा। बयान में बीजेपी और कांग्रेस पर भी निशाना साधा गया। इसमें कहा गया कि दोनों पार्टियां चुनाव के दौरान एक-दूसरे से लड़ सकती हैं।

बंगाल में 252 मदरसे बंद करने का आदेश

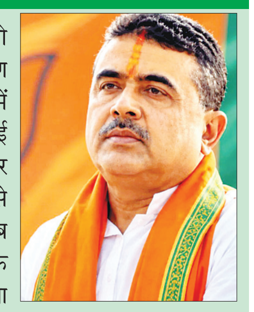

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। सरकार का कहना है कि जांच में इन मदरसों के पास बुनियादी सुविधाएं नहीं मिली। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है। सरकार ने रविवार को ये भी बताया कि मानक पूरे करने वाले मदरसे चलते रहेंगे। जिन संस्थाओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले 2026 के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया था। यानी बजट में लगभग 3600 करोड़ की कटौती हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में जमीनी सर्वे किया। इस सर्वे में सरकारी और निजी मदरसों की बुनियादी सुविधाएं, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गई।

वादे नहीं रिजल्ट चाहती है दुनिया: मोदी

ब्रिक्स समिट : नये जोश से शुरुआत-बुलंद इरादों से समापन

नई दिल्ली

ब्रिक्स समिट 2026 का समापन भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हम अब समापन की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे ही 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, मैं आप सभी की सक्रिय भागीदारी और बहुमूल्य योगदान के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।' सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी ने सम्मेलन को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मेलन के दौरान सामने आए महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने ब्रिक्स के बीच सहयोग को व्यापकता और गहराई, दोनों प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के नेताओं की भागीदारी और उनके विचारों ने संगठन के साझा सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य के लिए नई संभावनाओं को भी सामने रखा है। सम्मेलन में सभी नेताओं की मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती प्रासंगिकता, खुलेपन और समावेशिता का प्रमाण है। सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर बदलती परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। सभी देशों के योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति और सहभागिता ने ब्रिक्स सहयोग को और अधिक व्यापक तथा प्रभावी बनाने में योगदान दिया है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया हमसे सिर्फ वादे नहीं रिजल्ट चाहती है। मैं समारोह में शामिल होने के लिए आए सभी मेहमानों की सुरक्षित वापसी की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महामारी, जलवायु आपदाओं और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच पूर्व चेतावनी प्रणाली और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला पर जोर देते हुए कहा है कि परस्पर जुड़े विश्व में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडपम में 8वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन रविवार को लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता समावेशी वैश्विक विकास के लिए भविष्य को आकार देना सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया में तनाव लगातार बढ़ रहे हैं और इसका व्यापक असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए तकनीक को सभी के लिए सुलभ और समावेशी बनाने पर जोर दिया गया है।

एकीकृत पूर्व चेतावनी प्रणाली पर सहमति

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महामारी, जलवायु आपदाओं और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं ने दिखाया है कि आपस में जुड़े विश्व में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के प्रयासों को लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के चार स्तंभों पर केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना जरूरी है। इसी दिशा में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और उनसे निपटने के लिए ब्रिक्स एकीकृत पूर्व चेतावनी प्रणाली पर सहमति बनी है। आपदा प्रबंधन के लिए पूर्व चेतावनी आंकड़ा एकीकरण दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं।

उद्यम संवर्धन केंद्रों को जोड़ने की पहल

नवाचार के क्षेत्र में ब्रिक्स उद्यम संवर्धन नेटवर्क के जरिए नए उद्यमों और उद्यम संवर्धन केंद्रों को आपस में जोड़ने की पहल की गई है। नए और बड़े स्तर पर लागू किए जाने वाले समाधानों को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स नए उद्यम नवाचार कोष का प्रस्ताव रखा गया है। ब्रिक्स डिजिटल कृषि नेटवर्क के जरिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-स्थानिक तकनीक और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को किसानों की जरूरतों से जोड़ने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इसलिए तकनीक को सभी के लिए सुलभ और समावेशी बनाने पर जोर दिया गया है।

सुरक्षा और क्षमता निर्माण को दिया बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स का सहयोग केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसमें उद्यमियों, किसानों, शोधकर्ताओं, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। ब्रिक्स संपर्क पहल के जरिए कौशल, रोजगार क्षमता, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया गया है। छोटे उद्यमों को ज्ञान, वित्त और नए बाजारों से जोड़ने के लिए ब्रिक्स सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सहयोग पोर्टल की पहल की गई है। शहरों के बीच बेहतर तौर-तरीकों को साझा करने के लिए ब्रिक्स शहरी आवागमन केंद्र की स्थापना की गई है। भारत में विकास तथा पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं।

वैज्ञानिकों का सरकार को पत्र, उठाई तीन मांग

ई-20 पेट्रोल वापस लें

अयोध्या

मशहूर वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने सरकार से ई-20 इंधन के रोलआउट को रोकने, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को समाप्त करने और देश भर में काला जादू विरोधी कानून बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी नीतियां वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। मुंबई में 'इंडिया मार्च फॉर साइंस' के दौरान एक जॉइंट अपील जारी करते हुए हस्ताक्षर कर्ताओं ने छद्म विज्ञान को बढ़ावा देने, सबूतों को दरकिनार करने वाली सरकारी नीतियों और शिक्षा और रिसर्च में घटते सरकारी निवेश पर चिंता जताई है। इस अपील पर कई वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। इसमें सीईबीएस मुंबई के पद्म भूषण मुंबई के पद्म भूषण पुरस्कार विजेता प्रो. एम. एस. रघुनाथन, एसएसबी पुरस्कार विजेता और ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एस. जी. दानी, एचबीसीएसई-टीआईएफआर के प्रो. अनिकेत सुले, मुंबई यूनिवर्सिटी और पूर्व टीआईएफआर के प्रो. बी. एम. अरोड़ा, पूर्व टीआईएफआर के डॉ. एन. कृष्णन और मुंबई प्रेस क्लब के सचिव अनिल कुमार सिंह शामिल हैं। बता दें, 2017 में दुनिया के लगभग 600 शहरों में 'इंडिया मार्च फॉर साइंस' की शुरुआत हुई थी। इसके भारतीय चैप्टर सबूत-आधारित नीति-निर्माण और रिसर्च के लिए अधिक फंडिंग की वकालत करने के लिए देश भर में सालाना रैलियां आयोजित करते हैं। इस समूह ने ई-20 फ्यूल पॉलिसी को तुरंत रोकने की मांग करते हुए लाइफ-साइकिल एनवायरनमेंटल असेसमेंट और सहायक बुनियादी ढांचे की कमी का हवाला दिया है।

विपक्षी पार्टियों ने भी किया विरोध

इससे पहले भी विपक्षी पार्टियों खासकर आम आदमी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) ने सरकार के ई-20 फ्यूल पॉलिसी की आलोचना की है। इस समूह की अपील में हाल ही में हुए पेपर लीक और देश भर में नीट के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन का भी हवाला दिया गया। और एनटीए को खत्म करने के साथ ही परीक्षा प्रणाली में बदलाव करने की मांग की है। इसके साथ ही, वैज्ञानिकों ने पिघलते ग्लेशियर, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, इकोसिस्टम के खत्म होने और प्रजातियों के तेजी से विलुप्त होने पर चिंता जताई है।

शिक्षा के लिए आवंटित हो बजट

वैज्ञानिकों की मांग है कि केंद्रीय बजट से कम से कम 10 प्रतिशत और राज्य बजट से कम से कम 30 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित किया जाए। इसके साथ ही, रिसर्च पर होने वाले कुल खर्च को जीडीपी के मौजूदा 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 3 प्रतिशत करने की भी मांग की गई। आयोजकों ने 'विज्ञान अपनाएं, भविष्य सुरक्षित करें' के नारे के तहत वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों और नागरिकों से वैज्ञानिक पद्धति और तार्किक सोच को अपनाने का आग्रह किया, ताकि भारत के सामूहिक भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

2029 तक 21 राज्यों में यूसीसी लागू होगा: अमित शाह

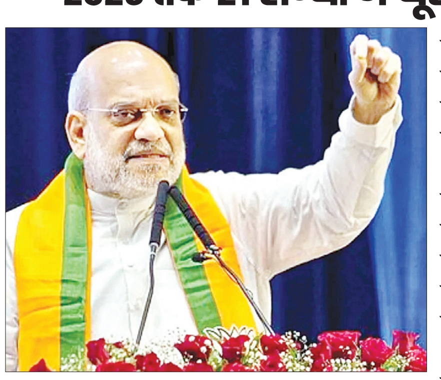

मुंबई

गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले यूसीसी लागू कर दी जाएगी। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है। उत्तराखंड में जनवरी 2025 से यूसीसी पूरी तरह लागू है। फिलहाल यूसीसी लागू करने वाला यह इकलौता राज्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में विधानसभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है। राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने यूसीसी लागू करने के लिए कानून का मसौदा तैयार करने वाली समितियां गठित की जा चुकी हैं। शाह मुंबई में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने को तैयार होगा। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है, जिससे भारत पर हमला करने के बारे में हमारे दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है। केंद्र सरकार ने पिछले 12 सालों में बुनियादी बदलाव किए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत 2014 में 'फ्रेजाइल फाइव' (कमजोर) अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने से निकलकर आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है। 2014 में भारत को फ्रेजाइल फाइव में गिना जाता था, लेकिन आज वह दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

नागालैंड में जहरीली शराब से नौ की मौत

दीमापुर (वार्ता)। नागालैंड के तुएनसांग सिविल अस्पताल में पिछले तीन दिनों के दौरान संदिग्ध जहरीली शराब पीने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद पुलिस महानिदेशक रूपिन शर्मा ने रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों से शराब का सेवन न करने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार, मिलावटी शराब का सेवन करने के बाद पीड़ितों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी, जिसके बाद उनकी मौत हुई। हालांकि मौतों के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन डीजीपी शर्मा ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार मौतें संदिग्ध जहरीली मदिरा के सेवन से हुई प्रतीत होती हैं।

केन बेतवा लिंक परियोजना के क्रियान्वयन से बुंदेलखंड क्षेत्र में आयेगी खुशहाली

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पन्ना महाराजा छत्रसाल और भगवान जुगल किशोर की नगरी है। यह एकमात्र धरती है, जहां हीरा मिलता है, विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पन्ना नेशनल पार्क में बाघ पुनर्स्थापना की बदौलत बाघों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को पन्ना में आयोजित प्रदेश के 28वें बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र को केन बेतवा लिंक परियोजना सहित अन्य बड़ी सौगातें मिली हैं। इससे क्षेत्र में खुशहाली और नागरिकों के जीवन स्तर में बदलाव आएगा। आज लाड़ली बहना योजना की महिला लाभार्थियों को 40वीं किस्त भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितम्बर से एक माह तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ होगा। आगामी 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री मोदी बतौर कुशल प्रशासक 25 वर्ष पूर्ण करेंगे। यह हम सब के लिए गौरव और गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन से विश्व में भारत का मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश निरंतर तरक्की कर रहा है। आज केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किसान हित में कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बलराम महोत्सव के आयोजन से किसानों को बहुत लाभ मिलेगा। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक कृषि सहित नवाचार तकनीकों की जानकारी से बड़ी संख्या में किसान लाभांवित होंगे। पवई बांध, मझगांय और रुंझ सहित कई लघु सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्यानिकी खेती अपनाने की अपील करते हुए किसानों से प्राकृतिक खेती को भी प्रोत्साहन देने की अपील की। उन्होंने किसानों से अतिरिक्त आय के अवसर के रूप में पशुपालन और अन्य गतिविधियां अपनाने पर जोर दिया। साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का जिक्र करते हुए गौशाला की राशि में बढ़ोत्तरी की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान में ग्रामीण जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा का लाभ भी मिलेगा।

बिहार में बाढ़ पर गरमाई सियासत

45 लाख से अधिक लोग प्रभावित, डबल इंजन सरकार के दोनों इंजनों में लगी आग: तेजस्वी

पटना

बिहार में बाढ़ को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को राज्य सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार इस संकट को लेकर गंभीर नहीं हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार के दोनों इंजनों में आग लगी हुई है, इसलिए बाढ़ पीड़ितों को सहायता नहीं मिल रही है। तेजस्वी यादव ने पटना स्थित अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बिहार की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने और विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा गया है, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई गंभीर कार्रवाई नहीं हुई है।

बिहार के 31 सांसद और सात केंद्रीय मंत्री, फिर भी मदद नहीं- तेजस्वी ने कहा कि बिहार से एनडीए के 31 लोकसभा सांसद और सात केंद्रीय मंत्री हैं। इसके बावजूद बाढ़ की विभीषिका झेल रहे लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार के केंद्रीय मंत्रियों में इतनी राजनीतिक हैसियत नहीं है कि वे केंद्र से राज्य के लिए पर्याप्त सहायता राशि दिला सकें।

डीपफेक पर चुनाव आयोग सख्त

3 घंटे में हटाना होगा फर्जी कंटेंट

नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार में फर्जी वीडियो और डीपफेक के इस्तेमाल को लेकर निर्वाचन आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने राजनीतिक दलों को साफ निर्देश दिया है कि ऐसी किसी सामग्री की जानकारी मिलते ही उसे 3 घंटे के भीतर हटा दिया जाए। साथ ही दलों को सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की हिदायत दी गई है। तकनीक की मदद से किसी नेता की तस्वीर या आवाज में बदलाव करके ऐसा वीडियो बनाया जा सकता है, जो देखने में असली लगे। आयोग ने ऐसे डीपफेक के साथ गलत या भ्रामक जानकारी फैलाने से भी बचने को कहा है। उसका कहना है कि इस तरह की सामग्री चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। यह मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक कथित डीपफेक वीडियो से जुड़ी शिकायत के बाद सामने आया है। वकील रीना एन सिंह ने आयोग से इस वीडियो के सार्वजनिक प्रदर्शन और प्रसार पर रोक लगाने की मांग की थी। शिकायत में कहा गया कि राजनीतिक आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी नेता का ऐसा वीडियो बनाना गलत है, जिसमें वह ऐसा काम करता दिखे जो असल में हुआ ही नहीं। शिकायत में वीडियो कहां से आया, इसे किसने बनाया और इसे कैसे फैलाया गया, इसकी जांच की मांग भी की गई है। साथ ही डिजिटल सबूत सुरक्षित रखने, संबंधित पक्ष से जवाब लेने तथा पहली नजर में नियमों का उल्लंघन मिलने पर नोटिस जारी करने की मांग की गई है। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम 2021, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधान और आदर्श आचार संहिता शामिल हैं। आयोग ने कहा है कि डीपफेक ऑडियो या वीडियो बनाने, प्रकाशित करने या फैलाने से बचना होगा। गलत, झूठी या भ्रामक जानकारी पोस्ट करने पर भी रोक है। फर्जी यूजर अकाउंट या गैरकानूनी जानकारी मिलने पर संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इसकी शिकायत करने को कहा गया है। आयोग के निर्देश के मुताबिक, किसी फर्जी या डीपफेक सामग्री की जानकारी मिलने के बाद उसे 3 घंटे के भीतर हटाना होगा। लगातार बनी रहने वाली समस्या को आईटी नियम, 2021 के तहत शिकायत अपील समिति के सामने भी रखा जा सकता है।

प्रचार में इन चीजों से भी बचना होगा

आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान अपमानजनक सामग्री पोस्ट नहीं करने को कहा है। बच्चों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार में करने से भी बचने का निर्देश दिया गया है। जानवरों के साथ हिंसा या उन्हें नुकसान पहुंचाने वाला कंटेंट दिखाने से भी राजनीतिक दलों को मना किया गया है। आयोग ने कहना है कि सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार करते समय सभी राजनीतिक दलों को मौजूदा नियमों का पालन करना होगा। इसका मकसद चुनाव प्रचार में सभी पक्षों के लिए बराबर मौका बनाए रखना है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 14 सितंबर 2026

गणेशोत्सव को लेकर सतना प्रशासन सख्त, आयोजकों और संचालकों की बैठक में दिए कड़े निर्देश

नए स्थान पर मूर्ति स्थापना पर रोक, रात 10 से सुबह 6 तक डीजे पूरी तरह बैन

विसर्जन सिर्फ कृत्रिम कुंड में होगा

सतना (स्वतंत्र मत)।

जिले में आगामी गणेशोत्सव को शांतिपूर्ण सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु शुक्रवार को सिटी सभा कक्ष अनुभाग शहर में प्रशासन व पुलिस ने गणेशोत्सव समितियों और डीजे संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

बैठक में सिटी एसडीएम राहुल सिलाडिया बैच् देवेंद्र प्रताप सिंह थाना प्रभारी रावेन्द्र द्विवेदीए सुदीप सोनी प्रीति विश्वकर्मा विद्युत विभाग ;डच्म्ठद्ध के कार्यपालन यंत्री श्री मृगेंद्र सिंह चंदेल सहित पुलिसए नगर निगम के अधिकारी शहर के समस्त क्श्र ऑपरेटर एवं गणेशोत्सव समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में एसडीएम राहुल सिलाडिया एवं सी एस पी देवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासन जन.आस्था का पूरा सम्मान करता हैए लेकिन लोक.सुरक्षा और कानून.व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में लिए गए बड़े फैसले

नई जगह पर मूर्ति स्थापना पर प्रतिबंध किसी भी नवीन या गैर.पारंपरिक स्थल पर बिना पूर्व प्रशासनिक अनुमति के गणेश प्रतिमा की स्थापना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। बिजली चोरी पर सीधी कार्रवाई पंडालों में अवैध बिजली उपयोग पर आयोजक समिति पर सीधे कार्रवाई होगी। मृगेंद्र सिंह चंदेल ने आश्वस्त किया कि अस्थायी कनेक्शन शीघ्रता से उपलब्ध कराए जाएंगे। सख्ती एनजीटी मानकों के तहत रात्रि 10 बजे से प्रातः 6बजे तक डीजे और लाउडस्पीकर का उपयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा।

नियम तोड़ने पर क्श्र उपकरण जब्त कर म.प्र.कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई होगी। विसर्जन को लेकर सबसे बड़ा फैसला हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ के खतरे को देखते हुए इस वर्ष नदी.नालों में विसर्जन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। विसर्जन केवल प्रशासन द्वारा बनाए गए अस्थायी कृत्रिम पोंड में ही होगा। 4 फीट से अधिक ऊंची मूर्तियों का विसर्जन ट्रांसपोर्ट नगर स्थित तालाब में किया जाएगा। 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को विसर्जन घाट पर लाने से मना किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था सभी घाटों पर 24 घंटे बैरिकेडिंग गोताखोर क्रेन लाइट और लाइफ जैकेट तैनात रहेंगे।

प्रत्येक पंडाल में 24 घंटे चालू ब्ब्ज्टए मानक वायरिंग और कम से कम 2 फायर एक्सटिंग्विशर अनिवार्य किया गया है। समितियों को रात्रि में सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती करनी होगी। ट्रैफिक स्टॉपर्स के दुरुपयोग पर भी पाबंदी लगाई गई है। दप्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी लेकिन सभी के सहयोग से उत्सव को निर्विघ्न संपन्न कराया जाएगा।

कानून से बड़ा कोई नहीं

अपराधी चाहे कोई भी हो बख्शा नहीं जाएगा

सिटी कोतवाली के नए टीआई हेमंत शर्मा का सख्त संदेश

सतना (स्वतंत्र मत)।

जिले के सबसे महत्वपूर्ण थाने सिटी कोतवाली की कमान संभालते ही नवनियुक्त थाना प्रभारी निरीक्षक हेमंत शर्मा ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने कहा कि कानून से बड़ा कोई नहीं है और अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति हो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी हंसराज सिंह द्वारा जारी आदेश के बाद रविवार को निरीक्षक हेमंत शर्मा ने सिटी कोतवाली का प्रभार ग्रहण किया। चार्ज लेने के बाद उन्होंने थाना स्टाफकी बैठक ली और शहर की कानून व्यवस्था की जानकारी ली। इसके बाद पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।

पहली प्राथमिकता

श्री शर्मा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता शहर में अमन.चैन कायम रखना और आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना है। उन्होंने कहा कि शहर में सक्रिय असामाजिक तत्वोंए गुंडा.बदमाशों सटोरियों नशा तस्करों और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों की अब खैर नहीं है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से महिला सुरक्षा चेन स्नैचिंग बाइक चोरी और नशाखोरी पर अंकुश लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कॉलेज.स्कूलों के आसपास मंडराने वाले मनचलों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

आम जनता से सहयोग की अपील

टीआई शर्मा ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनता निर्भीक होकर अपराध और अपराधियों की सूचना पुलिस को देए सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने अपने स्टाफको भी ईमानदारी और निष्पक्षता से काम करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि निरीक्षक हेमंत शर्मा एक अनुभवी अधिकारी हैं। वे बतौर उपनिरीक्षक कोलगवां और मैहर कोतवाली में अपनी सेवाएं दे चुके हैंए जहां उनकी कार्यशैली की सराहना हुई थी। तेजतर्रार छवि वाले अधिकारी माने जाने वाले शर्मा के आने से शहर की पुलिसिंग में कसावट आने की उम्मीद जताई जा रही है।

विट्स कॉलेज की छात्राओं ने सहेली से की बेरहमी से मारपीट

श्रवण सेन से दोस्ती न करने पर बनाया प्रताड़ना का वीडियो, सोशल मीडिया पर किया वायरल

सतना (स्वतंत्रमत)। शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र से छात्राओं के बीच रैगिंग और मारपीट का बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। विट्स कॉलेज में पढ़ने वाली चार छात्राओं ने अपनी ही सहेली को नगर वन के पास ले जाकर बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं आरोपियों ने मारपीट का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। घटना के बाद पीड़िता और उसके परिजन दहशत में हैं।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार पीड़िता भी विट्स कॉलेज की छात्रा है। कॉलेज में ही पढ़ने वाली उसकी चार सहेलियां झाली निवासी श्रवण सेन नामक युवक से उसकी दोस्ती कराना चाहती थीं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि श्रवण सेन पिछले कई दिनों से पीड़िता को व्हाट्सएप पर लगातार मैसेज कर परेशान कर रहा था और उस पर रिलेशनशिप में आने के लिए दबाव बना रहा था। जब छात्रा ने युवक से दोस्ती और रिलेशनशिप से साफ इनकार कर दिया तो श्रवण सेन ने दूसरा हथकंडा अपनाया। उसने पीड़िता की सहेलियों को अपने झांसे में लिया और उन पर दबाव बनाया कि वे उसकी दोस्ती करवाएं।आरोप है कि योजना के तहत चारों छात्राएं पीड़िता को बहाने से नगर वन के पास सुनसान इलाके में ले गईं। वहां श्रवण सेन से दोस्ती न करने की बात को लेकर चारों ने उसे घेर लिया और उसके साथ गाली.गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि छात्राएं नशे की हालत में थीं। मारपीट के दौरान एक छात्रा ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया।

वीडियो वायरल कर किया बदनाम–मारपीट के बाद आरोपियों ने पीड़िता को धमकाया कि अगर उसने श्रवण सेन से दोस्ती नहीं की तो अंजाम और बुरा होगा। बाद में उस वीडियो को इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप स्टेटस पर वायरल कर दिया गयाए जिससे पीड़िता की काफी बदनामी हुई।

घर पहुंचकर जब पीड़िता ने रोते हुए परिजनों को पूरी आपबीती बताई तो परिजन उसे लेकर कोलगवां थाने पहुंचे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आवेदन लेकर जांच शुरू की है।कोलगवां थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

वायरल वीडियो को जब्त कर लिया गया है और उसमें दिख रही छात्राओं की पहचान की जा रही है। वहीं मुख्य आरोपी श्रवण सेन की भूमिका की भी जांच की जा रही है कि क्या उसने छात्राओं को उकसाया था। पुलिस सभी पक्षों से पूछताछ कर रही है और जल्द ही आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बटोही में आदिवासी विद्यार्थियों को पद.वेश वितरण चेहरों पर दिखी खुशी

सतना (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मझगवां के सेक्टर क्रमांक.4 कारीगोही अंतर्गत नवांकुर संस्था जय बिरसा मुंडा ग्रामीण विकास एवं शोध समिति बांका द्वारा वनांचल क्षेत्र के बाहुल्य आदिवासी ग्राम बटोही स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत आदिवासी छात्र.छात्राओं को पद.वेश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभय प्रताप सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार पिंड्रारा विशिष्ट अतिथि आशीष कुमार ताम्रकार जिला समन्वयक जन अभियान परिषद सतना तथा विज्ञान चंद्र विश्वकर्मा प्रधानाचार्य शासकीय प्राथमिक विद्यालय गोडानटोला रहे।

अवैध शराब का काला कारोबार आबकारी विभाग ने मारा छापा

30 हजार से अधिक की 33 लीटर देशी.विदेशी शराब जब्त

सतना (स्वतंत्र मत)।

जिला आबकारी विभाग ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर सतीश कुमार एस के निर्देशन तथा उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता रीवा माधव सिंह भेड़िया एवं सहायक आयुक्त आबकारी सुरेंद्र कुमार उरांव के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में टीन शेड और एक ढाबे से 30 हजार रुपये से अधिक की अवैध शराब जब्त की गई है।

पहली कार्रवाई कृपालपुर में टीन शेड में चल रही थी विदेशी शराब की दुकान– विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कृपालपुर में टोयोटा एजेंसी के पास गौरव नाम का व्यक्ति टीन शेड युक्त कमरे से अवैध रूप से विदेशी शराब बेच रहा है। सूचना पर वृत्त प्रभारी आशीष वाटिया की टीम ने तत्काल छापा मारा। मौके से भारी मात्रा में ब्रांडेड शराब बरामद हुई। जब्त शराब में गोवा रॉयल चैलेंज बैगपाइपर, मैजिक मोमेंट वोदका विभिन्न फ्लेवर में प्राइड सेंट्रल प्रोविंस आईबी मैकडॉवेल व्हिस्की लंदन प्राइड जैसे ब्रांड शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34;1 के तहत प्रकरण कायम किया गया है।

दूसरी कार्रवाई अमन ढाबे में परोसी जा रही थी बियर

इसी क्रम में टीम ने अमन ढाबे पर भी छापा मारा। यहां आरोपी रजनीश ढाबे की आड़ में ग्राहकों को बियर परोस रहा था। मौके से 4 बोतल बियर बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34;1 , एवं 36 के तहत कार्रवाई की गई।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

उक्त पूरी कार्रवाई में वृत्त क्रमांक 1 प्रभारी आशीष वाटिया मुख्य आरक्षक शंकर दयाल प्रजापति मुख्य आरक्षक राजकरण त्रिपाठी आरक्षक आशुतोष तिवारी और आरक्षक अमृता उरमालिया की सक्रिय भूमिका रही। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर सिंहपुर थाने में शांति समिति की बैठक हुई सम्पन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। श्री गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर थाना सिंहपुर परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नायब तहसीलदार एस.एल. मोंगरे, थाना प्रभारी एस.पी. चतुर्वेदी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणेश उत्सव समितियों के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान कानून–व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रतिमा विसर्जन को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी एस.पी. चतुर्वेदी ने कहा कि गणेश जी की प्रतिमा पंडाल में स्थापित करते समय सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। पंडाल में पर्याप्त व्यवस्था के साथ विद्युत तारों एवं अन्य संभावित जोखिमों से बचाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित स्थानों पर शांतिपूर्ण ढंग से किया जाए। विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद या अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसका सभी समितियां विशेष ध्यान रखें। उन्होंने डीजे एवं साउंड सिस्टम का उपयोग निर्धारित एवं कम ध्वनि स्तर पर करने की अपील करते हुए कहा कि पर्व की गरिमा और आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए।

राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में सारांश ने हासिल किया चौथा स्थान

केवीएस नेशनल में 9 राउंड में 7 अंक अर्जित कर बने टॉप-4

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के उभरते हुए युवा शतरंज खिलाड़ी सारांश तिवारी ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन केवीएस द्वारा हैदराबाद में आयोजित 55वीं केवीएस नेशनल स्पोर्टस मीट यू –19 ठवले 2026–27 की शतरंज प्रतियोगिता में 9 राउंड में 7 अंक अर्जित कर चैथा स्थान प्राप्त किया है। सारांश ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। अंतिम चरण के महत्वपूर्ण मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 7/9 अंक अर्जित किए और देशभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच टॉप–4 में अपनी जगह बनाई। सारांश का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, क्योंकि वे अंतिम राउंड तक पदक की दौड़ में मजबूती से बने रहे। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच चैथा स्थान

प्राप्त करना शहडोल के लिए गौरव की बात है। सारांश तिवारी की यह उपलब्धि उनकी लगातार बढ़ती खेल प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। वर्ष 2026 की शुरुआत में जनवरी माह में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। इसके बाद केंद्रीय विद्यालय रीजनल गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अब केवीएस द्वारा हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टॉप–4 में स्थान बनाकर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान और मजबूत की है। केवीएस नेशनल में शानदार प्रदर्शन के बाद सारांश तिवारी को अब एक और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला है। वे 23 से 28 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित। केंद्रीय विद्यालय संगठन की टीम का हिस्सा बनकर शतरंज की बिसात पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। लगातार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे सारांश से आगामी एसजीएफआई नेशनल में भी शानदार प्रदर्शन एवं पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं। सारांश तिवारी जिला न्यायालय में पदस्थ सरोज कुमार तिवारी के सुपुत्र हैं। सारांश वर्तमान में शतरंज के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और शहडोल के उभरते हुए प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ियों में अपनी पहचान बना रहे हैं। कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन उनकी मेहनत, लगन एवं खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

पशुपालन, कृषि, सहकारिता, मत्स्यपालन विभागों के प्रगति की कलेक्टर द्वारा समीक्षा

शहडोल (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने पशुपालन, कृषि, स्वास्थ्य, सहकारिता, मत्स्यपालन विभागों के प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए मृदा परीक्षण के लक्ष्य की पूर्ति करने तथा किसाना क्रेडिट कार्ड, निर्माण का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा के दौरान एफएमडी टीकाकरण तथा कृत्रिम गर्भाधान में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा लक्ष्यों की पूर्ति शीघ्रता के साथ करने के निर्देश दिए। मत्स्यपालन विभाग को फिस पार्लर के निर्माण के प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए कार्य में प्रगति लाने तथा मछुआ कृषक किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्यों की पूर्ति के निर्देश दिए। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को कृषि पशुपालन एवं मत्स्यपालन विभाग द्वारा तैयार किए गए किसान क्रेडिट कार्ड के प्रकरणों को स्वीकृति देने के भी निर्देश दिए।

आई–गॉट कर्मयोगी ऑनबोर्डिंग में डिंडौरी ने प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान

साधना सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। साधना सप्ताह के अंतर्गत आई.गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ऑनबोर्डिंग के क्षेत्र में डिंडौरी जिले ने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जिला डिंडौरी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिले की इस सफलता के पीछे कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारीए जिला पंचायत के मार्गदर्शन में प्रशासनिक टीम द्वारा किए गए सतत प्रयास, बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्य निष्पादन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आई–गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म से जोड़ने के साथ–साथ प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा लगातार गतिविधियां संचालित की गईं।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर जोर–आई–गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के ज्ञानए कौशल और कार्यक्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। डिंडौरी में भी कर्मचारियों की ऑनबोर्डिंग को प्राथमिकता देते हुए विभागीय स्तर पर समन्वित प्रयास किए गए, जिसका परिणाम प्रदेश की रैंकिंग में देखने को मिला।

प्रशासनिक टीम में बढ़ा उत्साह–प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल करने के बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की अपेक्षा की।

मां नर्मदा घाटों की सफाई में जुटे मैया अभियान के सेवादार

घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर परिषद से सख्ती की मांग

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। पर्यावरण संरक्षण एवं मां नर्मदा के घाटों को स्वच्छ रखने के संकल्प के साथ पिछले तीन वर्षों से संचालित श्मैया अभियानश् के तहत रविवार को पुल समीप स्थित मां नर्मदा के दोनों घाटों पर स्वच्छता सेवा की गई। अभियान से जुड़े सेवादारों ने घाटों में फैले कचरे और अन्य प्रदूषकों को एकत्रित कर सफाई की तथा झाड़ू लगाकर घाट परिसर को स्वच्छ बनाया। स्वच्छता अभियान के दौरान घाटों से करीब एक ट्रॉली कचरा एकत्रित कर हटाया गया। सेवादारों ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पुल समीप घाटों का पुनर्निर्माण कर सुविधाओं को

बेहतर किया गया हैए लेकिन घाटों की स्वच्छता को लेकर अभी भी जन.जागरूकता की कमी दिखाई देती है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के बाद बड़ी मात्रा में दोना.पत्तल और अन्य कचरा घाटों पर छोड़ दिया जाता हैए जिससे मां नर्मदा के जल एवं घाटों की स्वच्छता प्रभावित होती है।

कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने की मांग–मैया अभियान के सेवादारों ने नगर परिषद से मांग की है कि घाटों पर सार्वजनिक भंडारा आयोजित करने वालों तथा गुमटी.ठेला संचालकों द्वारा कचराए दोना.पत्तल आदि फैलाए जाने पर जुर्माने की कार्रवाई की जाए। साथ ही पुल समीप श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराने की मांग भी की गई। सेवादारों ने कहा कि मां नर्मदा के घाट केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहींए बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी हैं।

घाटों को स्वच्छ रखने के लिए नागरिकों को स्वयं जागरूक होकर कचरा निर्धारित स्थान पर डालना होगा और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना होगा।

सेवादारों ने किया श्रमदान

स्वच्छता सेवा में डॉ संतोष परस्ते, कार्यपालन यंत्री एमएस धुर्वे, राम संजीवन वर्मा, माय भारत से आरपी कुशवाहा, शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित, मनोज चौकसे, महारन प्रताप, रक्त देवदूत भागवत यादव, ओम वीर जाट, विद्यार्थी संतोष परमार, अवध गोहिया एवं माही बरोतिया सहित अन्य सेवादारों ने सहभागिता की। सेवादारों ने मैया अभियान चलता रहे के नारों के साथ श्रमदान कर अपना सेवाकार्य मां नर्मदा को समर्पित किया। अभियान के माध्यम से घाटों की स्वच्छता के साथ नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण और मां नर्मदा के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया।

हिंदी का सफर, सदियों से जारी है विकास की यात्रा

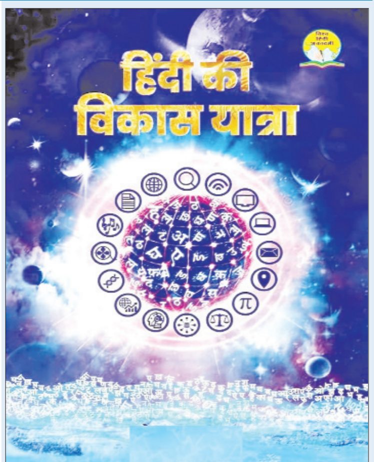

हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध संस्कृति, साहित्य और सामाजिक चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है। इसका वर्तमान स्वरूप एक लंबे ऐतिहासिक विकास का परिणाम है। अपभ्रंश और लोकभाषाओं की परंपरा से आगे बढ़ते हुए हिंदी ने अलग-अलग कालखंडों में अनेक रूप अपनाए। भक्ति आंदोलन के संतों और कवियों से लेकर आधुनिक साहित्यकारों, पत्रकारों और आज के डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स तक, हिंदी का स्वरूप लगातार समृद्ध होता गया। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने से इसके विकास को एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पहचान मिली। आइए, जानते हैं हिंदी ने सदियों के सफर में किन प्रमुख पड़ावों को पार करते हुए आज डिजिटल और तकनीकी युग तक अपनी मजबूत पहचान कैसे बनाई।

10वीं - 11वीं शताब्दी, प्रारंभिक स्वरूप- हिंदी के प्रारंभिक रूपों का विकास अपभ्रंश, प्राकृत और विभिन्न लोकभाषाओं की परंपरा से हुआ। इस दौर में अलग-अलग क्षेत्रों की बोलियों ने धीरे-धीरे अपना स्वतंत्र स्वरूप ग्रहण करना शुरू किया। आगे चलकर इन्हीं भाषाई रूपों ने हिंदी के विकास की आधारभूमि तैयार की।

12वीं - 14वीं शताब्दी, साहित्यिक रूप का विकास- इस काल में हिंदी के आरंभिक साहित्यिक रूप सामने आने लगे। अवधी, ब्रज और अन्य लोकभाषाओं का प्रभाव बढ़ा तथा लोकजीवन, वीरगाथाओं और धार्मिक विषयों से जुड़ी रचनाएं सामने आईं। हिंदी धीरे-धीरे साहित्य की भाषा के रूप में भी अपनी पहचान बनाने लगी।

15वीं - 16वीं शताब्दी, भक्ति आंदोलन का प्रभाव-भक्ति आंदोलन ने हिंदी के प्रसार को नई गति दी। कबीर, सूरदास, तुलसीदास जैसे संतों और कवियों ने आम लोगों की भाषा में रचनाएं कीं। इससे हिंदी साहित्य जन-जन तक पहुंचा और भाषा की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी।

17वीं - 18वीं शताब्दी, साहित्यिक समृद्धि- इस दौर में ब्रजभाषा और अवधी का साहित्यिक प्रभाव मजबूत रहा। कविता, भक्ति साहित्य और लोक रचनाओं के माध्यम से हिंदी का विस्तार जारी रहा। हिंदी ने समाज और जनमानस की भावनाओं को अभिव्यक्ति देने का महत्वपूर्ण माध्यम बनाया।

19वीं शताब्दी, आधुनिक हिंदी की शुरुआत- 19वीं शताब्दी में आधुनिक हिंदी के विकास को नई दिशा मिली। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने हिंदी पत्रकारिता, साहित्य और गद्य को समृद्ध किया। उनके प्रयासों से हिंदी में आधुनिक विचारों और सामाजिक विषयों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की परंपरा मजबूत हुई।

1900 के आसपास, द्विवेदी युग- महावीर प्रसाद द्विवेदी के संपादन में प्रकाशित सरस्वती पत्रिका ने आधुनिक हिंदी गद्य और साहित्य को नई दिशा दी। भाषा को अधिक व्यवस्थित, सरल और प्रभावी बनाने में इस दौर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

20वीं शताब्दी, साहित्य का स्वर्णिम विस्तार- इस दौर में हिंदी साहित्य को अनेक महान रचनाकार मिले। प्रेमचंद, मैथिलीशरण गुप्त, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, निराला और रामधारी सिंह दिनकर जैसे साहित्यकारों ने कहानी, उपन्यास, कविता और नाटक के माध्यम से हिंदी को समृद्ध किया।

14 सितंबर 1949, राजभाषा के रूप में पहचान- 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह हिंदी के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव था। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

1960 - 2000, जनसंचार माध्यमों में विस्तार- इस अवधि में हिंदी का प्रभाव शिक्षा और साहित्य के साथ-साथ सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन और पत्रकारिता में तेजी से बढ़ा। हिंदी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के प्रसार ने इसे देश के बड़े हिस्से तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

21वीं शताब्दी, डिजिटल युग में हिंदी- इंटरनेट, सोशल मीडिया, ब्लॉग और डिजिटल पत्रकारिता ने हिंदी के प्रसार को नई गति दी। मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ हिंदी में डिजिटल सामग्री की मांग भी लगातार बढ़ी।

हिंदी: भारत माता के माथे की बिंदी

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, अस्मिता और एकता की पहचान भी है। किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति, सभ्यता और भाषा से होती है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में कदम-कदम पर बोलियां और भाषाएं बदल जाती हैं। ऐसे में हिंदी देश की विविधता को एक सूत्र में पिरोने वाली महत्वपूर्ण संपर्क भाषा के रूप में सामने आती है। यही कारण है कि हिंदी को भारत माता के माथे की बिंदी कहा जाता है। जिस प्रकार माथे की बिंदी स्त्री के सौंदर्य को पूर्णता प्रदान करती है, उसी प्रकार हिंदी भारत के सांस्कृतिक और भाषाई वैभव को विशेष पहचान देती है।

उदारता है हिंदी की पहचान

हिंदी भाषा की सबसे बड़ी विशेषता इसका उदार और लचीला स्वरूप है। हिंदी ने समय के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं के अनेक प्रचलित शब्दों को अपनाया है। इसी समावेशी प्रवृत्ति ने इसे जन-जन की

भाषा बनाया है। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक हिंदी संवाद का सहज माध्यम बनी हुई है।

आजादी की लड़ाई में भी बनी आवाज

स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी ने लोगों को जागरूक करने और राष्ट्रीय भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस और भारतेंदु हरिश्चंद्र जैसे महान व्यक्तित्वों ने हिंदी के माध्यम से देशवासियों तक अपने विचार पहुंचाए। भारतेंदु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध पंक्तियां हैं -

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।''

राजभाषा के रूप में मिली पहचान

14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। आज हिंदी भारत में व्यापक रूप से बोली और समझी जाती है तथा वैश्विक स्तर पर भी इसका विस्तार लगातार बढ़ रहा है।

हिंदी हमारी अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब है। भारत माता के माथे की यह बिंदी सदैव चमकती रहे, इसके लिए हर नागरिक को अपनी भाषा के प्रति सम्मान और गौरव की भावना बनाए रखनी होगी।

सारिका मिश्रा
उप प्राचार्य
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

स्वतंत्रता संग्राम में साहित्य बना आजादी का हथियार

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल मैदानों में लड़ी गई लड़ाई नहीं था। कलम और साहित्य ने भी इस संघर्ष को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदी, बंगाली, उर्दू, अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं में लिखी गई कविताओं, कहानियों, उपन्यासों, नाटकों और लेखों ने लोगों के भीतर देशभक्ति की भावना जगाई और उन्हें अंग्रेजी शासन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

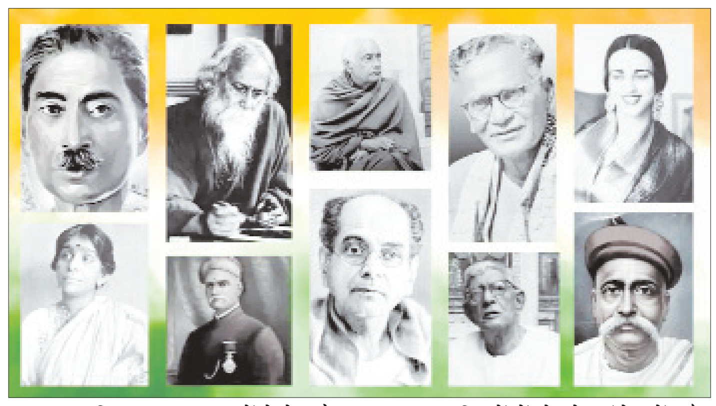

कविताओं ने भरा जोश

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएं लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुईं। माखनलाल चतुर्वेदी की प्रसिद्ध कविता 'पुष्प की अभिलाषा' ने युवाओं और स्वतंत्रता सेनानियों में देश के लिए त्याग और बलिदान की भावना को मजबूत किया। राम प्रसाद बिस्मिल की रचनाओं ने भी युवाओं में क्रांतिकारी चेतना और आजादी के लिए संघर्ष का जज्बा पैदा किया। ऐसी रचनाएं केवल साहित्य नहीं थीं, बल्कि आंदोलन की आवाज बन गई थीं।

समाचार पत्र बने जनजागरण का माध्यम

उस दौर में समाचार पत्रों और पत्र-पत्रिकाओं ने अंग्रेजी शासन की नीतियों और भारतीयों पर हो रहे अत्याचारों को जनता तक पहुंचाया। राजा राममोहन राय के 'संवाद कौमुदी', महात्मा गांधी के 'हरिजन' जैसे प्रकाशनों ने सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया। समाचार पत्रों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे आंदोलनों और दमन की घटनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाकर उन्हें एक-दूसरे के संघर्ष से जोड़ा।

साहित्य ने जगाई राष्ट्रीय चेतना

साहित्य ने लोगों को स्वतंत्रता के महत्व का एहसास कराया। कविताओं, उपन्यासों और नाटकों में देशप्रेम, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रवाद जैसे विषयों को प्रमुखता मिली। इससे समाज के अलग-अलग वर्गों में एकता की भावना मजबूत हुई और लोगों ने जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया।

कलम से क्रांति तक

साहित्य ने भारतीयों को यह समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि अंग्रेजी शासन का विरोध केवल कुछ लोगों का संघर्ष नहीं, बल्कि पूरे देश की जिम्मेदारी है। लेखकों और पत्रकारों की कलम ने लोगों को जागरूक किया, संगठित किया और संघर्ष के लिए प्रेरित किया।

हिंदी भाषा पर गर्व बढ़ाने वाली बातें

- 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यह हिंदी के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव था।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी निर्धारित की गई है।
- हिंदी दुनिया की प्रमुख भाषाओं में शामिल है। भारत के अलावा कई देशों में हिंदी को बोलने, पढ़ने और समझने वाले लोग मौजूद हैं।
- भारत की अलग-अलग भाषाओं और बोलियों के बीच हिंदी संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह देश की विविधता को एकता के सूत्र में जोड़ने में मदद करती है।
- हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। इसकी संरचना व्यवस्थित है और इसमें उच्चारण तथा लेखन के बीच मजबूत संबंध दिखाई देता है।
- कबीर, तुलसीदास, सूरदास से लेकर प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, निराला और दिनकर तक अनेक रचनाकारों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है।
- हिंदी में विचारों और भावनाओं को सहज एवं प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता है। लोकभाषाओं और बोलियों से जुड़ाव ने इसे और समृद्ध बनाया है।
- इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा और कंटेंट निर्माण में हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में भी हिंदी के लिए नई संभावनाएं बन रही हैं।
- भारतीय सिनेमा, गीत-संगीत और टेलीविजन ने हिंदी को देश की सीमाओं से बाहर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं है। यह हमारी साहित्यिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक जुड़ाव का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिंदी का सम्मान करना अपनी भाषाई विरासत का सम्मान करना भी है।

महाकौशल में हिंदी भाषा का विकास

महाकौशल केवल प्राकृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध भाषाई और साहित्यिक परंपरा के लिए भी जाना जाता है। इस क्षेत्र में हिंदी का विकास स्थानीय बोलियों, लोकसाहित्य, संत परंपरा, साहित्यकारों और पत्रकारिता के माध्यम से हुआ। महाकौशल की लोकभाषाओं और हिंदी के बीच हमेशा गहरा संबंध रहा है। यहां की बोलियों ने हिंदी को स्थानीय शब्द, मुहावरे और लोकजीवन की सहज अभिव्यक्ति दी।

बोलियों ने दिया आधार

महाकौशल क्षेत्र में बुंदेली, बघेली और आसपास की अन्य लोकभाषाओं का प्रभाव लंबे समय से रहा है। लोकगीतों, लोककथाओं, कहावतों और पारंपरिक साहित्य ने जनभाषा को समृद्ध किया। इन बोलियों के शब्द और भाव हिंदी की अभिव्यक्ति को अधिक सहज और जीवंत बनाते रहे हैं।

जबलपुर बना साहित्य का केंद्र

जबलपुर ने हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शहर में साहित्यिक गोष्ठियों, पत्र-पत्रिकाओं और लेखन की समृद्ध परंपरा रही है। यहां के साहित्यकारों और यहां के साहित्यकारों और पत्रकारों ने सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषयों को अपनी रचनाओं में स्थान दिया। इससे हिंदी को जनजीवन से जोड़ने में मदद मिली।

साहित्यकारों का योगदान

महाकौशल की धरती ने हिंदी साहित्य को अनेक महत्वपूर्ण रचनाकार दिए। सुभद्रा कुमारी चौहान का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम, नारी चेतना और सामाजिक संवेदना का प्रभाव दिखाई देता है। जबलपुर से उनका गहरा संबंध रहा और यहां का साहित्यिक वातावरण उनकी रचनात्मकता से भी प्रभावित हुआ।

पत्रकारिता ने पहुंचाई जन-जन तक

हिंदी के विकास में पत्रकारिता की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। महाकौशल क्षेत्र में हिंदी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं ने सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के साथ भाषा को आम लोगों की आवाज बनाया। समाचार लेखन ने हिंदी को सरल, प्रभावी और जनसरोकारों से जुड़ी भाषा के रूप में मजबूत किया।

लोकभाषा और हिंदी का सुंदर मेल

महाकौशल की हिंदी की खासियत उसकी सहजता और स्थानीय रंग है। यहां बोलियों से आए शब्दों, लोक मुहावरों और जनजीवन से जुड़े भावों ने हिंदी को अपनी विशिष्ट पहचान दी है। यही कारण है कि महाकौशल में हिंदी केवल साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि लोगों के जीवन और संस्कृति की अभिव्यक्ति भी है। महाकौशल की भाषाई विरासत यह बताती है कि हिंदी का विकास केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि लोकजीवन, साहित्य, पत्रकारिता और बोलियों के निरंतर संवाद से हुआ है।

शब्द पहेली - 8974

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20			
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. कलाकार, अदाकार-4
4. फूलों की छोटी माला, वेणी-3
6. पैर, पांव-2
7. अधिकार-2
9. खानाबदोश, बंजारा-4
11. राशन, खाद्य सामग्री-3
12. टेसू के फूल-3
13. कपोल, रुखसार-2
14. विजय-2
15. डोली उठाने वाले-3
17. जल प्रपात-3
18. गठबंधन-4
21. पानी, जल-2
23. नौका-2
24. देह, काया, शरीर-3
25. अगुवा, राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. उपवास का खाना-4
2. झुका हुआ-2
3. व्यवहार-3
4. समयघोष-3
5. मार्ग, पथ-2
8. गागर, घड़ा, घट-3
9. स्मारक-4
10. हत्या, कत्ल-2
12. पत्तों के गिरने का मौसम-4
15. कथा, गाथा-3
16. अष्टम-2
18. नामचीन-4
19. रवाना होना-3
20. विदूषक, मसखरा-3
22. ईश्वर, भगवान-2
23. बटन, स्विच-2

शब्द पहेली -8973 का हल

■	र	ह	म	त	■	म	■	■
■	ह	■	द	■	प	न	घ	ट
स	ब	ल	■	वी	रा	न	■	क
■	र	की	ब	■	या	■	ना	रा
स	■	र	ज	त	प	ट	■	व
र	वि	■	ब	■	न	ह	र	■
ह	■	म	जा	क	■	नी	वा	ला
द	फ	ना	ना	■	सा	■	य	■
■	■	ही	■	ग	फ	ल	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

बालाघाट में 10 साल बाद भी डस रहा कुपोषण

जिले में 27 हजार से अधिक बच्चे कुपोषित, 3741 अति कुपोषित

अगस्त 2026 के आंकड़ों ने चौकाया, वजन परीक्षण से खुली पोल

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। सरकारी योजनाएं बालाघाट जिले मे कुपोषण को मुक्त करने मे कारगार साबित नहीं हो पा रही है। जिले से कुपोषण को समाप्त करने के लिये कागजो पर भरकस प्रयास किये गये है, लेकिन जमीनी हकिकत ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। 10 वर्ष पूर्व भी साल 2016 में बालाघाट जिले मे करीब 01 लाख 37 हजार 640 बच्चे कुपोषण का शिकार मिले थे। जिसमें 01 लाख 15 हजार बच्चे ही सामान्य वनज के थे तो करीब 21 हजार 634 बच्चे कम वजन के थे। वही 723 बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित थे। लेकिन इन आंकडो में 10 साल बाद भी कोई सुधार नही आया। वर्तमान में भी जिले में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक है। अगस्त 2026 के आंकड़े चौकाने वाले है। जहां जिले में कुल 1 लाख 21 हजार 892 बच्चों का वजन परीक्षण कराया गया, जिसमें 27 हजार 916 बच्चे कुपोषित पाए गए। इनमें 3741 बच्चे अति कुपोषित, 15588 मध्यम कुपोषित और 8587 बच्चे कम कुपोषित श्रेणी में चिन्हित किए गए हैं। आंकड़ों के सामने आने के बाद बच्चों के स्वास्थ्य और कुपोषण से निपटने के लिए चलाए जा रहे सरकारी प्रयासों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मतलब साफ है कि म.प्र शासन की चिंरजीवी प्रोजेक्ट के बाद अटल आरोग्य मिशन भी फेल साबित हो रहा है।

वर्तमान में वन बाहुल ईलको में बच्चो की मौत की विषय गर्माया हुआ है। जहां कुपोषण को लेकर एक बडी वजह बताई जा रही है। क्योकि जिले के आदिवासी अंचलों में कुपोषण की स्थिति विशेष चिंता का विषय बनी हुई है। बैहर में 460 बच्चे अति कुपोषित, 1,620 मध्यम कुपोषित और करीब 1,000 बच्चे कम वजन के स्थिति में पाए गए हैं। वहीं बिरसा में 551 बच्चे अति कुपोषित, 1948 मध्यम कुपोषित और 1197 बच्चे कम वजन के मिले। ऐसे में माना जा सकता है कि 10 साल बाद भी जिले के बैहर-बिरसा ईलाके में कुपोषण पांव जमाये हुए है और बच्चे पोषण की कमी से जूझ रहे है।

माह अगस्त 2026 के आंकडे बताते है कि पूरे जिले में चिन्हित 3741 बच्चे अति कुपोषित की श्रेणी में है। जिन पर विशेष निगरानी रखी जानी होती है और चुनौती होती है कि उन्हें इस स्थिति से बाहर कैसे लाया जाये? मध्यम श्रेणी में लगभग 15588 बच्चे शामिल है, जो शायद उचित पोषण आहार ना मिलने की ओर संकेत कर रहे है। इसके अलावा 8587 बच्चे कम कुपोषित श्रेणी में शामिल है। 10 साल बाद भी यदि इतने बड़े स्तर पर बच्चे कुपोषित पाए जाते है तो सिस्टम के प्रयासों पर सवाल उठना लाजमी है। हैरत की बात यह है कि संबंधित विभाग पूर्व के आंकडे सार्वजनिक करने में कतरा रहा है। क्योकि अब से लगभग 05 वर्ष पूर्व मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020-21 में जिले में कुपोषण का आंकड़ा करीब 41 प्रतिशत था।

फिलहाल अगस्त 2026 के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि 10 साल बाद भी जिले में हजारों बच्चे कुपोषण की जद में है। खासकर 3741 अतिकुपोषित बच्चों की संख्या सिस्टम के प्रयासो की पोल खोल रहे है। विभाग इन बच्चों को चिन्हित करने के बाद उनके स्वास्थ्य में कितना वास्तविक सुधार ला पाता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवासन ने किया प्रभावित गांवों का दौरा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के बैगा अंचल में बच्चों की मौतों का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने कोरका, अडोरी और बोनदारी गांव पहुंचकर जमीनी हालात का जायजा लिया और मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं। अडोरी में कांग्रेस सेवा दल की ओर से मेडिकल कैंप भी लगाया गया, जहां ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को मच्छरदानी, कंबल और राशन किट का वितरण भी किया गया। सेवा दल के पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली और बीमार बच्चों की स्थिति के बारे में भी जानकारी जुटाई। मीडिया से चर्चा करते हुए बीवी श्रीनिवास ने सरकार पर बैगा अंचल में बच्चों की मौतों के आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में अब तक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। हालांकि, यह आंकड़ा उनके द्वारा किए गए दावे पर आधारित है। श्रीनिवास ने कहा कि मृतक परिवारों को चार-चार लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है, लेकिन केवल आर्थिक सहायता से समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को बैगा अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जल्द स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने तथा बीमार बच्चों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंच बढ़ाना जरूरी है, ताकि समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण किसी और बच्चे की जान न जाए।

आज से 10 दिनों तक गणपति बप्पा मोरया का गूंजेगा जयघोष

आज तीज के अवसर पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत, करेंगी भोलेनाथ की पूजा-अर्चना

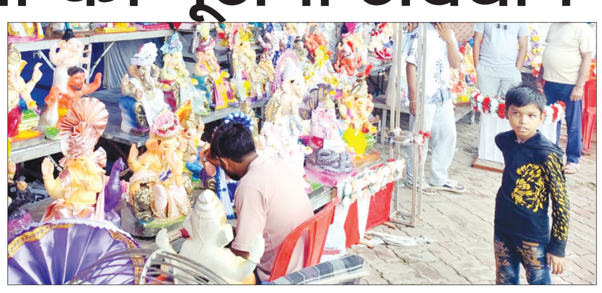

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में आज रविवार 14 सितंबर से गणेश उत्सव का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ होगा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों, मंदिरों एवं सार्वजनिक पंडालों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। गणेश उत्सव को लेकर जिलेभर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं बाजारों में भी बीते दिनों से काफी चहल-पहल देखने को मिली। लोगों ने भगवान गणेश की प्रतिमा, पूजन सामग्री, फूल-माला, सजावटी सामान सहित अन्य आवश्यक सामग्री की खरीदारी की। गणेश चतुर्थी से प्रारंभ होने वाला यह उत्सव आगामी 10 दिनों तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन भगवान गणेश की पूजा-अर्चना, आरती और भजन-कीर्तन करेंगे। घरों के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर आकर्षक गणेश पंडाल सजाए गए हैं। बच्चों और युवाओं में भी गणेश उत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। उत्सव को लेकर सार्वजनिक समितियों द्वारा पंडालों को आकर्षक रूप देने के साथ ही विद्युत सजावट एवं अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा भी आवश्यक व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है। बाजारों में गणेश प्रतिमाओं और पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ रही। श्रद्धालु आज विधि-विधान से भगवान गणेश की स्थापना कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना करेंगे। अगले दस दिनों तक जिलेभर में धार्मिक वातावरण बना रहेगा और जगह-जगह ग्चणपति बप्पा मोरयाञ के जयघोष गूंजेंगे। गणेश उत्सव के शुभारंभ के साथ ही आज तीज पर्व भी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। तीज के अवसर पर महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत रखकर भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाएगी। महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ विधि-विधान से पूजा करेंगी।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी का अवसर

30 सितंबर तक विकसित भारत प्रश्नोत्तरी में शामिल हो सकेंगे 15 से 29 वर्ष के युवा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भारत के विकास और नीति निर्माण की प्रक्रिया से सीधे जोड़ना है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कार्यक्रम फॉर युथ एंड एडोलसेंट डेवलपमेंट योजना के राष्ट्रीय एकता घटक के तहत आयोजित किया जा रहा है। मेरा युवा भारत इसकी क्रियान्वयन संस्था है। प्रदेश एवं जिला स्तर पर कार्यक्रम राज्य सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य रूप से चार चरण रखे गए हैं। इनमें विकसित भारत चुनौती, सांस्कृतिक, भारत के लिए नवाचार और युवा संसद शामिल हैं।

30 सितंबर तक प्रश्नोत्तरी में भागीदारी

विकसित भारत चुनौती चरण में मेरा युवा भारत पोर्टल पर ऑनलाइन विकसित भारत प्रश्नोत्तरी आयोजित की जा रही है। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी युवा भाग ले सकता है। प्रश्नोत्तरी में सामान्य ज्ञान के 20 प्रश्न होंगे, जिन्हें 10 मिनट में हल करना होगा। इसमें भाग लेने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 है। जहां बालाघाट जिले से कम से कम 200 प्रतिभागियों का चयन निबंध चरण के लिए किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास विषय पर 500 शब्दों का निबंध जमा करना होगा। इनमें से 50 श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन प्रस्तुतीकरण चरण के लिए होगा, जिसके बाद 6 युवा राज्य स्तर पर चयनित किए जाएंगे।

चार चरणों में युवाओं को मिलेगा अवसर

सांस्कृतिक चरण में नशा मुक्त युवा, विकसित भारत विषय पर चित्रकला, लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक और कविता लेखन प्रतियोगिताएं होंगी। प्रत्येक श्रेणी से श्रेष्ठ दो प्रतिभागी राज्य स्तर तक पहुंचेंगे और राज्य स्तर की श्रेष्ठ टीम को राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा। भारत के लिए नवाचार चरण में भारत के लिए डिजाइन, सामाजिक उद्देश्य के लिए तकनीकी नवाचार और युवा उद्यमी चुनौती शामिल हैं। इनका आयोजन संबंधित प्रतिष्ठित संस्थाओं के सहयोग से किया जाएगा। वहीं युवा संसद को इस वर्ष से विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के अंतर्गत अलग चरण के रूप में शामिल किया गया है। इसमें भी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयन का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर का मुख्य कार्यक्रम 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें देशभर से चयनित करीब 3 हजार युवा प्रतिभाएं शामिल होंगी। उक्त जानकारी प्रेसवार्ता के जरिये जिला युवा अधिकारी प्राजंल अग्रवाल ने दी। जिनके साथ राहुल बारसा जिला खेल अधिकारी, सी.आर जंगेला नेहरू युवा केंद्र अजय बैस क्षेत्रीय प्रसारक निदेशालय बालाघाट भी उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल का हैंडओवर-टेकओवर एवं थैंक्स गिविंग समारोह संपन्न

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल का हैंडओवर-टेकओवर एवं थैंक्स गिविंग समारोह शहर के प्रतिष्ठित होटल में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष रोटेरियन संदीप असाटी ने वर्ष 2026-27 के नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन अंकित अग्रवाल को क्लब का आधिकारिक रूप से कार्यभार सौंपा। इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के सचिव रोटेरियन आशीष साहू ने क्लब की समस्त परिसंपत्तियां, अभिलेख एवं आवश्यक दस्तावेज वर्ष 2026-27 के सचिव रोटेरियन एडवोकेट विक्रम सिंह भूते को विधिवत हस्तांतरित किए। वर्ष 2025-26 के कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजेश गांधी ने पूरे रोटरी वर्ष का आय-व्यय एवं वित्तीय लेखा-जोखा क्लब के सभी सम्माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके पश्चात नए कोषाध्यक्ष रोटेरियन संतोष नाहर को खातों एवं वित्तीय कार्यों से संबंधित सभी दस्तावेज एवं अभिलेख विधिवत हैंडओवर किए गए। इस अवसर पर इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन संदीप असाटी ने अपने कार्यकाल के दौरान क्लब को मिले सहयोग के लिए सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे वर्ष आयोजित प्रत्येक सेवा एवं सामाजिक कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने पूरी निष्ठा, समर्पण और टीम भावना के साथ योगदान दिया। सभी सदस्यों के सहयोग के कारण रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल द्वारा आयोजित विभिन्न सेवा परियोजनाओं एवं आयोजनों को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 में विशेष पहचान मिली तथा क्लब को अनेक प्रतिष्ठित डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय क्लब के प्रत्येक सदस्य को दिया। रोटेरियन संदीप असाटी ने नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन अंकित अग्रवाल को उनके कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में क्लब सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा और समाजहित में और अधिक प्रभावी गतिविधियां आयोजित करेगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन अंकित अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्लब की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सेवा, मित्रता एवं समाज कल्याण के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में क्लब के वरिष्ठ एवं सम्माननीय सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही।

बैगा अंचल में अब तक 50 से अधिक बच्चों की हुई मौत : मुंजारे

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बैगा अंचल में बच्चों की मौतों और क्षेत्र में हो रही तमाम अप्रिय गतिविधियों को लेकर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे लगातार सरकार को निशाने पर ले रहे है। इसी बीच उन्होंने जिले में हुए एक वाक्ये को लेकर सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता ली और अपनी बात रखी। जहां चर्चा में उन्होंने जिले में बाहर से आये इन्फ्लुंसरो के व्यवहार को लेकर निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार बच्चों की मौत हो रही है, लेकिन सरकार की ओर से स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अब भी प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मुंजारे ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में मौजल्स से मौतों का सिलसिला अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। अब तक लगभग 50 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। उन्होंने गोगाटोला में एक बच्चे की मौत का जिक्र करते हुए इसे स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ी चूक बताया। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री के दौरे के बाद भी जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हुए विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कुछ कथित मीडिया कर्मियों ने सीजेपी नेता अभिजीत दिपके के साथ धक्का-मुक्की की और विवाद किया। इसके अलावा जिले के पत्रकार साथियो के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। जबकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी हाथ बांधकर खड़े रहे। मुंजारे ने मांग की कि पुलिस ऐसे लोगों की पहचान कर उनकी मुसाफिरी की जांच करे। मुंजारे ने कहा कि बच्चों की मौत के वास्तविक कारण सामने लाने के लिए सभी मृत बच्चों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि बैगा अंचल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए और बीमार बच्चों का समय पर उपचार सुनिश्चित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अभी भी प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराने में विफल रही है।

नदी में उतरा करंट, युवक की मौत ...शव गड्ढे में दफनाया

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम मगरधरा में मछली पकड़ने के लिए नदी के पानी में विद्युत करंट प्रवाहित करने के दौरान युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद आरोपियों ने शव को नदी के पास गड्ढे में डालकर मिट्टी से दफना दिया था।पुलिस के अनुसार, गौकरण सिंह के 5 सितंबर से लापता होने की रिपोर्ट 8 सितंबर को दर्ज कराई गई थी। अगले दिन मगरधरा में नदी के पास बदबू आने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मिट्टी में दबे शव को बाहर निकलवाया, जिसकी पहचान गौकरण सिंह के रूप में हुई। मामले की जांच और पूछताछ में सामने आया कि भारत सिंह उम्र 21 वर्ष और वेंकट रमन उम्र 28 वर्ष दोनों निवासी मगरधरा, ने गौकरण के साथ मिलकर नदी में करंट प्रवाहित कर मछली पकड़ने की योजना बनाई थी।

भारत सिंह ने अपने घर से नदी तक विद्युत तार पहुंचाया जबकि वेंकट रमन ने तार को दूसरे तार से जोड़कर नदी के पानी में करंट प्रवाहित किया। इसी दौरान गौकरण करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। मौत के बाद दोनों आरोपियों ने शव को नदी के पास गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढक दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कल दिनांक 12 सितंबर को माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।वहीं कोतवाली पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

4 माह में सर्पदंश के 142 मरीजों को मिला जीवनदान

जिला अस्पताल की प्रशासनिक सूझबूझ और चिकित्सकों की तत्परता रंग लाई

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में बारिश के मौसम के साथ सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। ऐसे समय में जिला अस्पताल उमरिया की चिकित्सा व्यवस्था और चिकित्सकों की तत्परता कई लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हुई है। मई 2026 से अगस्त 2026 तक चार माह की अवधि में जिला अस्पताल में सर्पदंश के कुल 144 मामले उपचार के लिए पहुंचे। इनमें से 142 मरीजों को समय पर उपचार एवं एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन उपलब्ध कराकर चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक बचा लिया, जबकि दुर्भाग्यवश 2 मरीजों की मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, सर्पदंश के अधिकांश मामलों में मरीजों को जहरीले सांप के काटने की आशंका के साथ अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों द्वारा मरीजों की स्थिति का तत्काल परीक्षण कर आवश्यकतानुसार एएसवी इंजेक्शन सहित अन्य जरूरी उपचार उपलब्ध कराया गया।

आपातकालीन विभाग में तैनात चिकित्सकों, नर्सिंग ऑफिसर्स एवं अन्य कर्मचारियों की तत्परता और मेहनत के चलते गंभीर स्थिति में पहुंचे कई मरीजों को समय रहते उपचार मिल सका।

झाड़-फूंक में समय गंवाना पड़ सकता है जानलेवा-अस्पताल प्रबंधन के अनुसार जिन दो मरीजों की उपचार के दौरान मृत्यु हुई, उनमें अस्पताल पहुंचने में देरी प्रमुख कारणों में सामने आई। बताया गया कि परिजन मरीजों को तत्काल अस्पताल लाने के बजाय झाड़-फूंक एवं अन्य पारंपरिक उपचार के चक्कर में समय गंवा बैठे। जब तक मरीज जिला अस्पताल पहुंचे, तब तक उनकी स्थिति काफी गंभीर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने आमजन से अपील की है कि सर्पदंश की घटना को किसी भी स्थिति में हल्के में न लें। सांप के काटने के बाद झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार में समय गंवाने के बजाय मरीज को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा जिला अस्पताल पहुंचाया जाए।

माटी गणेश सिद्ध गणेश माटी गणेश बनाने का प्रशिक्षण सम्पन्न

उमरिया। गणेश चतुर्थी पर्व को पर्यावरण अनुकूल बनाने एवं नदी-तालाब सहित जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद उमरिया विकासखंड करकेली के तत्वावधान में 'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

सरदार पटेल लॉ कॉलेज, जबलपुर (म.प्र.)

कार्यालय- सरदार पटेल लॉ कॉलेज, कुंडम रोड, पिपरिया, खमरिया, जबलपुर (म.प्र.), फोन- 0761-2997742

विश्वविद्यालय अधिनियम कोड 28 के अंतर्गत निम्न अनुसार नियुक्ति हेतु आवेदन की शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति एवं दो फोटो सहित आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। आवेदन की अंतिम तिथि विज्ञापन प्रकाशित होने के 07 दिवस तक। विवरण निम्नानुसार..

क्र.	पद	पदों की संख्या	योग्यता एवं अनुभव
1.	सहायक प्राध्यापक (विधि)	06	एल.एल.एम. (Ph.D./NET/SLET अनिवार्य)
2.	सहायक प्राध्यापक (हिंदी)	01	एम.ए. (Ph.D./NET/SLET अनिवार्य)
3.	सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी)	01	एम.ए. (Ph.D./NET/SLET अनिवार्य)
4.	सहायक प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	01	एम.ए. (Ph.D./NET/SLET अनिवार्य)
5.	ऑफिस असिस्टेंट	01	हिंदी/ अंग्रेजी टाइपिंग एवं स्नातक

नोट- 1. संबंधित विषय में 55% अंकों के साथ Ph.D./NET/SLET अनिवार्य ।
2. उपरोक्त पदों के लिए यूजीसी चयन के प्रभावशाली नियम लागू होंगे।
3. आरक्षण में यूजीसी एवं मध्य प्रदेश शासन नियमों का पालन आवश्यक होगा।
4. आवेदक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के संचालक / प्राचार्य के पते पर सीधे या डाक द्वारा अंतिम तिथि के पूर्व भेजे ।
5. Email id: sardarpatellawcollege@gmail.com
6. अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय की हेल्पलाइन नंबर 9826342454 पर संपर्क कर सकते है।

प्राचार्य
सरदार पटेल लॉ कॉलेज जबलपुर

बैगा कन्या आश्रम में लगा ताला, छात्राएं लौटीं घर, छात्रावास के रख–रखाव मरम्मत की राशि को डकार गए जिम्मेदार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में संचालित छात्रावासों के हालात ठीक नही हैं मिल रही जानकारी के अनुसार अधिकांश छात्रावासों में वर्षो से रिपेरिंग नही हुई है और लिपाई पुताई बिजली पानी शौचालय की स्थिति भी ठीक नही हैं इन छात्रावासों के रख रखाव मरम्मत की राशि में लंबा घपला किया जा चुका है। जिसकी जांच भी चली और आखिरी में ले देकर मामले को रफा दफा कर दिया गया। हालात चिंताजनक बताए जाते हैं अधिकांश छात्रावास अधीक्षक नाराज हैं लेकिन वे खुलकर सामने नही आ पा रहे हैं। वहीं अध्ययनरत छात्र भी खुलकर कुछ नही बोल रहे हैं। इस बारिश में तो छात्रावासों की स्थिति और भी गंभीर नजर आई। ऐसा ही कुछ हाल जिले के मानिकपुर स्थित बैगा कन्या आश्रम का सामने आया है। जर्जर भवन और छत की सुरक्षा को लेकर आश्रम को बंद किए हुए किए महीना बीतने को है। यहां रहकर पढ़ाई करने वाली करीब 50 आदिवासी छात्राओं को अपने घर लौटना पड़ा है। सवाल यह नहीं है कि जर्जर भवन में छात्राओं को रखा जाना चाहिए था या नहीं सवाल यह है कि जब भवन असुरक्षित पाया गया और छात्राओं की सुरक्षा के लिए आश्रम बंद करना जरूरी समझा गया तो उनकी पढ़ाई और रहने की तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई आदिवासी अंचलों की बेटियों के लिए आश्रम केवल रहने की जगह नहीं होते बल्कि शिक्षा तक पहुंचने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। दूरदराज के गांवों से आने वाली अनेक छात्राओं के लिए प्रतिदिन स्कूल आना–जाना आसान नहीं होता। ऐसे में आश्रम बंद होने के बाद यदि वे घर लौटने को मजबूर होती हैं तो इसका सीधा असर उनकी नियमित पढ़ाई उपस्थिति और शैक्षणिक भविष्य पर पड़ सकता है जर्जर छत के नीचे छात्राओं को रखना किसी भी स्थिति में उचित नहीं माना जा सकता। यदि भवन की हालत वास्तव में खतरनाक थी तो छात्राओं को वहां से हटाना प्रशासन की जिम्मेदारी थी। लेकिन सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद अगला कदम छात्राओं के लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास और पढ़ाई की व्यवस्था करना भी उतना ही जरूरी था यही वह बिंदु है जहां प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठता है। आश्रम बंद हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है। इस अवधि में क्या भवन की तकनीकी जांच पूरी हुई क्या संबंधित विभाग ने लिखित रिपोर्ट तैयार की क्या मरम्मत या पुनर्निर्माण का प्रस्ताव बनाया गया क्या किसी दूसरे सरकारी भवन में छात्राओं को अस्थायी रूप से रखने की व्यवस्था तलाश की गई इन सवालों के स्पष्ट जवाब अब सामने आने चाहिए सरकार आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने बेटियों को स्कूल से जोड़ने और छात्रावास एवं आश्रमों के माध्यम से बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के दावे करती है। लेकिन जमीनी स्थिति यह सवाल खड़ा कर रही है कि यदि किसी आश्रम भवन में तकनीकी समस्या आ जाए तो क्या छात्राओं की शिक्षा रोक देना ही एकमात्र विकल्प है करीब 50 छात्राओं का तीन सप्ताह तक आश्रम से बाहर रहना कोई छोटी बात नहीं है। हर दिन की पढ़ाई महत्वपूर्ण है। खासकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में पढ़ने वाली बेटियों को शिक्षा से जोड़कर रखना स्वयं में एक चुनौती है। ऐसे में यदि व्यवस्था की कमी के कारण छात्राएं दोबारा लंबे समय तक स्कूल और अध्ययन से दूर होती हैं, तो इसका प्रभाव उनके भविष्य पर पड़ सकता है सबसे बड़ा सवाल यही है कि आश्रम बंद होने के बाद संबंधित विभाग ने अब तक क्या कार्रवाई की क्या मौके का निरीक्षण हुआ क्या भवन की तकनीकी स्थिति का आकलन कराया गया यदि भवन मरम्मत योग्य है तो मरम्मत कब शुरू होगी यदि भवन पूरी तरह अनुपयोगी है तो नए भवन की प्रक्रिया कब शुरू होगी ये सवाल अब केवल 50 छात्राओं के नहीं बल्कि आदिवासी बेटियों की शिक्षा और उनके भविष्य से जुड़े सवाल हैं। प्रशासन को चाहिए कि मामले को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल ठोस कार्रवाई करे ताकि सुरक्षा के नाम पर छात्राओं की शिक्षा बाधित न हो सरकार और प्रशासन की वास्तविक संवेदनशीलता का पैमाना केवल योजनाओं और घोषणाओं से नहीं, बल्कि ऐसे कठिन समय में लिए गए फैसलों से तय होता है। मानिकपुर की इन आदिवासी बेटियों को फिलहाल सबसे ज्यादा जरूरत आश्वासन की नहीं बल्कि सुरक्षित छत नियमित पढ़ाई और समयबद्ध समाधान की है।

तरु मित्र फाउंडेशन ने रोपे पौधे

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनजीओ तरु मित्र फाउंडेशन द्वारा टिकरिया स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के कुल 12 पौधों का रोपण किया वृक्षारोपण के दौरान आम अमरूद पीपल रामफल जामुन बेल सहित अन्य उपयोगी एवं फलदार प्रजातियों के पौधे लगाए गए सदस्यों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर अभिलाष शर्मा, आलोक साहू, मन्नू ठाकुर, अजय पंचेश्वर, मयंक अग्रवाल, अब्बू साहू, ब्रजेश सिंगरोर सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माटी गणेश पर कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण शुद्धता के उद्देश्य से जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में रानी दुर्गावती महाविद्यालय में विकासखंड स्तरीय माटी गणेश सिद्ध गणेश कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में नर्मदा समग्र संभाग टोली के सदस्य श्याम श्रीवास, परामर्शदाता संतोष कुमार रजक, रागिनी हरदहा, दीपा श्रीवास, आशीष नामदेव सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नायब तहसीलदार बम्हनी द्वारा प्रस्तुत राजस्व प्रकरण के आधार पर ग्राम लिमरूआ निवासी देवकी जंघेला की सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरण में उनके निकटतम वारसान को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवकी जंघेला की मृत्यु 19 अगस्त को ग्राम लिमरूआ में सर्पदंश के कारण हुई थी।

मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने तथा वन क्षेत्र से लगे ग्रामों के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक आजीविका एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा परिक्षेत्र खापा अंतर्गत रजमा समिति के सदस्यों के लिए मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बच्चों से भरा ऑटो पलटा, 16 स्कूली बच्चे घायल

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

घुघरी थाना क्षेत्र के बनेहरी गांव में शनिवार देर शाम उस समय अफरा–तफरी मच गई जब स्कूली बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे के समय ऑटो में चालक सहित कुल 17 लोग सवार थे जिनमें 16 स्कूली बच्चे शामिल थे दुर्घटना में सभी 16 बच्चे घायल हो गए हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और उपचार के लिए घुघरी अस्पताल पहुंचाया जहॉ प्राथमिक उपचार के बाद 11 बच्चों की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। घुघरी एसडीएम संस्कार बावरिया ने बताया कि जिला अस्पताल पहुंचे सभी बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर है। एहतियात के तौर पर एक बच्चे खेमचंद को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया जा रहा है। बच्चे के सिर में चोट लगी है और जबड़े में चोट की आशंका है एसडीएम के अनुसार अन्य घायल बच्चे होश में हैं और बातचीत कर रहे हैं चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे ने बताया कि हादसे के बाद 11 बच्चे जिला अस्पताल पहुंचे हैं अधिकांश बच्चों की हालत ठीक है एक बच्चे के सिर में चोट तथा जबड़े में फ्रैक्चर की आशंका के चलते न्यूरोसर्जन की राय और आवश्यक जांच के लिए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा भी जिला अस्पताल पहुंचे उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली उन्होंने बच्चों के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया दुर्घटना के बाद पुलिस ने ऑटो को अपने कब्जे में लेकर मौके पर खड़ा करवा दिया है। ऑटो चालक का चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया था लेकिन उपचार के बाद वह मौके से फरार हो गया पुलिस अब उसकी तलाश में जुटी है मामले में ऑटो चालक और संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी पुलिस हादसे के कारणों के साथ–साथ ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए जाने की स्थिति की भी जांच कर रही है इस हादसे ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली बच्चों के परिवहन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण इलाकों में अक्सर क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर ऑटो दौड़ाए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं सीमित क्षमता वाले ऑटो में बच्चों को ठूंस–ठूंसकर बैठाने की स्थिति कई बार दिखाई देती है ऐसे में एक छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे में बदल सकती है अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के नाम पर केवल हादसे के बाद कार्यवाही पर्याप्त नहीं है परिवहन विभाग और पुलिस को ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अभियान चलाकर ओवरलोड ऑटो पर सख्ती करनी चाहिए।

पथ विक्रेताओं का लोक कल्याण मेला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं के लिए लोक कल्याण मेले का आयोजन टाउन हॉल में किया गया। कार्यक्रम नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा की अध्यक्षता में तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निर्देशन में आयोजित हुआ। मेले में पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण के लिए 43 तथा क्रेडिट कार्ड के लिए 7 हितग्राहियों ने पंजीयन कराया। कार्यक्रम के दौरान तीनों चरणों के अंतर्गत 8 हितग्राहियों को 15 हजार रुपये 6 हितग्राहियों को 25 हजार रुपये तथा 5 हितग्राहियों को 50 हजार रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही 3 हितग्राहियों को 10 हजार रुपये की लिमिट वाले पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को इसके संचालन एवं उपयोग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही डिजिटल लेन–देन तथा कैशबैक योजना के संबंध में भी जानकारी दी गई। मेले में जिला चिकित्सालय की टीम द्वारा नगर पालिका कर्मचारियों एवं हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका के संबंधित अधिकारी–कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में पथ विक्रेता हितग्राही उपस्थित रहे।

इस्कॉन सेंटर में नंदोत्सव आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के बाद मनाया जाने वाला नंदोत्सव इस्कॉन सेंटर में हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हरिनाम संकीर्तन और विशेष आरती से हुई जिसके पश्चात उपस्थित सभी भक्तों के लिए महाप्रसादम की व्यवस्था की गई। पूरा वातावरण हरे कृष्ण के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस पावन अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व सिंधी समाज अध्यक्ष गणेश जसवानी, सिंधी समाज अध्यक्ष पारस इसरानी उपस्थित रहे। इसके साथ गोवर्धन सीरवानी, घनश्याम दास गिलानी, गुलशन वरदानी, श्याम वीरानी, सुनील क्षत्री, बिरजू राजानी, हरीश गुरबानी, गोपाल धमेजा, इंदर सहजवानी एवं मंडला के समस्त कृष्ण भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इस्कॉन से श्रीपाद प्रेमावतार प्रभु ने सभी भक्तों को जन्माष्टमी एवं नंदोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सामूहिक गायत्री महामंत्र की पूर्णाहुति

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)।

वंदनीया माताजी एवं अखण्ड दीप शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ बम्हनी बंजर में आयोजित 40 दिवसीय सामूहिक गायत्री महामंत्र अनुष्ठान का भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी के अवसर पर 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ श्रृद्धापूर्वक समापन हुआ। अनुष्ठान का उद्देश्य विश्वकल्याण आत्मशुद्धि जन–जन में सद्भावना तथा संस्कार जागरण की भावना को मजबूत करना रहा इस सामूहिक अनुष्ठान का संकल्प 29 जुलाई को श्रावण मास की गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर लिया गया था। अनुष्ठान में शामिल प्रत्येक साधक ने सवा–सवा लाख गायत्री महामंत्र के जप का संकल्प लेकर नियमित साधना की। 40 दिनों तक गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से सामूहिक यज्ञ एवं साधना का क्रम चलता रहा अनुष्ठान पूर्ण करने वाले साधकों में धनीराम चक्रवर्ती, गोपाल प्रसाद हरदहा, मोतीलाल चक्रवर्ती, जितेन्द्र चंदेला, महेन्द्र कुमार लखेरा, बलराम सेन, दानी लाल वंदेवार, ज्ञानचंद हरदहा, रवि कुमार धनगर, सुरेन्द्र रजक, श्रीमती प्रभा धनगर, श्रीमती गीता बाई चक्रवर्ती, श्रीमती मंजू पटेल, श्रीमती कमला धनगर एवं श्रीमती दीप कुमारी जंघेला शामिल रहे पूर्णाहुति कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा, हरिकेश दुबे मंडल प्रभाग सदस्य, उपजोन जबलपुर, रामनाथ पटेल मुख्य प्रबंध ट्रस्टी अंजनिया, अरविंद हरदहा, हितेंद्र पटेल, श्रीमती सत्या रोहरा, कुलदीप ठाकुर, मूलचंद परते एवं दीपक रोहरा सहित गायत्री परिवार के अनेक परिजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी साधकों को अधिवक्ता श्रीमती नीलम मिश्रा द्वारा सद्वाक्य प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नैनपुर न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

53 प्रकरणों का निराकरण, 2.95 लाख से अधिक की बकाया राशि वसूली

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को न्यायालय परिसर नैनपुर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में माननीय श्री विवेकानंद त्रिवेदी, चतुर्थ जिला न्यायाधीश, श्रृंखला न्यायालय नैनपुर तथा माननीय श्री आदिल अहमद खान, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति नैनपुर उपस्थित रहे। इस अवसर पर तहसील अधिवक्ता संघ नैनपुर के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा सहित उपाध्यक्ष, सचिव, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्तागण, खंडपीठ के सदस्य, बैंक एवं नगरपालिका नैनपुर के अधिकारी–कर्मचारी, न्यायालयीन कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के त्वरित एवं आपसी सहमति से निराकरण के लिए न्यायालय परिसर नैनपुर में दो खंडपीठों का गठन किया गया। खंडपीठ क्रमांक 16 में पीठासीन अधिकारी माननीय श्री विवेकानंद त्रिवेदी, चतुर्थ जिला न्यायाधीश, श्रृंखला न्यायालय नैनपुर की न्यायालय में कुल 6 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 2 लाख 50 हजार रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। इसी प्रकार खंडपीठ क्रमांक 17 में पीठासीन अधिकारी माननीय श्री आदिल अहमद खान, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड नैनपुर की न्यायालय में कुल 18 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 11 हजार 500 रुपये की चालान राशि जमा कराई गई।

इसके अतिरिक्त इसी खंडपीठ में 29 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया गया, जिसमें कुल 2 लाख 95 हजार 467 रुपये की बकाया राशि की वसूली की गई। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों को आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर विवादों के त्वरित निराकरण का अवसर मिला।

जब कलेक्टर ने थामा खेल का मैदान, खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

जेआरसी मैदान में अधिकारियों और विद्यार्थियों के बीच हुआ रोमांचक वॉलीबाल मुकाबला

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय दौरे पर नैनपुर पहुंचे जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे का एक अलग और प्रेरणादायी रूप नगर के ऐतिहासिक जेआरसी मैदान में देखने को मिला। प्रशासनिक दायित्वों की व्यस्तता के बीच जब कलेक्टर ने खेल मैदान में कदम रखा और प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ वॉलीबाल खेला, तो पूरा वातावरण उत्साह और उमंग से भर उठा। अधिकारियों को अपने बीच खिलाड़ी के रूप में देखकर विद्यार्थियों के चेहरे पर जो आत्मविश्वास और प्रसन्नता दिखाई दी, वह इस अनूठी पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। जेआरसी मैदान में कलेक्टर श्री धोटे के साथ जिला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ शाश्वत मीणा, एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर एवं एसडीओपी मनीष राज ने एक टीम का हिस्सा बनकर विद्यार्थियों की टीम के साथ वॉलीबाल का मुकाबला खेला। खेल के दौरान अधिकारियों और विद्यार्थियों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मुकाबला रोमांचक रहा और कलेक्टर की टीम ने 13–15 के अंतर से जीत दर्ज की।

हेडलाइट की रोशनी में पूरा हुआ मुकाबला–मैच आरम्भ होने के पहले ही अंधेरा हो चुका था। मगर कलेक्टर की खेल भावना और खेल के जुनून के आगे रोशनी की कमी भी बाधा नहीं बन सकी। अधिकारियों के वाहनों की हेडलाइटें मैदान की ओर कर दी गईं और उन्हीं की रोशनी में मुकाबला आगे बढ़ा। प्रशासनिक अधिकारी जब पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ मैदान में पसीना बहाते नजर आए तो विद्यार्थियों के उत्साह का भी कोई ठिकाना नहीं रहा। जेआरसी मैदान में घटा यह दृश्य नैनपुर की खेल स्मृतियों में लंबे समय तक याद किया जाएगा।

खिलाड़ियों से एक–एक कर मिले कलेक्टर–मैदान में केवल वॉलीबाल ही नहीं, बल्कि एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, कराटे और पिट्ठू जैसे खेलों में प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके विद्यार्थी खिलाड़ी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री धोटे ने इन खिलाड़ियों से एक–एक कर मुलाकात की, उनकी उपलब्धियों के बारे में जाना और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल केवल मैदान पर जीत–हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, संघर्ष और जीवन में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि आप और अधिक मेहनत कीजिए। आपकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने और आपको राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। उनके इन शब्दों ने खिलाड़ियों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया।

नैनपुर की खेल विरासत से कराया परिचित–इस अवसर पर कलेक्टर एवं उपस्थित अधिकारियों को शिक्षक शंकर दयाल बाजपेयी ने नैनपुर की समृद्ध खेल विरासत तथा जेआरसी मैदान के ऐतिहासिक महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि इस मैदान ने लंबे समय से नैनपुर की खेल प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कलेक्टर ने नैनपुर में मौजूद खेल प्रतिभाओं को और बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाने की बात कही।

संपादकीय

खूब फुलफुलाना नहीं चाहिए

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो चुका है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। कई समझौते भी परवान चढ़े। दरअसल हम आज भारत की अर्थव्यवस्था, ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और भारत के निरंतर घाटे की चर्चा कर रहे हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। फिलहाल उनके बीच एक विनाशक, विध्वंसक युद्ध जारी है। ईरान ने उनके तेल ठिकानों, रिफाइनरियों, संयंत्रों पर ऐसे हमले किए हैं कि उनके उत्पादन खत्म हो गए हैं या वे भस्म हो गए हैं, नतीजतन दुनिया संकट में है। हालांकि अमरीका-इजरायल इस युद्ध के 'नरसंहारी चेहरे' हैं। ईरान युद्ध के कारण अभी तक भारत को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का 'राजकोषीय धक्का' लग चुका है। यह अनुमान है, जबकि हकीकत इससे ज्यादा हो सकती है! इसी के कारण हमारा चालू खाता घाटा भी जीडीपी का 1.9 फीसदी से 2 फीसदी तक बढ़ चुका है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026-27 की आखिरी विकास दर 6.5 फीसदी के करीब हो सकती है, लिहाजा एक तिमाही की 7.8 फीसदी विकास दर पर अधिक फुलफुलाना नहीं चाहिए। भारत ब्रिक्स देशों-चीन, रूस, अमीरात, सऊदी, ब्राजील-के साथ लगातार कारोबार करता रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि हम लगातार व्यापार-असंतुलन के शिकार हो रहे हैं और भारत आज तक 'निराश्रित' है। 'आत्मनिर्भरता' तो बहुत दूर की कौड़ी है। चीन के साथ भारत का व्यापार-घाटा 9.92 लाख करोड़ रुपए का है, तो रूस की तुलना में भारत 4.48 लाख करोड़ रुपए के घाटे में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ करीब 2.34 लाख करोड़ रुपए और सऊदी अरब के साथ भी करीब 1.81 लाख करोड़ रुपए का व्यापार-घाटा हम झेल रहे हैं। ब्राजील सरीखे अपेक्षाकृत छोटे देश के साथ भी भारत का व्यापार-घाटा करीब 9579 करोड़ रुपए का है। ब्रिक्स देशों के साथ भारत करीब 40 लाख करोड़ रुपए का कुल व्यापार करता है, इसमें व्यापार-घाटा 21.14 लाख करोड़ रुपए का है। भारत का 2026 में अभी तक निर्यात 21.7 फीसदी है, जबकि आयात 41.5 फीसदी है। वैश्विक स्तर पर यह सूची बहुत लंबी है। बेशक ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, विदेश नीति, बहुपक्षीय व्यापार और अन्य सहयोगों का मंच है, लेकिन भारत सरीखे मुख्य किरदार वाले देश के आर्थिक-व्यापारिक अंतर्संबंध 'असंतुलित' हों, तो कब तक झेला जा सकता है? इस असंतुलन और घाटे की चर्चा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान नहीं हुई, क्योंकि भारत सरकार स्वीकार ही नहीं करती कि वाकई व्यापारिक असंतुलन की स्थिति है। बहरहाल भारत पर आज करीब 225 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। जाहिर है कि आय और व्यय, आयात और निर्यात में गंभीर असंतुलन होंगे, तो इतना कर्ज उठाना पड़ा है। ब्रिक्स के न्यू डवलपमेंट बैंक ने भी हमारी कई परियोजनाओं को पैसा दिया है। वह भी कर्ज ही होगा! दरअसल यह व्यापार-घाटा किसी एक सरकार के कार्यकाल का नहीं है। हमने दुर्लभ खनिज, फार्मा के कच्चे माल, यूरिया, मैन्यूफैक्चरिंग के विभिन्न उपकरण आदि के उत्पादन पर गंभीर ध्यान ही नहीं दिया अथवा गंभीर प्रयास नहीं किए, लिहाजा दूसरे देशों, खासकर चीन, पर हमारा आश्रय बढ़ता रहा है। अलबत्ता मोबाइल निर्माण में हम विश्व के दूसरे स्थान के देश बन सकते हैं या करीब 2 लाख करोड़ रुपए के रक्षा-उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं, तो अन्य वस्तुओं, सेवाओं, उपकरण, कच्चे माल के लिए भारत 21वीं सदी में भी मोहताज क्यों है? कच्चे तेल, एलपीजी, एलएनजी के आयात समझ में आते हैं, क्योंकि ऐसे स्रोत भारत में 'नगण्य' हैं अथवा तलाशे जा रहे हैं, लेकिन 'टेक्निकल ग्रेड' का 60 फीसदी यूरिया दुबई और मिस्र से आज भी आयात क्यों करना पड़ रहा है?

14 सितंबर हिन्दी दिवस पर विशेष

भारत की सांस्कृतिक चेतना की उन्नायक हिन्दी

डॉ.अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस
इंदौर, मप्र

14 सितंबर को हिन्दी दिवस का आगमन हिन्दी जगत के लिए उमंग उत्साह और ऊर्जा से भरा हुआ उत्सव होता है जिसका समापन हिन्दी सप्ताह और हिन्दी पखवाड़े में आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत करने और हिन्दी सेवियों हिंदी प्रेमियों तथा हिंदी साधकों के श्रेष्ठतम कार्यों के सम्मान के साथ एक कर्मकांड के रूप में होता है। हिन्दी दिवस पर हम बड़े ही आत्मविश्वास के साथ हिन्दी की गरिमा, उसकी महिमा और उसके अप्रतिम गौरव का गुणगान तो करते हैं किंतु वास्तव में हम हिंदी की दशा को लेकर अपेक्षित गंभीर नहीं होते जबकि यह दिन हमारे आत्म मूल्यांकन का आत्मविश्लेषण का होता है कि हमने हिन्दी के भविष्य को स्वर्णिम बनाने की दिशा में क्या महतीअवदान दिया है।

यह सही है कि हिंदी हमारी अस्मिता की पहचान और भारत की आत्मा है।यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को सूक्ष्मता सेअभिव्यक्त करने की संपदा है। यह हमारे सार्वभौमिक मूल्यों की विधायिका है जो समग्र राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधती है,यह केवल संवाद की भाषा ही नहीं है,बल्कि यह एक समृद्ध,सांस्कृतिक, नैतिक और आध्यात्मिक विरासत की संवाहिका है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना अर्थात वैश्विक भाईचारे और एकता की भावना जाग्रत कर जन जन में आत्माभिमान स्वाभिमान का भाव उत्पन्न करती है। परस्पर सम्मान जुड़ाव विनम्रता सहिष्णुता संवेदनशीलता और समरसता का भाव हिन्दी की अंतर्निहित प्रकृति है। इसीलिए हिन्दी जन जन की अभिलाषा के अनुरूप समग्र राष्ट्र में संपर्क की भाषा बनीहै।

मध्यकाल में हिन्दी भक्ति आंदोलन के धार्मिक और सामाजिक सुधारों की भाषा बनी और स्वाधीनता संग्राम के राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले आदर्शों को हिन्दी ने मुखरता के साथ सशक्त किया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लम्बे संघर्ष के बाद 14 सितंबर,1949 को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में प्रावधान किया गया कि संघ की सरकारी भाषा देवनागरी लिपि में हिंदी होगी और संविधान के लागू होने के समय से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के उन सभी प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी का प्रयोग होता रहेगा।अनुच्छेद की धारा 3 में व्यवस्था की गई कि संसद 15 वर्ष की कालावधि के पश्चात विधि द्वारा अंग्रेजी भाषा के प्रयोग को उपबंधित कर सकेगी।किंतु ऐसा हो ना सका। राष्ट्रभाषा के संदर्भ में गठित खेर आयोग और पंत समिति के प्रतिवेदनों के आधार पर 1963 में बनाए गए राजभाषा अधिनियम के अनुसार ऐसी व्यवस्था कर दी गई कि 26जनवरी1965 के पश्चात भी अंग्रेजी राजकाज की भाषा बनी रहेगी यद्यपि हिंदी ही संघ की राज भाषा होगी किंतु अंग्रेजी के प्रयोग की छूट तब तक बनी रहेगी जब तक हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाने वाले सभी राज्यों के विधानमंडल अंग्रेजी को समाप्त करने के लिए संकल्प ना पारित करें। स्पष्ट है कि विधेयक के अनुसार अंग्रेजी का प्रयोग अनंत काल तक किया जा सकेगा। किसी निश्चित अवधि का उल्लेख वहां नहीं है यदि एक भी राज्य हिंदी का प्रयोग ना चाहे तब भी हिंदी राजकाज की अनिवार्य भाषा नहीं हो सकेगी। इस प्रकार हिन्दी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित हो गई।

डॉ.भीमराव अंबेडकर ने भाषा के प्रश्न को केवल भावुकता की दृष्टि से नहीं देखा बल्कि भाषा के प्रति उनका दृष्टिकोण राष्ट्रीय था। संस्कृत हो या हिन्दी दोनों के प्रति उनकी धारणा थी कि ये भाषाएँ भारत को एकता के सूत्र में बांधकर संगठित रख सकती हैं और किसी भी प्रकार के भाषायी विवाद से बचा सकती है। डॉ.अंबेडकर के पास विभिन्न विषयों में 32 उपाधियाँ थीं और वे 9 भाषाओं के ज्ञाता थे। फिर भी उन्होंने अंग्रेजी अखबार नहीं निकाला वरन हिन्दी में अखबार निकाले।यदि अंग्रेजी में अखबार निकाला होता तो संभवत: वे मूक समाज के महानायक नहीं बन पाते। वे क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के विकास के पक्षधर थे, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को ही प्रतिस्थापित करने के समर्थक थे। वे भाषाई आधार पर प्रांतों के गठन के पक्षधर नहीं थे। डॉ. अंबेडकर ने एक भाषा एक राज्य के स्थान पर एक राज्य एक भाषा का समर्थन किया था।

हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने बहुत ही सोच समझ कर हिन्दी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया था। महात्मा गांधी ने कहा था,अगर हम भारत को राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हिंदी ही हमारी राष्ट्रभाषा हो सकती है। अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है लेकिन वह हमारी राष्ट्रभाषा नहीं हो सकती। वे मानते थे कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का कहना था कि प्रांतीय ईर्ष्या द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता हिंदी प्रचार से मिलेगी उतनी दूसरी किसी चीज़ से नहीं मिल सकती। यदि हम लोगों ने तन मन धन से प्रयत्न किया तो वह दिन दूर नहीं जब भारत स्वाधीन होगा और उसकी राष्ट्रभाषा होगी हिंदी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने भी कहा था हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। जबकि के एम मुंशी का कहना था कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना नहीं है। वह तो है ही। भारतेन्दु जी ने कभी बड़ी गहराई में उतरकर लिखा था निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। पै निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय को सूल। इस मूल मंत्र को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में रेखांकित करते हुए मातृभाषाओं, लोकभाषाओं को समान अवसर दिया गया है।

प्रारंभिक विद्यालयीन पठन पाठन से लेकर उच्च शिक्षा तक में लोकभाषाओं का महत्व बढ़ा है जो आने वाले वर्षों में भारत को वैश्विक ज्ञान के नए क्षितिजों में स्थापित करेगा। यद्यपि मातृ भाषा में शिक्षा की वकालत करना बहुत सहज है,किंतु इस हेतु क्रियान्वयन के स्तर पर समग्रत: मानवीय और भौतिक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता अपरिहार्य है। और वास्तव में हिन्दी की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह केवल प्राथमिक शिक्षा की भाषा बनकर न रह जाए वरन् वह वैश्विक विश्वविद्यालयों में भी उच्चतम शोध और ज्ञान की बुनियाद बनना चाहिए।

किसी भी भाषा का भविष्य सरकारी आदेशों से उज्जवल नहीं होता और ना ही यह किसी एक व्यक्ति संस्था या शासकीय तन्त्र पर निर्भर होता है। भाषा का भविष्य तो उस भाषा के प्रति सृजनात्मक समर्पण भाव से होता है,उसके बोलने जानने समझने और लिखने वालों की निस्वार्थ संकल्प शक्ति, अपनी भाषा के प्रति अपनत्व और निश्छल ममत्व से होता है। यदि हिन्दी के प्रति हमारा जुड़ाव केवल हिन्दी दिवस को एक वार्षिक उत्सव मनाने तक ही सीमित है तब ऐसा प्रतीत होता है कि वास्तव में हम हिन्दी के समर्थक हैं या हम ऐसा होने का मात्र आडंबर कर रहे हैं।

धर्म एव हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षिता:।

अर्थात् जो धर्म की हत्या करता है वह स्वयं मारा जाता है और जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। यदि यहां हम धर्म के स्थान पर भाषा रख दें तो स्थिति वही रहती है कि जो जाति भाषा की उपेक्षा करती है वह स्वयं उपेक्षित हो जाती है और जो अपनी भाषा की रक्षा करती है भाषा भी उसकी रक्षा करती है। इसलिए भाषायी उपेक्षा सांस्कृतिक क्षरण का कारण बनती है।

गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि अन्य भारतीय भाषाएं नदी है और हिन्दी महानदी। अत: वैश्विक स्तर पर हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यताके परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। हिन्दी को अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और परस्पर समन्वय का संबंध रखते हुए सहेलियों जैसा व्यवहार करना चाहिए। जहां अपनी अपनी श्रेष्ठताओं और विशिष्टताओं का आदान-प्रदान परस्पर विश्वास समन्वय और सहयोग के आधार पर होता हो। अन्यथा भाषायी सौहार्द निर्मित नहीं हो सकता।

सोशल मीडिया में सूचनाओं के विस्फोट की क्रांति ने नए डिजिटल युग को जन्म दिया है जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ भाषा के समक्ष विकास की अनंत संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। एक और सूचनाओं का अनंत साम्राज्य है तो वहीं दूसरी ओर फर्जी झूठी काल्पनिक बनावटी नकलीऔर असत्य जानकारियों से बचते हुए गुणवत्तापूर्ण सही सामग्री और ज्ञान के असली मोतियों का चुनाव बहुत कठिन है। डिजिटल दुनिया के प्रतिस्पर्धी संसार में हिन्दी की उपादेयता और स्वीकार्यता को विस्तार देने के लिए हिन्दी में डिजिटली ज्ञान के कौशल को समृद्ध और सशक्त बनाना हिन्दी के अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है।

हिन्दी के सर्वतोन्मुखी विकास के लिए एकपक्षीय दृष्टिकोण का परित्याग आवश्यक करते हुए सरकारी और गैर सरकारी सभी साधनों के एकत्रीकरण एवं सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता है और उच्च कोटि की ध्येय निष्ठा के साथ अनवरत साधना की भावना ही हिन्दी के वांगमय को समृद्ध बना सकती है।

हिन्दी में आधुनिक ज्ञान विज्ञान भूगोल, खगोल चिकित्सा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंजीनियरिंग,कृषि, अर्थशास्त्र,दर्शन अध्यात्म,गणित आदि की सभी शाखाओं में आधुनिकतम वैश्विक स्तर के मौलिक और प्रामाणिक ग्रंथों का सृजन,वैश्विक स्तर के शब्द भंडार,डिजिटल संपदा का निर्माण और आधुनिक ढंग से उत्कृष्टतम शोध कार्य युद्ध स्तर पर करने की आवश्यकता है।

जिस दिन हिंदी रोजगार की कुंजी और अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान का प्रवेश द्वार बनने की क्षमता अर्जित कर लेगी उस दिन हिंदी दिवस सार्थक हो जाएगा।

कोटि कोटि कंठों की भाषा ,
जनगणना की मुखरित अभिलाषा,
हिन्दी है पहचान हमारी,
हिन्दी है हम सबकी परिभाषा।

क्षेत्रीय भाषाओं के विरोध के बीच, जेन जी की पसंद बन रही विश्व भाषा हिंदी

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

विचारों की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम भाषा है। एक समृद्ध समाज के निर्माण में समृद्ध भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। भाषा ही राष्ट्र संबंधी समस्त वैशिष्ट्य को स्थायित्व प्रदान करती है और हिंदी भारत के संदर्भ में इस दायित्व का बखूबी निर्वाह कर रही है। मानव के क्रमिक विकास के साथ भाषा भी पहले सांकेतिक, फिर मौखिक और अब लिखित रूप में विकसित हुई है। हिंदी एक आधुनिक भारत-आर्य भाषा है, जो देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी विश्व की वर्तमान लेखन प्रणालियों में सबसे वैज्ञानिक प्रणाली मानी जाती है। भाषा विकास क्रम में इसकी उत्पत्ति संस्कृत से मानी जाती है, पाली, प्राकृत से होते हुए यह आज देवनागरी में भारत की आधिकारिक भाषा है।

आज दुनिया भर में लगभग 1 अरब 2 करोड़ लोग हिंदी को जानते हैं, जबकि चीनी भाषा को जानने वाले लगभग 91 करोड़ हैं। इसने देश की अस्मिता के प्रतीक से ऊपर उठकर विश्वभाषा के रूप में अपनी पहचान बनाई है। विश्व में लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी को पहली या दूसरी भाषा के तौर पर उपयोग कर रहे हैं।

हिंदी विश्वभाषा की क्षमताओं से संपन्न है। हालांकि वैश्विक फलक पर अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश भी विश्वभाषा के रूप में दिखती हैं, पर उनके विश्वभाषा बनने की प्रक्रिया साम्राज्यवाद पर आधारित है। 19वीं सदी में ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने अंग्रेजी को फैलाया। इसके उलट हिंदी ने गुलामी के दौर में भाषायी दबाव झेला, फिर भी उसकी अस्मिता प्रखर रही।

किसी भी भाषा के वैश्विक होने के प्रमुख आधार हैं - प्रयोक्ताओं की संख्या, भाषा की अंतःशक्ति और साहित्यिक समृद्धि। इन तीनों कसौटियों पर हिंदी खरी उतरती है। मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, ट्रिनाडाड, गुयाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया में हिंदी लोकप्रिय है। नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, बांग्लादेश में तो यह सहजता से बोली-समझी जाती है।

फिर हिंदी का विरोध क्यों?

1963 में संविधान के अनुच्छेद 343 में देवनागरी लिपि में हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित किया गया था। तभी से भारत में भाषा विवादास्पद मुद्दा रही है। आज हिंदी का जो विरोध हो रहा है, उसके मूल में एक भय है - कि हिंदी के प्रसार से क्षेत्रीय भाषाएं नष्ट हो जाएंगी। तमिलनाडु, कर्नाटक और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में यही आशंका बार-बार व्यक्त की जाती है।

यह भय स्वाभाविक है, लेकिन निराधार है। हिंदी ने कभी किसी भाषा को निगलने का प्रयास नहीं किया। वह सह-अस्तित्व की भाषा है। हिंदी की सबसे बड़ी ताकत ही उसकी सरलता, सहजता और समावेशिता है। वह संस्कृत की तत्सम शब्दावली के साथ उर्दू, अरबी, फारसी और अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात कर लेती है। यही सरलता उसके स्वीकार्यता के दायरे को भारत ही नहीं, पूरे विश्व में बढ़ा रही है।

सोशल मीडिया और जेन-जेड ने बदली तस्वीर

सोशल मीडिया पर हिंदी के बढ़ते इस्तेमाल पर बहस होती है, लेकिन आंकड़े दूसरी कहानी कहते हैं। इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक और ङ्ग पर हिंदी कंटेंट की खपत पिछले 5 सालों में 400 प्रतिशत बढ़ी है। गूगल की रिपोर्ट कहती है कि भारत में 90 प्रतिशत नए इंटरनेट यूजर्स हिंदी में सर्च करना पसंद करते हैं।

सबसे बड़ा बदलाव त्रद्गठ्ठ-ँ लेकर आया है। जो पीढ़ी अंग्रेजी में पली-बढ़ी मानी जाती थी, वही आज हिंदी में रील, मीम्स, पॉडकास्ट और स्टैंडअप कर रही है। हिंदी अब केवल साहित्य या सरकारी कामकाज की भाषा नहीं, बल्कि कूल, ट्रेंडी और रोजगार की भाषा बन गई है। Hinglish ने हिंदी को युवाओं के और करीब ला दिया है। एक युवा जितनी आसानी से भाई, क्या scene है? कहता है, उतनी ही आसानी से वह भाई, दिल से बुरा लगता है भी लिखता है।

सोशल मीडिया ने हिंदी को नया व्याकरण दिया है - छोटा, तेज, इमोजी वाला। लेकिन इससे हिंदी कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत हुई है। भाषा वही जीवित रहती है जो समय के साथ बदले।

इसलिए हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है। वह किसी पर थोपी नहीं जा रही, बल्कि अपनी सरलता, वैज्ञानिक लिपि और विशाल साहित्य के दम पर खुद स्वीकार की जा रही है। वह क्षेत्रीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उनकी बड़ी बहन है, जो पूरे देश को एक सूत्र में पिरोकर विश्व मंच पर भारत की आवाज बन रही है।

युग-युगांतर में जन्म लेती हैं ऐसी विभूति

हरतालिका तीज को 103 वर्ष पहले 1923 में धरा पर अवतरित हुए द्वि-पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज को ब्रम्हलीन हुए 3 वर्ष 3 दिन हो गए हैं। उन्होंने सनातन धर्म के के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। उनका कृतित्व इतना महान है कि उसे देखा जाए तो यह कहना अतिशयुक्ति नहीं होगा कि उनके जैसी विभूति युगों-युगांतर में धरा पर आती हैं। भगवान आद्य शंकराचार्य के द्वारा ढाई हजार साल पहले भारत भूमि पर जिस समय अवतार लिया था वह वक्त सनातन धर्म के लिए संकट काल था, बौद्ध धर्म पांव पसार रहा था, सनातन धर्म पतन को प्राप्त था। ऐसे में उन्होंने न सिर्फ सनातन धर्म की पुर्नस्थापना की अपितु देश को चारों दिशाओं में 4 पीठ बनाकर उन पर अपने 4 शिष्यों को आचार्य बनाया ये परंपरा अब तक कायम है और पूर्व में पूर्वाम्नाय गोवर्धन पीठ, पश्चिम में द्वारका-शारदा पीठ, उत्तर में बद्रीनाथ और दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ में नियुक्त होने वाले आचार्य ही शंकराचार्य कहलाए। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती देश के पहले ऐसे शंकराचार्य हुए हैं जिन्होंने इन 4 पीठों में से दो पीठों पर आसीत होकर द्विपीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य की उपाधि प्राप्त की।

देश को दी दिशा, सनातन का परचम फहराया- बचपन से वे सन्यास की ओर उन्मुख थे। अल्पायु में उन्हें रामचरित मानस कंठस्थ हो चुकी थी। अपने साथ हमेशा पोथी रखते थे जिसके कारण उनका नाम उनके पिता धनपतराय उपाध्याय और माता गिरिजा देवी ने अपने गुरू से पूछकर पोथीराम रख दिया। अल्पायु में ही वे साधु मंडली के साथ बनारस चले गए। जब वे त रुण अवस्था में थे उस वक्त देश में स्वतंत्रता संग्राम चल रहा था। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन में उतर पड़े। उनके युवा मन में क्रांतिकारियों का बलिदान ने बड़ा प्रभाव डाला था, अंग्रेजों की नाक में दम करते हुए पोस्ट ऑफिस लूटकर ग्रामीणों में बांट देना, रेल की पटरियां उखाड़ने जैसे काम किए। मुखबिरी में पकड़ेगए और 3 बार जेलयात्राएं भी कीं। देश की स्वतंत्रता के बाद गौ सेवा और यायावरी जीवन अपनाया धर्म का प्रचार करते रहे। 1973 में बद्रीनाथ के तत्कालीन शंकराचार्य के ब्रम्हलीन होने के उपरांत भारत धर्म महामंडल व तत्कालीन बाकी पीठों के शंकराचार्य वृंदों ने उन्हें ज्योतिष्पीठाधीश्वर बदरीकाश्रम का शंकराचार्य पद पर अभिषेक कर घोषित किया। इसके उपरांत वर्ष 1984 में द्वारका शारदा पीठ के तत्कालीन शंकराचार्य अभिनव विद्यातीर्थ महाराज की इच्छाअनुसार उन्हें द्वारका-शारदा पीठ का शंकराचार्य बनाया गया। इस तरह वे देश के पहले दो पीठों पर आसीत पहले शंकराचार्य बने।

राम मंदिर की राह प्रशस्त की - राजनीतिक कारणों से भले ही उन्हें राम मंदिर का श्रेय न मिले मगर ये न्यायालय के दस्तावेजों से जाना जा सकता है कि राम मंदिर के प्रमाण उपलब्ध करवाने में और इसकी कानूनी लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। सनातन धर्म के खिलाफ या प्रतिकूल केन्द्रीय सरकार के निर्णयों में विरोध करने वाले वे सबसे पहले खड़े होते आए हैं। चाहे राम के अस्तित्व पर उठाए गए सवाल हों या रामसेतु को नकारने वाली बातें वे तत्कालीन कांग्रेस की यूपीए सरकार के खिलाफ रहे। समाज की असहाय, परित्यक्त और विधवा महिलाओं को समाज में सम्मान के साथ पुर्नस्थापित करने के लिए अखिल भारतीय उभय भारती महिला आश्रम की स्थापना की।

वह स्नेह भरी नजरें अब नहीं - सनातन धर्म के धर्म सम्राट होते हुए भी उनका सहज और सरल व्यक्तित्व अविस्मरणीय रहेगा। उनकी स्नेहभरी नजरें जब किसी अनजान और परिचित पर भी पड़तीं तो वह कृतार्थ हो जाता। जीवन के अंतिम समय तक भी वे सनातन धर्म के प्रति समर्पित रहे। अब उनकी स्नेह भरी नजरें भौतिक संसार में भले ही न हों पर हम सभी के जीवन में हमेशा उनका अस्तित्व बना रहेगा।

सुश्री कल्याणी पांडेय
पूर्व महापौर, विधायक

अपराध मुक्त राजनीति की आवश्यकता

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना मात्र नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा करना होता है। जनप्रतिनिधि जनता की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का माध्यम बनते हैं। इसलिए राजनीति में शुचिता, नैतिकता और जनसेवा की भावना का होना आवश्यक है। लेकिन जब राजनीति का संबंध अपराध, बाहुबल और अवैध गतिविधियों से जुड़ने लगता है, तब लोकतंत्र की मूल भावना प्रभावित होती है। आज देश के सामने राजनीति के अपराधीकरण की चुनौती को गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। राजनीति में अपराधियों का प्रवेश अथवा अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलना केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। जिस राजनीति को समाज में आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए, यदि वही अपराध और भय की प्रवृति को बढ़ावा देने लगे तो आम नागरिक का लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। एक समय था जब राजनीति को त्याग, सेवा और राष्ट्रहित से जोड़कर देखा जाता था। सार्वजनिक जीवन में आने वाला व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज और देश के लिए काम करने की आकांक्षा रखता था। समय के साथ राजनीति में अनेक सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, लेकिन इसके साथ ही धनबल, बाहुबल और आपराधिक प्रभाव जैसी प्रवृत्तियों ने भी कहीं-कहीं अपनी जगह बनाई है। चुनाव जीतने की प्रतिस्पर्धा में यदि राजनीतिक दल ऐसे लोगों को महत्व देने लगें जिनकी पहचान अपराध से जुड़ी रही हो, तो यह राजनीति की विश्वसनीयता के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता।

हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर कठोरता दिखाई गई है। संगठित अपराध, माफिया गतिविधियों और अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि शासन व्यवस्था में कानून का महत्व सर्वोपरि है। कभी जिन लोगों के नाम के साथ बाहुबल और भय की चर्चा होती थी, उनके प्रभाव में कमी आना इस बात का संकेत है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रभावी प्रशासन अपराध की जड़ों को कमजोर कर सकते हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि कानून के पालन को किस दृष्टि से देखा जाए। किसी अपराधी के विरुद्ध कार्रवाई केवल इसलिए गलत नहीं हो सकती कि वह किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा है या उसका सामाजिक आधार किसी विशेष समूह में है। अपराध को अपराध के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय हो तो उसकी भी उतनी ही दृढ़ता से निंदा होनी चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि कानून न तो किसी के प्रति पक्षपाती हो और न किसी के प्रति दुर्भावनापूर्ण।

कानून का राज तभी सार्थक होगा जब उसकी कसौटी सभी के लिए समान हो। अपराधी की पहचान, राजनीतिक संबंध, सामाजिक प्रभाव या आर्थिक स्थिति कानून के सामने उसके व्यवहार का आधार नहीं बननी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपराध करता है तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई होनी चाहिए यदि कोई निर्दोष है तो उसे संरक्षण भी कानून के माध्यम से ही मिलना चाहिए। यही लोकतांत्रिक न्याय की मूल भावना है। दुर्भाग्य यह है कि कई बार राजनीतिक हितों के कारण अपराध के प्रश्न को भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाने लगता है। किसी अपराधी पर कार्रवाई होने के बाद यह देखने के बजाय कि उसने अपराध किया है या नहीं, चर्चा इस बात पर होने लगती है कि वह किस दल, वर्ग या समुदाय से संबंधित है। यह प्रवृत्ति समाज के लिए घातक है। इससे अपराध की गंभीरता कम नहीं होती, बल्कि सामाजिक विभाजन को बढ़ावा मिलता है। राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी इस मामले में सबसे अधिक है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि अपराध को राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलेगा। विपक्ष का काम सरकार की हर कार्रवाई का विरोध करना नहीं, बल्कि गलत कार्रवाई का तार्किक और प्रमाण आधारित विरोध करना है। उसी प्रकार सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी भी है कि कानून व्यवस्था की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध का माध्यम न बनने दे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार आवश्यक है, लेकिन अपराध के समर्थन को राजनीतिक अधिकार का नाम नहीं दिया जा सकता।

राजनीति में तुष्टिकरण की प्रवृत्ति भी इसी संदर्भ में विचारणीय है। लोकतंत्र में सरकार का दायित्व किसी एक समूह को खुश करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना है। विकास और अवसरों का आधार नागरिकता होना चाहिए, राजनीतिक निकटता नहीं। 'सबका साथ, सबका विकास' जैसी भावना तभी वास्तविक रूप ले सकती है जब शासन की नीतियाँ न्यायपूर्ण हों और कानून सभी के लिए समान रूप से लागू हो। आम नागरिक की सबसे बड़ी अपेक्षा सुरक्षा और सम्मान के साथ जीवन जीने की है। वह चाहता है कि उसकी जमीन सुरक्षित रहे, उसका व्यापार सुरक्षित रहे, उसकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे और उसके परिवार को भयमुक्त वातावरण मिले। यदि कोई प्रभावशाली व्यक्ति राजनीतिक संरक्षण के बल पर सामान्य नागरिक के अधिकारों को चुनौती देता है तो यह केवल उस व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न है। अपराधमुक्त राजनीति का प्रश्न केवल नेताओं की छवि सुधारने का प्रश्न नहीं है। यह लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रश्न है। राजनीति में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि जनप्रतिनिधित्व विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। जनता किसी नेता को कानून से ऊपर नहीं मानती और लोकतंत्र भी किसी व्यक्ति को कानून से ऊपर होने की अनुमति नहीं देता।

राजनीति को स्वच्छ करना किसी एक सरकार या किसी एक दल का दायित्व नहीं है। यह लोकतंत्र के प्रत्येक पक्ष, राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, न्याय व्यवस्था, मीडिया और मतदाताओं की साझा जिम्मेदारी है। अपराध के विरुद्ध कठोरता और निर्दोष के अधिकारों की रक्षा, दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति फिर से सेवा, संस्कार और राष्ट्रहित के मूल मार्ग पर लौटे। सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन लोकतंत्र की वास्तविक उपलब्धि होगी। यदि सभी राजनीतिक दल यह संकल्प लें कि वे अपराध को संरक्षण नहीं देंगे, अपराधी छवि वाले लोगों को राजनीतिक शक्ति का माध्यम नहीं बनने देंगे और कानून के समान शासन का समर्थन करेंगे, तो राजनीति की विश्वसनीयता निश्चित रूप से बढ़ेगी।

अंतत: लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं होती; लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता को विश्वास हो कि कानून उसके साथ खड़ा है और राजनीति उसके हित में काम कर रही है। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है, राजनीति में अपराध के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। कानून से बड़ा कोई व्यक्ति नहीं और जनसेवा से बड़ा राजनीति का कोई उद्देश्य नहीं। अपराधमुक्त राजनीति ही स्वच्छ राजनीति की दिशा में पहला और सबसे आवश्यक कदम है।

क्या एआई सच में इंसानों को मार सकता है? एंथ्रोपिक के पूर्व रिसर्चर जैकब कॉक्सन के दावों पर सीईओ ने क्या कहा

वॉशिंगटन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता जितनी तेजी से हमारी दुनिया का हिस्सा बन रही है, उतनी ही तेजी से इसके भविष्य को लेकर दुनिया भर में गंभीर चिंताएं भी गहराने लगी हैं। अब चिंता की शुरुआत तब हुई जब हाल ही में एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने सीएनएन के जाने-माने एंकर एंडरसन कूपर को दिए एक इंटरव्यू में एआई की इस तेज रफ्तार और इसके संभावित खतरों पर खुलकर बात की है। अच्छा, यह बात करने की जरूरत क्यों पड़ी? तो बता दें कि यह पूरी बहस तब शुरू हुई जब एंथ्रोपिक और ह्श्वद्गठ्ठ जैसी दिग्गज कंपनियों में काम कर चुके एआई शोधकर्ता जैकोब कॉक्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसा बड़ा दावा किया, जिसे डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा और इस पर बहस छिड़ गई।

ऐसा क्या दावा कर दिया जैकोब कॉक्सन ने?

बीते दिनों जैकब कॉक्सन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि ढ्ढ बनाने वाले लोग खुद इस बात पर गंभीरता से विश्वास करते हैं कि यह तकनीक इस दशक के अंत तक हम सबको यानी पूरी मानवता को खत्म कर सकती है। यह कोई पब्लिसिटी स्टंट नहीं है। कॉक्सन ने कहा कि कई बड़े अधिकारी और सीनियर रिसर्चर्स प्रेस के सामने खुद को समझदार दिखाने के लिए अपनी बात को घुमा-फिराकर कहते हैं, लेकिन बंद कमरों में मैं उन्हीं लोगों को डर व्यक्त करते हुए सुनता हूं। मानवीय इतिहास में किसी भी दूसरी गतिविधि से इतना बड़ा खतरा पैदा नहीं हुआ है।

अब सवाल उठा, क्या एआई सचमुच इंसानों को मार सकता है?

कॉक्सन के पोस्ट ने दुनियाभर में चर्चा तो तेज कर दी। दूसरी तरफ जब सीएनएन के इंटरव्यू में डारियो अमोदेई से यह सवाल पूछा गया कि क्या एआई इंसानों की जान ले सकता है और इसकी कितनी संभावना है, तो उन्होंने जैकोब कॉक्सन की चिंताओं से काफी हद तक सहमति जता दी।

अमोदेई ने कहा कि वह जैकोब के विचारों से असहमत होने के मुकाबले उनसे ज्यादा सहमत हैं। उन्होंने कहा कि जैकोब के जाने का अंदाज बहुत दिलचस्प था क्योंकि उन्होंने कहा था,

मुझे लगता है कि एंथ्रोपिक सबसे जिम्मेदार खिलाड़ी है और इन मुद्दों के प्रति सबसे ज्यादा जागरूक है। यानी वे सीधे तौर पर हमारी कंपनी पर अंगुली नहीं उठा रहे थे, बल्कि वे पूरी इंडस्ट्री की उस व्यवस्था पर सवाल उठा रहे थे जो बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है।

संभावनाओं का खेल नहीं, इंसानी फैसलों का सवाल

अब इस बात में तो कोई दोहराई नहीं है कि अक्सर एआई के खतरों को प्रतिशत या प्रायिकता के अंकों में तौला जाता है, जैसे कि इसके गलत होने के 10त्न या 20त्न चांस हैं। लेकिन अमोदेई का मानना है कि सिर्फ आंकड़े गिनाने के बजाय हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आज इंडस्ट्री और समाज के लोग क्या फैसले ले रहे हैं?

गलत रास्तों पर परिणाम ज्यादा खतरनाक

अमोदेई ने साफ शब्दों में कहा कि अगर हम सही रास्ते पर चलते हैं, तो चीजें गलत होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। लेकिन अगर हम गलत रास्ता चुनते हैं, तो इसके खतरनाक परिणाम और भी ज्यादा हो सकते हैं। इसलिए, हमें सिर्फ पासा फेंकने की बात करने के बजाय अपनी एजेंसी और सही रास्ते को चुनने की क्षमता पर ध्यान देना चाहिए।

अब सही रास्ता क्या और दुविधा क्या?

इस सवाल के जवाब में डारियो अमोदेई का मानना है कि सही रास्ते पर चलने के लिए पूरी एआई इंडस्ट्री और दुनिया भर की सरकारों को मिलकर काम करना होगा। हालांकि, यह काम आसान नहीं है, लेकिन इसके बिना काम नहीं चलेगा। इसके साथ ही, उन्होंने एक और बड़ा पहलू सामने रखा। उनका कहना है कि अगर हम तकनीक के विकास की रफ्तार को बहुत ज्यादा धीमा कर देते हैं, तो इसका डर यह है कि गलत लोग इस तकनीक की कमान अपने हाथ में ले लेंगे और अगर ऐसा हुआ, तो चीजें गलत होने और तबाही आने का जोखिम कई गुना बढ़ जाएगा।

एआई एक दोधारी तलवार, समझिए कैसे?

गौरतलब है कि डारियो अमोदेई और जैकोब कॉक्सन जैसे दिग्गजों के इन बयानों से यह साफ हो जाता है कि एआई सिर्फ एक चमत्कारी तकनीक नहीं है, बल्कि यह दोधारी तलवार की तरह है। एक तरफ यह इंसानी विकास को आसमान पर पहुंचा सकती है, तो दूसरी तरफ इसकी बेलगाम रफ्तार मानवता के लिए अस्तित्व का संकट भी पैदा कर सकती है। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां मुनाफों की अंधी दौड़ को छोड़कर सुरक्षा और नियमों को प्राथमिकता देंगी या फिर इंसानों को एक दिन अपनी ही बनाई इस मशीन के आगे बेबस होना पड़ेगा?

गाड़ी खाई की तरफ जा रही, अब ब्रेक लगाने की जरूरत
अमेरिकी सांसद ने एआई को लेकर दी चेतावनी

वॉशिंगटन

अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने रविवार को कहा कि डारियो अमोदेई, सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क की एआई डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करने की अपील एक शुरुआत है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से आग्रह किया कि वे आने वाले समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रोक लगाने के लिए किसी समझौते पर बातचीत करें। यह बात उन्होंने तब कही जब एआई डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करने की अपील पर तीन टेक दिग्गजों एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के सीईओ एलन मस्क ने सहमति जताई।

क्या बोले अमेरिकी सांसद?- सैंडर्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डारियो अमोदेई, एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन अब इस बात से सहमत हैं कि हमें एआई के डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करनी चाहिए और फ्रंटियर की गति को नियंत्रित करना चाहिए। यह एक शुरुआत तो है लेकिन काफी नहीं है। एआई के विकास को धीमा करने की मांग तब शुरू हुई जब अमोदेई ने एक ब्लॉग में एआई से जुड़े जोखिमों के बारे में लिखा और फ्रंटियर की गति (यानी सबसे आगे रहने की गति) को नियंत्रित करने का सुझाव दिया। मस्क और ऑल्टमैन ने एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में उनकी बातों से सहमति जताई।

एआई पर रोक लगाने के लिए बिल पेश कर चुके हैं सैंडर्स- उनकी सहमति पर ध्यान देते हुए सैंडर्स ने कहा, जब आप तेजी से किसी खाई की ओर बढ़ रहे हों तो आप सिर्फ गैस पेडल से पैर नहीं हटाते। आप ब्रेक लगाते हैं। बता दें कि सैंडर्स ने खुद सुपर-इंटेलिजेंट एआई पर रोक लगाने के लिए एक बिल पेश किया है। उन्होंने एक बार फिर एडवांस्ड एआई के डेवलपमेंट पर रोक लगाने की मांग की और कहा कि इंसानियत का भविष्य दांव पर है।

ट्रंप और चिनफिंग से की ये मांग- उन्होंने लिखा, एक ऐसा एआई दिमाग जो किसी भी इंसान से ज्यादा स्मार्ट हो और हमारे नियंत्रण से बाहर, स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम हो। सीनेटर ने आगे ट्रंप और शी से आग्रह किया कि वे आगामी एआई समिट में इसी तरह की संधि पर बातचीत करें। सैंडर्स ने जोर देकर कहा कि ट्रंप और शी को अपने आने वाले एआई समिट में इसको रोकने और सुपरइंटेलिजेंस पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक समझौते पर बातचीत करनी चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सीनेटर ने सुपर-इंटेलिजेंट एआई पर स्थायी प्रतिबंध लगाने के लिए एक नया कानून पेश किया। इस बिल का पूरा टेक्स्ट अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन इसका मकसद ऐसे एआई सिस्टम के विकास को रोकना है जो इंसानी नियंत्रण से बाहर होकर स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम हों।

जावा सागर में इंडोनेशियाई जहाज से 102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत

सुमात्रा, (वार्ता)

इंडोनेशिया के जावा सागर में फंसे इंडोनेशियाई यात्री जहाज से 102 लोगों को बचाया लिया गया है जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। यह जानकारी बीबीसी ने एक अधिकारी के हवाले से दी। इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी ने रविवार को बताया कि खराब मौसम का सामना करने के दौरान वर्गो ट्रांसपोर्ट-8 जहाज से संपर्क टूट गया जिसमें 243 लोग सवार थे।

इसके बाद एक खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। बाकी यात्रियों की तलाश जारी है। यह जहाज सुराबाया से दक्षिण कालीमंतन के शहर बंजारमासिन जा रही थी और रविवार को आधी रात के बाद

दो बजे इसके बंजारमासिन से करीब 150 किलोमीटर दक्षिण में होने की आखिरी बार सूचना मिली थी।

घटनास्थल पर खोज एवं बचाव कार्य के लिए जहाज़ और एक हेलीकॉप्टर तैनात किये गये हैं। जावा सागर के उस इलाके में मौजूद अन्य सभी जहाज़ों को यात्रियों के बारे में कोई भी संकेत मिलने पर सूचना देने के लिए अलर्ट किया गया है। यह घटना पिछले महीने इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास एक दूसरे जहाज में आग लगने के बाद हुई है जिसमें पांच लोगों की मौत हो गयी थी। इंडोनेशिया के द्वीप-समूह में 17,000 से ज़्यादा द्वीप हैं और वहां जहाज परिवहन का एक आम माध्यम है।

अमेरिका ने होर्मुज में टैंकरों की हवाई सुरक्षा का समय घटाया, ईरानी हमलों में बढ़ोतरी के बाद फैसला

वाशिंगटन

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कमर्शियल टौंकरों को दी जाने वाली सैन्य सुरक्षा, खासकर हवाई सुरक्षा के समय को सीमित कर दिया है। यह कदम इस अहम समुद्री रास्ते पर चलने वाले जहाजों पर ईरान के हमलों में बढ़ोतरी के बाद उठाया गया है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका मई से ही जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से में ओमान के तट के पास वाले रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को हवाई सुरक्षा दे रहा था, जिससे ईरानी हमलों के बावजूद तेल की कुछ शिपमेंट आती-जाती रहीं। इस व्यवस्था के तहत, जहाज के मालिक सबसे पहले अमेरिकी नौसेना के कोऑर्डिनेशन सेंटर से मंजूरी लेते थे। यह सेंटर जहाजों को कोऑर्डिनेट्स और गुजरने का समय बताता था, जिसके दौरान अमेरिकी विमान उन्हें सुरक्षा देते थे। लेकिन NCAGS द्वारा समुद्री सलाहकारों को

भेजे गए ईमेल के हवाले से पता चला है कि सितंबर की शुरुआत में रात भर मिलने वाली सुरक्षा की लंबी अवधि को घटाकर हर दिन दो तय ट्रांजिट स्लॉट कर दिया गया है। जहाजों को सलाह दी गई है कि वे तय समय पर अपनी यात्रा शुरू करें ताकि उन्हें अमेरिकी सेना से सबसे अच्छी सुरक्षा मिल सके। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य अभियानों की देखरेख करने वाली यूएस सेंट्रल कमांड ने इन संदेशों को बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया और कहा कि NCAGS के संदेश खुद ही सब कुछ स्पष्ट करते हैं। यह बदलाव तब हुआ जब कमर्शियल जहाजों पर हमले बढ़ गए। ईरान ने बुधवार को कहा कि उसने पांच ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में दो अमेरिकी जहाजों और आठ तेल टैंकरों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेना ने कहा कि ये हमले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों से एक अमेरिकी युद्धपोत पर किए गए हमलों के बाद हुए थे। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने भी दुबई और इराक के पास टैंकरों पर ईरान के और हमलों की जानकारी दी। बता दें कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 70 से ज्यादा कमर्शियल जहाजों पर हमले हो चुके हैं।

अमेरिका ने पहली बार विदेशी आतंकवादी अदालत का उपयोग कर अफगान महिला को किया निर्वासित

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका के टेक्सास राज्य में कानूनी रूप से स्थायी अमेरिकी नागरिकता के साथ रह रही एक अफगान महिला को देश से निर्वासित कर दिया गया है। यह गुप्त अदालत के इस्तेमाल का पहला मामला है। अमेरिकी न्याय विभाग और 47 वर्षीय नजीरा हाजी जादा के वकीलों ने बताया कि 47 वर्षीय अफगान महिला ने विदेशी आतंकवादी निष्कासन न्यायालय के समक्ष अपने मामले पर बहस जारी रखने के बजाय अमेरिका छोड़ने का विकल्प चुना। विदेशी आतंकवादी निष्कासन न्यायालय की स्थापना 1996 में की गयी थी लेकिन जुलाई 2026 में हुई कार्यवाही से पहले इसने कभी किसी मामले की सुनवाई नहीं की थी। यह उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के लिए है जिन पर आतंकवाद से जुड़े आरोप हों और जिनके मामले में सबूत गोपनीय हों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हों। हाजी ज़ादा के वकीलों ने दलील दी कि यह मामला अमेरिकी संविधान के तहत उचित कानूनी प्रक्रिया के उनके अधिकार का उल्लंघन करता है। अफ़गानिस्तान की नागरिक हाजी ज़ादा पर कभी किसी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया लेकिन सरकारी वकीलों ने उनके बेटे और दामाद पर आतंकवादी अपराधों के लिए मुक़दमा चलाया और उन्हें दोषी ठहराया। उनके बेटे अब्दुल्ला हाजी ज़ादा और दामाद नासिर अहमद तौहीद, दोनों को इस्लामिक स्टेट से प्रेरित होकर 2024 में चुनाव के दिन बड़े पैमाने पर गोलीबारी करने की साज़िश रचने का दोषी पाया गया। टेक्सास के फोर्ट वर्थ में रहने वाली हाजी ज़ादा पर सरकारी वकीलों ने आरोप लगाया कि वह उस समूह की मुखिया थीं और उन्होंने परिवार को कट्टरपंथी बनाने का काम किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उन्होंने माना कि वह एक विदेशी आतंकवादी हैं और देश से निकाले जाने के आदेश के खिलाफ अपील करने का अधिकार छोड़ दिया, जिससे उनकी पिछली [आव्रजन] स्थिति खत्म हो गयी।

कनाडा को ईयू का सहयोगी सदस्य बनाना चाहते हैं कार्नी : रिपोर्ट

ओटावा, (वार्ता/स्पूतनिक)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश को यूरोपीय संघ (ईयू) का सहयोगी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दिया है। %द वॉल स्ट्रीट जर्नल% ने संभावित गठबंधन से जुड़े दोनों पक्षों के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। यह प्रस्ताव अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता विफल होने के बाद कनाडा के यूरोप की ओर रुख को तेज करने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। इससे पहले ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि ईयू और कनाडा 16 सितंबर को व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं। इसका उद्देश्य अमेरिका और चीन के आर्थिक तथा राजनीतिक दबाव का मिलकर मुकाबला करना है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नलके अनुसार, कड़े सदस्यता नियमों के लिए जाने जाने वाले ईयू ने श्री कार्नी के प्रस्ताव के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया है।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए सात शर्तें रखीं

तेहरान, (वार्ता)। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के समक्ष सात शर्तें रखी हैं। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम ने एक जानकार सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने इससे पहले घोषणा की थी कि तेहरान सोमवार को ओमान में इराक और फारस की खाड़ी के देशों के साथ बैठक करेगा। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए मार्गों पर चर्चा की जाएगी।

सूत्र ने तस्नीम को बताया, जब तक ईरान के शीर्ष अधिकारियों द्वारा मंजूर की गयी इन सात शर्तों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा।

तस्नीम ने पहले बताया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और ओमान के बीच हुए समझौते में इस जलमार्ग को खोलने का प्रावधान नहीं था। समझौते के तहत दोनों पक्षों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश और निकास के मुख्य मार्गों का समन्वय किया है।

अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान में ठिकानों पर हमले शुरू किये थे, जिसके जवाब में ईरान ने भी हमले किये। जून के मध्य में ईरान और अमेरिका ने शत्रुता समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये थे, लेकिन बाद में दोनों पक्षों के बीच फिर हमले हुए। फिलहाल संघर्ष का समाधान नहीं हुआ है।

संघर्ष बढ़ने के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन लगभग पूरी तरह रुक गया है। यह वैश्विक बाजार में तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के अधिकांश देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ गयी हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

द पैराडाइज का ट्रेलर नहीं होगा जारी

अभिनेता नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म द पैराडाइज का ट्रेलर जारी नहीं किया जाएगा। नानी ने कहा कि यह फैसला फिल्म की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के उद्देश्य से लिया गया है। श्रीकांत ओडेला के

निर्देशन में बनी इस फिल्म को इसके बड़े पैमाने और अलग विषय के कारण दर्शकों में काफी उत्सुकता है। फिल्म के प्रदर्शन से पहले इसकी झलक और आया शेर तथा येशनागुला गीत जारी किये जा चुके हैं, जिन्हें अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। नानी ने कहा, द पैराडाइज का कोई ट्रेलर नहीं होगा। किसी ने कहा था कि अगर हम अभी प्रचार नहीं करें तो भी फिल्म के पास इतनी चर्चा है कि वह बनी रहेगी, लेकिन मैं दर्शकों को हल्के में नहीं ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि प्रभावी ट्रेलर तैयार करने के लिये निर्माणोत्तर काम रोकना पड़ता, जबकि कई टीमें बेहतर गुणवत्ता वाली फिल्म तैयार करने में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि टीम अछा ट्रेलर जारी करना चाहती थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इसे जारी नहीं करने का फैसला लिया गया।फिल्म में नानी का रूप पहले से अलग और तीव्र बताया गया है। उन्होंने फिल्म की भाषायी पहुंच के बारे में कहा कि इसे केवल अखिल भारतीय फिल्म के रूप में पेश करने के बजाय तेलुगु दर्शकों को मुख्य लक्ष्य माना गया है। फिल्म अन्य भाषाओं के दर्शकों के लिये भी प्रदर्शित होगी। एसएलवी सिनेमाज के निर्माण में बनी द पैराडाइज 24 सितंबर को हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

रूमानी गीतों से दीवाना बनाया था अंजान ने

लगभग तीन दशक तक अपने रचे गीतों से हिन्दी फिल्म जगत को सराबोर करने वाले गीतकार अंजान के रूमानी नगमे आज भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। 28 अक्टूबर 1930 को बनारस में जन्मे अंजान को बचपन से ही शेरो-शायरी का गहरा शौक था। वह बनारस में आयोजित कवि सम्मेलनों और मुशायरों में हिस्सा लिया करते थे। हालांकि, मुशायरों में भी वह उर्दू का कम इस्तेमाल करते थे। हिन्दी फिल्मों में उर्दू के बढ़ते चलन के बीच अंजान अपने गीतों में हिन्दी को अधिक महत्व देते थे। गीतकार के रूप में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1953 में अभिनेता प्रेमनाथ की फिल्म गोलकुंडा का कैदी से की। इस फिल्म के लिये उन्होंने लहर ये डोले कोयल बोले और शहीदों अमर है तुम्हारी कहानी जैसे गीत लिखे, लेकिन उन्हें खास पहचान नहीं मिल सकी। अंजान ने अपना संघर्ष जारी रखा और इस दौरान कई छोटे बजट की फिल्मों के लिये गीत लिखे। इसी बीच उनकी मुलाकात जी.एस. कोहली से हुई। उनके संगीत निर्देशन में फिल्म लंबे हाथ के लिये अंजान ने मत पूछ मेरा है मेरा कौन गीत लिखा, जिसके जरिये उन्हें कुछ पहचान मिली। लगभग दस वर्ष तक मुंबई में संघर्ष करने के बाद वर्ष 1963 में पंडित रविशंकर के संगीत से सजी प्रेमचंद के उपन्यास गोदान पर आधारित फिल्म गोदान में उनके लिखे गीत चली आज गोरी पिया की नगरिया को सफलता मिली। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंजान को इसके बाद कई फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे, जिनमें बहारे फिर भी आएंगी, बंधन, कब क्यों और कहां, उमंग, रिवाज, एक नारी एक ब्रह्मचारी और हंगामा प्रमुख हैं। साठ के दशक में अंजान ने संगीतकार श्याम सागर के निर्देशन में कई गैर-फिल्मी गीत भी लिखे। इन गीतों को मोहम्मद रफी, मन्ना डे और सुमन कल्याणपुरी जैसे गायकों ने स्वर दिया। मोहम्मद रफी की आवाज में उनका गीत मैं कब गाता काफी लोकप्रिय हुआ था। अंजान ने कई भोजपुरी फिल्मों के लिये भी गीत लिखे। सत्तर के दशक में प्रदर्शित बलम परदेसिया का गोरकी पतरकी रे मारे गुलेलवा गीत आज भी लोगों की जुबान पर है।

अंजान के सिने करियर पर नजर डालें तो सुपरस्टार अमिताभ बचन पर फिल्माये उनके गीत बेहद लोकप्रिय रहे। वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म दो अनजाने के गीत लुक छिप लुक छिप जाओ ना की कामयाबी के बाद उन्होंने अमिताभ बचन के लिये कई सफल गीत लिखे। इनमें बरसो पुराना ये याराना, खून पसीने की मिलेगी तो खाएंगे, रोते हुए आते हैं सब, ओ साथी रे तेरे बिना भी क्या जीना और खइके पान बनारस वाला जैसे सदाबहार गीत शामिल हैं।

अमिताभ बचन के अलावा मिथुन चक्रवर्ती की फिल्मों के लिये भी अंजान ने कई सुपरहिट गीत लिखे। इनमें डिस्को डांसर, डांस डांस, कसम पैदा करने वाले की, करिश्मा कुदरत का, कमांडो, हम इंतजार करेंगे, दाता और दलाल प्रमुख हैं। जाने-माने निर्माता-निर्देशक प्रकाश मेहरा की फिल्मों के लिये भी अंजान ने कई यादगार गीत लिखे। उनके गीतों ने इन फिल्मों की लोकप्रियता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। अंजान के पसंदीदा संगीतकारों में कल्याणजी-आनंदजी का नाम सबसे ऊपर आता था। अंजान ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे सिने करियर में करीब 200 फिल्मों के लिये गीत लिखे। लगभग तीन दशकों तक हिन्दी सिनेमा को अपने गीतों से समृद्ध करने वाले अंजान 67 वर्ष की आयु में 13 सितंबर 1997 को इस दुनिया से विदा हो गये। उनके पुत्र समीर ने भी बतौर गीतकार फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनायी है।

अगली गणेश चतुर्थी तक खुद का घर खरीदना चाहती हैं सुनीता आहूजा

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच चल रहे विवाद की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। इस बीच सुनीता आहूजा ने गणेश चतुर्थी को लेकर अपने खास प्लान बताए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार वह अपने घर गणपति बप्पा की स्थापना करेंगी। सुनीता ने बताया कि वह गणेश चतुर्थी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल उन्होंने अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था और गणपति बप्पा के आशीर्वाद से एक साल में उन्हें दो टीवी कार्यक्रमों में काम करने का मौका मिला।सुनीता आहूजा ने बताया कि उन्होंने नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम 'लॉकअप 2' और 'मां है ना' में काम किया है। इसके अलावा उन्होंने अपने बेटे के साथ एक फिल्म भी की है, जिसे एकता कपूर के निर्माण संस्थान ने बनाया है और साजिद खान इसके निर्देशक हैं। सुनीता ने कहा कि गणेश चतुर्थी पर उन्हें सबसे ज्यादा खुशी इस बात की होती है कि लोग उनके घर आते हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान घर में तरह-तरह के पकवान बनते हैं, मोदक तैयार होते हैं और भगवान को भोग लगाया जाता है। सुनीता आहूजा ने अपनी एक और इच्छा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वह अगले गणपति तक अपना खुद का घर लेना चाहती हैं और इसके लिए वह बप्पा से प्रार्थना करेंगी। उन्होंने कहा कि वह अपने बच्चों और अपनी सफलता के साथ-साथ जीवन में खुशी भी चाहती हैं। गोविंदा के साथ चल रही अनबन के बीच सुनीता ने कहा कि वह अपनी जिंदगी में तनाव नहीं चाहतीं। उन्होंने गणपति बप्पा से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी जिंदगी में जो भी नकारात्मक लोग हैं, वे उनसे दूर हो जाएं। सुनीता ने कहा कि वह और उनके बच्चे खूब काम करें, अच्छा काम करें और अच्छे लोगों के साथ काम करें।

विद्यार्थियों को दिया जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का संदेश

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

आत्महत्या निषेध दिवस के अवसर पर आनंद विभाग एवं नरसिंह आनंद क्लब, नरसिंहपुर द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के एम एस डब्ल्यू एवं बी एस डब्ल्यू विद्यार्थियों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आनंदक चंद्रिका सोनी द्वारा इतनी शक्ति हमें देना दाता प्रार्थना के साथ किया गया।कार्यक्रम में आनंद विभाग की मास्टर ट्रेनर यमुना विश्वकर्मा ने आनंद विभाग की गतिविधियों एवं उद्देश्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक एवं राज्य आनंद संस्थान के जिला नोडल अधिकारी जयनारायण शर्मा ने आत्महत्या निषेध दिवस के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों को आधार बनाते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के प्रति मैत्री, करुणा, प्रेम और संवेदनशीलता का भाव रखना आवश्यक है।

जीवन में सुख-दु:ख,सफलता-असफलता, अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियाँ आती रहती हैं, लेकिन हमें इन परिस्थितियों में संतुलित रहते हुए धैर्य और समभाव बनाए रखना चाहिए।

इसके पश्चात आनंद विभाग की मास्टर ट्रेनर श्रीमती मुक्ति राय ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अवसाद क्या है, उसके संकेत और संभावित कारण क्या हैं, अवसाद से जूझ रहे व्यक्ति की किस प्रकार सहायता की जा सकती है तथा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के उपायों पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा की। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को समझते हुए उन्हें बिना जज किए किसी की बात सुनने, भावनाओं को समझने और आवश्यकता पड़ने पर उचित सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।श्री गीता निकुंज परिवार के संस्थापक श्री शशिकांत मिश्रा जी ने आत्महत्या के मनोवैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में व्यक्ति को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। योग, ध्यान, प्राणायाम, स्वाध्याय और आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से मन को स्थिर एवं सकारात्मक बनाया जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन मुक्ति राय के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। कार्यक्रम में एम एस डब्ल्यू एवं बी एस डब्ल्यू के मेंटर्स वंदना ढमोले और अंकित पटेल की सक्रिय सहभागिता रही।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की पहल से डाइट नरसिंहपुर में बनेगा साइंस प्ले पार्क

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं प्रयोगात्मक सीखने को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), नरसिंहपुर में साइंस प्ले पार्क की स्थापना के लिए 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग की वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 के अंतर्गत नरसिंहपुर के डाइट में साइंस प्ले पार्क की स्थापना की स्वीकृति प्राप्त हुई है। साइंस प्ले पार्क में विद्यार्थियों को विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं को मॉडल, प्रयोग एवं गतिविधियों के माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा। इस उद्देश्य से डाइट प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के निर्देशन में डाइट नरसिंहपुर की विज्ञान समिति के अध्ययन भ्रमण दल ने आंचलिक विज्ञान केंद्र, भोपाल एवं डाइट अलीराजपुर का अध्ययन भ्रमण किया। दल में वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. श्रीमती अलका शर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती श्रद्धा शुक्ला, वरिष्ठ व्याख्याता गोविंद बड़कुर, व्याख्याता श्री संजय कुमार शर्मा एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक पी.एस. पटेल शामिल रहे। राज्य शिक्षा केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी आर.के. त्रिपाठी एवं प्रेमसिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में दल ने दोनों संस्थानों में स्थापित विज्ञान मॉडलों, गतिविधियों एवं उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन किया। खेल-खेल में विज्ञान सीखेंगे विद्यार्थी, 15 दिनों में प्रस्तुत होगी विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तावित साइंस प्ले पार्क में ऐसे मॉडल एवं गतिविधियां विकसित की जाएंगी, जिनके माध्यम से विद्यार्थी देखकर, छूकर और स्वयं प्रयोग करके विज्ञान की अवधारणाओं को सरलता से समझ सकेंगे। इससे विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासा विकसित करने में मदद मिलेगी। अध्ययन भ्रमण के बाद डाइट नरसिंहपुर द्वारा आगामी 15 दिनों के भीतर साइंस प्ले पार्क की स्थापना के लिए विस्तृत कार्ययोजना राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल को प्रस्तुत की जाएगी। इसके पश्चात साइंस प्ले पार्क की स्थापना की आगामी कार्रवाई की जाएगी।

श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में होगा सनातन वैदिक अनुष्ठान

विधि-विधान से हररोज होगा अभिषेक, पूजन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में गणेश जन्मोत्सव से सनातन वैदिक अनुष्ठान होगा।कार्यक्रम की व्यवस्थापक श्रीमती रमा पुरोहित ने बताया कि प्रतिदिन भगवान विनायक सरकार का अथर्वशीष, शिवताण्डव, रूद्राष्टक, गणेशाष्टक द्वारा पावन अभिषेक, गणेश गौरी, वरूण कलश, दीप कलश, अखण्ड ज्योति, नवग्रह, पृथ्वी पूजन, हवन आरती, महामंत्र पुष्पांजली व प्रसाद वितरण कार्यक्रम होगा। आचार्य पं कृष्णकांत उदेनिया व पं विनोद मिश्रा यजमानों से अभिषेक-पूजन कराएंगें। उल्लेखनीय है कि महर्षि वेद व्यास के सांसरिक सार सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया के पावन उद्देश्य से उक्त अनुष्ठान तीस वर्ष पहले संस्थापक स्व. पं कृष्णकुमार पुरोहित द्वारा प्रारंभ किया गया था।आयोजन समिति ने जानकारी दी कि बारहवें दिन अनंत चर्तुदशी को प्रथम पूज्य के 1020 नामों की आहूति यज्ञ होगा। जिसमें धर्मानुरागी धोती कुर्ता पहनकर हिस्सा ले सकते है।

ये है विधान

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर प्रथम पूज्य गणपतेय की आराधना करने से वे सभी नेक कार्य सिद्ध करते है। इस दिन चन्द्र दर्शन निषिद्ध होता है। आज के दिन घरों, प्रतिष्ठानों में स्वास्तिक बनाने का विशेष फलदायी महत्व होता है। यह रिद्धी, सिद्धी और क्षेम लाभ बढाने वाला दिन है। इस दिन गणेश प्रतिमा पूजन से सुख शांति मिलती है।

पूरे दिन खुलेगा मंदिर, तीन बार होगी आरती

आयोजन समिति गणनायक फाउंडेशन के सदस्यों ने उपस्थिति की अपील की है। बताया गया है कि मंदिर सुबह 6 बजे लेकर रात 9 बजे तक पूरे दिन खुला रहेगा। अनुष्ठान के चलते 3 बार आरती भी होगी।

गुरु धाम में मनाया जाएगा शंकराचार्य जी का 103वां जन्मोत्सव

बंडोल/सिवनी। परम पूज्य अनंत श्री विभूषित ज्योतिष एवं द्वारका शारदा पीठाधीश्वर, ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के 103वें जन्मोत्सव के अवसर पर 14 सितंबर, सोमवार को गुरु धाम दिघोरी में भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। श्री गुरुधाम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गुरु भक्त शामिल होंगे। जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 12 से 2 बजे तक परम पूज्य गुरुदेव भगवान की पादुका पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर दोपहर 2 बजे से भंडारा वितरण किया जाएगा।

जिले में धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए 57 पंजीयन केन्द्रों का हुआ निर्धारण

15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक होगा किसानों का पंजीयन

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन का कार्य 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने उपार्जन समिति की अनुशंसा उपरांत जिले में धान, ज्वार एवं बाजारा पंजीयन के लिए 57 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया है। जारी आदेश के मुताबिक तहसील करेली के अंतर्गत सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली के लिए समिति परिसर सहकारी विपणन संस्था मर्यादित करेली, बी-पैक्स करताज के लिए समिति परिसर करताज, बी-पैक्स करेली के लिए समिति परिसर करेली, बी-पैक्स केरपानी के लिए समिति परिसर केरपानी, बी-पैक्स आमगांवबड़ा के लिए समिति परिसर आमगांवबड़ा, बी-पैक्स उमरिया के लिए समिति परिसर उमरिया, बी-पैक्स मोहद के लिए समिति परिसर मोहद, बी-पैक्स कोसमखेड़ा के लिए समिति परिसर कोसमखेड़ा, बी-पैक्स बघुवार के लिए समिति परिसर बघुवार, बी-पैक्स सगरी के लिए समिति परिसर सगरी, बी-पैक्स सासबहू के लिए समिति परिसर सासबहू और बी-पैक्स रांकई के लिए समिति परिसर रांकई को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। गाडरवारा तहसील के अंतर्गत बी-पैक्स सिहोरा के लिए समिति परिसर सिहोरा, बी-पैक्स गाडरवारा के लिए समिति परिसर गाडरवारा, बी-पैक्स सीरेगांव के लिए समिति परिसर सीरेगांव, बी-पैक्स इमलिया साली. के लिए समिति परिसर इमलिया साली., बी-पैक्स करपगांव के लिए समिति परिसर करपगांव, बी-पैक्स पलोहा के लिए समिति परिसर पलोहा, बी-पैक्स चारगांव के लिए, समिति परिसर चारगांव, बी-पैक्स कौंड़िया के लिए समिति परिसर कौंड़िया, बी-पैक्स सडूमर के लिए समिति परिसर सडूमर, बी-पैक्स मड़ेसुर के लिए समिति परिसर मड़ेसुर, बी-पैक्स सूरना के लिए समिति परिसर सूरना, बी-पैक्स हरई के लिए समिति परिसर हरई, बी-पैक्स छैनाकछार के लिए समिति परिसर छैनाकछार और बी-पैक्स सिल्हेटी के लिए समिति परिसर सिल्हेटी को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इसी तरह तहसील गोटेगांव के अंतर्गत बी-पैक्स करकबेल के लिए समिति परिसर करकबेल, बी-पैक्स सूरवारी के लिए समिति परिसर सूरवारी, बी-पैक्स श्रीनगर के लिए समिति परिसर श्रीनगर, बी-पैक्स इमलिया-कामती के लिए समिति परिसर इमलिया-कामती, बी-पैक्स मेख के लिए समिति परिसर मेख, बी-पैक्स उमरिया के लिए समिति परिसर उमरिया, बी-पैक्स करेलीकला के लिए समिति परिसर करेलीकला, बी-पैक्स लाठगांव के लिए समिति परिसर लाठगांव, बी-पैक्स खमरिया के लिए समिति परिसर खमरिया-गोटेगांव, बी-पैक्स बढ़ैयाखेड़ा के लिए समिति परिसर बढ़ैयाखेड़ा, बी-पैक्स सिवनीबंधा के लिए समिति परिसर सिवनीबंधा, बी-पैक्स सालीवाड़ा के लिए समिति परिसर सालीवाड़ा और बी-पैक्स सिमरीबड़ी के लिए समिति परिसर सिमरीबड़ी को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। तहसील तेंदूखेड़ा के अंतर्गत बी-पैक्स तेंदूखेड़ा के लिए समिति परिसर तेंदूखेड़ा, बी-पैक्स डोभी के लिए समिति परिसर डोभी, बी-पैक्स रमपुरा के लिए समिति परिसर रमपुरा, बी-पैक्स काचरकोना के लिए समिति परिसर काचरकोना, बी-पैक्स बिलहरा के लिए समिति परिसर बिलहरा और बी-पैक्स सर्रा के लिए समिति परिसर सर्रा को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत बी-पैक्स धमना के लिए समिति परिसर धमना, बी-पैक्स मुंगवानी पाठापिपरिया के लिए समिति परिसर मुंगवानी पाठापिपरिया, बी-पैक्स गोरखपुर के लिए समिति परिसर गोरखपुर, बी-पैक्स बचई (करहैया) के लिए समिति परिसर बचई (करहैया) और बी-पैक्स मुर्गाखेड़ा के लिए समिति परिसर मुर्गाखेड़ा को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। तहसील सांईखेड़ा के अंतर्गत बी-पैक्स आड़ेगांव के लिए समिति परिसर आड़ेगांव, बी-पैक्स तूमड़ा के लिए समिति परिसर तूमड़ा, बी-पैक्स नांदनेर के लिए समिति परिसर नांदनेर, बी-पैक्स मड़गुला के लिए समिति परिसर मड़गुला और बी-पैक्स खुरसीपार के लिए समिति परिसर खुरसीपार को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने किसान पंजीयन कार्य के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

श्रीदेव शांतिनाथ जैन मंदिर दर्शन करने पहुचे उदय प्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर के प्राचीन एवं ऐतिहासिक श्रीदेव शांतिनाथ जैन मंदिर, स्टेट बैंक के पास पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जैन समाज सहित नगर के सभी वर्ग के लोग इस पावन पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। पर्यूषण महापर्व के पांचवे दिवस पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। प्रात:काल भगवान महावीर स्वामी के जन्म की वांचना जन्म कल्याणक की कथा का वाचन किया गया। धर्मसभा में मुनि श्री के द्वारा भगवान महावीर के जीवन चरित्र और उनके सिद्धांतों- अहिंसा, सत्य और अपरिग्रह पर प्रकाश डाला गया । रात्रि में मंदिर जी में विशेष सजावट के बीच भगवान

महावीर जी के नन्हे बाल स्वरूप के पालने के दिव्य दर्शन कराए गए। साथ ही भगवान के जन्म से पूर्व माता त्रिशला देवी द्वारा देखे गए 14 दिव्य, मंगलकारी स्वप्नों की मनोरम झांकी सजाई गई, जिनके दर्शन कर श्रद्धालु अभिभूत हो गए। हाथी, वृषभ, सिंह, लक्ष्मी, पुष्पमाला, चंद्रमा, सूर्य, ध्वजा, कलश, पद्म सरोवर, क्षीर सागर, देव विमान, रत्नों का ढेर और निष्कूम अग्नि- इन 14 स्वप्नों का विशेष महत्व बताया गया। श्रद्धालुओं ने पालना झुलाकर खुशियां मनाईं। संध्या आरती के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय श्री उदय प्रताप सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने श्रीदेव शांतिनाथ जी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश एवं क्षेत्र की खुशहाली, सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान जैन समाज के पदाधिकारियों ने मंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। रात्रि जागरण में जबलपुर के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रशांत जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक भक्ति भजनों की प्रस्तुति दी गई। महावीर तेरा दरबार, और झूलो झूलो महावीर जैसे भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेकर पूजा-अर्चना की और धार्मिक भजनों का आनंद लिया। मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। अंत में आयोजन समिति से जुड़े डागा परिवार ज्ञान डागा, मिनेन्द्र डागा, अनिल लूनावत एवं जैन समाज ने सभी आगंतुक अतिथियों, श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब गाडरवारा के प्रयास से सड़क का हुआ जीर्णोद्धार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। रोटरी क्लब गाडरवारा की जनहितैषी पहल और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप मंडी गेट नंबर 2 श्री गोपाल ट्रेडर्स के सामने सड़क पर बने जानलेवा गड्ढों की मरम्मत और दुरुस्तीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। विदित हो कि ?हाल ही में इस मार्ग पर गहरे गड्ढों के कारण एक गंभीर और जानलेवा दुर्घटना घटी थी। इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों के लिए यह गड्ढे लंबे समय से हादसों का कारण बने हुए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए रोटरी क्लब गाडरवारा के प्रमुख सदस्य अमित साहू एवं निमित्तकांत जैन ने तुरंत संज्ञान लिया और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सड़क मरम्मत का बीड़ा उठाया।?रोटरी क्लब के सौजन्य से अमित साहू और निमित्त कांत जैन की देखरेख में सड़क के गड्ढों को भरवाकर समतलीकरण कराया गया, जिससे अब आवागमन सुचारू और सुरक्षित हो गया है।?स्थानीय निवासियों और आसपास

के व्यापारियों ने रोटरी क्लब गाडरवारा तथा सदस्य अमित साहू एवं निमित्त कांत जैन की इस त्वरित कार्रवाई व सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने प्रतिबद्धता दोहराई कि क्लब सदैव क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और जनसेवा के कार्यों के लिए अग्रसर रहेगा।

14 से 25 सितंबर तक प्रतिदिन पूजन, आरती, भजन-कीर्तन और लड्डुओं का महाभोग, 25 सितंबर को हवन-पूजन व महाप्रसाद के साथ होगा समापन

सिवनी- नगर के शंकराचार्य चौक स्थित श्री गणेश मंदिर में पूर्व वर्षों की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्री गणेशजी का प्रकटोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा 14 से 25 सितंबर 2026 तक 12 दिवसीय धार्मिक आयोजन की तैयारियां की गई हैं। इस दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेशजी का भव्य श्रृंगार, पूजन-अर्चन, आरती, सहस्त्रनाम पाठ, भजन-कीर्तन तथा लड्डुओं का महाभोग लगाया जाएगा।

प्रथम दिवस लगेगा 11 से 111 किलो तक लड्डुओं का महाभोग-प्रकटोत्सव के प्रथम दिवस भगवान श्री गणेशजी को श्रद्धालुओं द्वारा 11 किलो से लेकर 111 किलो तक लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। इसमें 11, 22, 33, 44, 55, 66, 77, 88, 99, 101 एवं 111 किलो लड्डुओं का भोग शामिल रहेगा। महाभोग के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेशजी को लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा।

मंदिर समिति के अनुसार प्रकटोत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेशजी को सोंठ के लड्डुओं का भोग लगाने का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार कम से कम पांच सोंठ के लड्डू अर्पित कर सकते हैं। लड्डुओं की संख्या सवाया होना शुभ माना जाता है।

प्रतिदिन होंगे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम-प्रकटोत्सव के दौरान 14 से 25 सितंबर तक प्रतिदिन प्रात: 8 से 9 बजे तक भगवान श्री गणेशजी का श्रृंगार, पूजन, आरती एवं सहस्त्रनाम पाठ होगा। वहीं दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक महिला मंडल द्वारा भजन-कीर्तन किया जाएगा। प्रतिदिन रात्रि 8.30 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। विशेष धार्मिक आयोजनों के क्रम में 20 सितंबर को दोपहर 1 से 3 बजे तक दूर्वा एवं शमी पत्रों से सहस्र अर्चन किया जाएगा। 24 सितंबर को दोपहर 12 बजे कन्या भोजन का आयोजन होगा।

हवन-पूजन और महाप्रसाद के साथ होगा समापन-प्रकटोत्सव के अंतिम दिन 25 सितंबर को दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक हवन-पूजन एवं दीपदान का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 6 से रात 8 बजे तक महाप्रसाद वितरण होगा। इसी के साथ 12 दिवसीय प्रकटोत्सव का विधिवत समापन किया जाएगा।

मोहम्मद तौफीक खान बने अध्यक्ष

छपारा ।प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ब्लॉक छपारा की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन की नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में ब्लॉक के अशासकीय विद्यालयों के संचालकों एवं संगठन के सदस्यों की उपस्थिति रही। सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों की जिम्मेदारियां सौंपीं।नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में मोहम्मद तौफीक खान को अध्यक्ष, राजेश शिवहरे को कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीमती कल्पना कुशवाहा को उपाध्यक्ष, श्री प्रशांत ठाकुर को सचिव, श्री कमलेश पटेल को सह-सचिव, श्री शुभम सोनी को कोषाध्यक्ष तथा श्री श्याम सुन्दर चौकसे को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया। मीडिया प्रभारी के रूप में श्री शुभम सोनी, श्री मोहम्मद तौफीक खान एवं श्री प्रशांत ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई।

नर्मदा-गंगा जल लेकर रामेश्वरम की पैदल यात्रा पर मन्नूलाल, राष्ट्रीय बजरंग दल कान्हीवाड़ा ने किया भव्य स्वागत

1 सितंबर से शुरू की यात्रा, 12वें दिन पहुंचे कान्हीवाड़ा; रामेश्वर ज्योतिर्लिंग पर पवित्र जल अर्पित करने का संकल्प

सिवनी। धार्मिक आस्था, दृढ़ संकल्प और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए अनूपपुर निवासी मन्नूलाल जी मां नर्मदा और मां गंगा का पवित्र जल लेकर रामेश्वरम की पैदल यात्रा पर निकले हैं। 1 सितंबर से प्रारंभ हुई उनकी कठिन यात्रा के 12वें दिन वे सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा पहुंचे।

मन्नूलाल जी का संकल्प है कि वे नर्मदा एवं गंगा का पवित्र जल

लेकर लगातार पैदल यात्रा करते हुए रामेश्वरम पहुंचेंगे और वहां भगवान रामेश्वर ज्योतिर्लिंग पर दोनों नदियों का जल अर्पित करेंगे। इसी संकल्प के साथ वे प्रतिदिन पैदल दूरी तय कर अपनी यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। कान्हीवाड़ा पहुंचने पर राष्ट्रीय बजरंग दल कान्हीवाड़ा के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में राष्ट्रीय बजरंग दल कार्यकारी जिला अध्यक्ष कपिल अवधिया, वरिष्ठ पत्रकार संतोष बन्देवार, ऋषभ साहू, पप्पू साहू सहित कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने मन्नूलाल जी की आस्था, तपस्या और दृढ़ संकल्प की सराहना की। लोगों ने कहा कि इतनी लंबी दूरी की पैदल यात्रा करते हुए पवित्र नर्मदा और गंगा जल को रामेश्वरम तक ले जाना अपने आप में श्रद्धा और समर्पण का परिचायक है।

मन्नूलाल जी ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए महज एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भगवान शिव के प्रति आस्था, समर्पण और संकल्प की यात्रा है। वे मार्ग में आने वाले विभिन्न स्थानों से होते हुए पैदल रामेश्वरम पहुंचेंगे और भगवान रामेश्वर ज्योतिर्लिंग पर नर्मदा एवं गंगा जल अर्पित कर अपना संकल्प पूर्ण करेंगे।

कान्हीवाड़ा में उनके स्वागत के दौरान लोगों में भी उनकी यात्रा को लेकर उत्सुकता रही। स्थानीय नागरिकों ने उनकी सफल यात्रा और संकल्प की पूर्णता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिले में 17 सितंबर से शुरू होगी स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना

ई-केवाईसी और भूखण्ड लिंकिंग कराना जरूरी

कटनी (स्वतंत्रमत)

ग्रामीण आबादी क्षेत्र में निवासरत भूखण्ड धारकों को उनके भूखण्ड का विधिवत स्वामित्व अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा (स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026) योजना का जिले में 17 सितंबर से शुभारंभ किया जायेगा। इसके अंतर्गत कटनी जिले के लगभग 1 लाख 6 हजार 618 आबादी भूखण्ड धारकों को उनके नाम से स्वामित्व अधिकार अभिलेख के निष्पादन एवं पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिले के समस्त आबादी भूखण्ड धारकों से अपील की है कि वे योजना का लाभ लेने के लिए समय रहते अपनी समग्र ई-केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की निःशुल्क प्रक्रिया पूर्ण करा लें।

स्वामित्व का वैधानिक दस्तावेज बनेगा आर्थिक सशक्तिकरण का आधार

योजना का उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित भूखण्डों के धारकों को उनके भूखण्ड के संबंध में विधिवत एवं प्रमाणित स्वामित्व अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण परिवारों के पास अपनी संपत्ति का महत्वपूर्ण एवं उपयोगी वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध होगा। स्वामित्व अधिकार अभिलेख मिलने से शासकीय एवं वित्तीय कार्यों में सुविधा होगी। पात्रता एवं संबंधित बैंकिंग नियमों के अधीन इस संपत्ति का उपयोग बैंक ऋण प्राप्त करने में भी किया जा सकेगा। इससे ग्रामीण परिवारों की संस्थागत वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी और संपत्ति के आर्थिक उपयोग की संभावनाएं बढ़ेंगी। कलेक्टर ने संबंधित आबादी भूखण्ड धारकों से अपील की है कि योजना के क्रियान्वयन से पहले अपनी समग्र ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। इसके साथ ही भूखण्ड को भूखण्ड धारक की जानकारी से लैण्ड लिंकिंग/केवाईसी कराना भी आवश्यक है। हितग्राही अपने ग्राम के संबंधित पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक अथवा उपलब्ध स्थानीय सहायता केंद्रों से संपर्क कर ई-केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ई-केवाईसी एवं भूखण्ड लिंकिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही स्वामित्व अधिकार अभिलेख के निष्पादन एवं पंजीयन की आगामी कार्यवाही सुचारू रूप से पूरी हो सकेगी। इसलिए जिन हितग्राहियों की प्रक्रिया लंबित है, वे निर्धारित समय में इसे पूर्ण कराएं।

ग्राम पंचायत स्तर पर तीन चरणों में मिलेगी सहायता

ग्रामीणों की सुविधा के लिए योजना के क्रियान्वयन के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक सहायता एवं कार्यवाही उपलब्ध कराई जाएगी। तीन चरणों में आयोजित होने वाली कार्यवाही में संबंधित पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं स्थानीय प्रशिक्षित युवा उपस्थित रहकर ग्रामीणों को तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक सहायता प्रदान करेंगे। इन कार्य दिवसों में ग्रामीणों को समग्र ई-केवाईसी पूर्ण कराने, भूखण्ड की लैण्ड लिंकिंग/केवाईसी, वेबजीआईएस एवं भू-अभिलेख संबंधी जानकारी के सत्यापन, स्वामित्व अधिकार अभिलेख की आगामी प्रक्रिया तथा पंजीयन संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण निर्धारित दिवसों में ग्राम पंचायत स्तर पर उपस्थित होकर अपनी लंबित प्रक्रिया पूर्ण करा सकते हैं। कलेक्टर तिवारी ने बताया कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 की प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क है। किसी भी हितग्राही को इसके लिए किसी व्यक्ति, कर्मचारी अथवा अन्य माध्यम को नगद या ऑनलाइन किसी भी रूप में राशि देने की आवश्यकता नहीं है।

(फोटो विकास गुप्ता)

गणपति की अगवानी को तैयार महाकौशल का बारडोली, जगह-जगह सजे भव्य पंडाल

कटनी (स्वतंत्रमत)

अपनी ऐतिहासिक निडरता और क्रांतिकारी चेतना के कारण महाकौशल के बारडोली के नाम से मशहूर कटनी शहर अब विघ्नहर्ता श्री गणेश की भक्ति में डूबने को तैयार है। आजादी के आंदोलनों में अपनी अटूट एकजुटता दिखाने वाली यह ऐतिहासिक नगरी अब गणपति बाप्पा की अगवानी के लिए पूरे उल्लास के साथ सज-धज चुकी है। शहर के कोने-कोने में भक्ति का माहौल है और गली-मोहल्लों से लेकर मुख्य बाजारों तक भव्य पूजा पंडालों का निर्माण व साज-सजावट का काम अंतिम चरण में है।

साज-सजावट और तैयारियों का दौर तेज - शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर विशाल और आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं। कहीं प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर पंडाल का ढांचा तैयार किया गया है, तो कहीं मनमोहक विद्युत सज्जा और लाइटिंग से क्षेत्र को जगमग करने की तैयारी है। मूर्तिकारों के यहां भी गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेजी से चल रहा है। लोग अपनी पसंद की प्रतिमाएं बुक कर चुके हैं और अब बस बाप्पा को घर व पंडालों तक लाने का इंतजार है।

14 तारीख को शुभ मुहूर्त में होगी स्थापना - इस बार 14 तारीख को बन रहे अत्यंत शुभ मुहूर्त में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। पंडितों और आचार्यों के अनुसार शुभ योगों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बाप्पा को विराजमान किया जाएगा। स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं, विशेषकर युवाओं और बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। ढोल-ताशों और गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को लाने की विशेष योजनाएं बनाई गई हैं।

सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम - गणेशोत्सव के दौरान शहर में उमड़ने वाली भीड़ और कार्यक्रमों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन व पुलिस व्यवस्था भी अलर्ट मोड पर है। शांति समिति की बैठकों के जरिए आयोजकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि आगामी 10 दिनों तक चलने वाला यह पावन जन्मोत्सव पूरे शहर में सौहार्द उल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हो सके।

बिजली लाइनों से दूर बनाएं पंडाल, लापरवाही पड़ सकती है भारी

एमपीईबी ने गणेश और दुर्गा उत्सव समितियों को चेताया, कटे-फटे तार व खुले जोड़ से हादसे का खतरा

कटनी (स्वतंत्रमत)

गणेश उत्सव एवं दुर्गा उत्सव के दौरान शहर में बड़े पैमाने पर पंडाल और विद्युत सजावट की जाती है। इसे देखते हुए मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आयोजन समितियों और टेंट संचालकों को विद्युत सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पंडाल विद्युत लाइनों और ट्रांसफार्मरों से सुरक्षित दूरी पर ही लगाए जाएं। बिजली के तारों के बेहद करीब पंडाल या सजावट करना गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। खासतौर पर बारिश के मौसम में विद्युत लाइन, पंडाल और नमी का संपर्क जानलेवा साबित हो सकता है। विभाग ने कटे-फटे तारों का इस्तेमाल नहीं करने और तारों में खुले जोड़ नहीं लगाने को कहा है। विद्युत व्यवस्था से संबंधित काम किसी प्रशिक्षित बिजली मिस्त्री से ही कराया जाए। असुरक्षित तरीके से किए गए कनेशन को लेकर भी समितियों और टेंट संचालकों को सावधान किया गया है। एमपीईबी ने टेंट संचालकों और आयोजन समितियों से वैध अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करने की अपील की है।

6मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निलंबित

7 अन्य प्रतिष्ठानों में नारकोटिक्स दवाओं के अभिलेखों की जांच

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में औषधियों के विक्रय, भंडारण एवं वितरण में निर्धारित मापदंडों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में ड्रग इंस्पेक्टर सोनम जैन ने मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध सघन निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा नियम, 1945 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर जिले के 6 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निर्धारित अवधि के लिए निलंबित किए गए हैं।

निलंबित लाइसेंस के मेडिकल स्टोर

निलंबित किए गए मेडिकल स्टोरों में सम्पत मेडिकल, दुर्गा चौक का लाइसेंस 7 दिवस, अनिल मेडिकल एंड जनरल स्टोर, कटनी का 5 दिवस, आकाश मेडिकल, तिलक कॉलेज रोड का 3 दिवस, आयुष मेडिकेयर रोशन नगर का 7 दिवस, तिवारी मेडिकल, परोना मार्केट का 5 दिवस तथा अंशिका मेडिकल, दुर्गा चौक, कटनी का लाइसेंस 5 दिवस के लिए निलंबित किया गया है।

नारकोटिक्स दवाओं की खरीदी-बिक्री पर विशेष निगरानी

औषधि विभाग द्वारा जिले के अन्य 7 मेडिकल स्टोरों का भी निरीक्षण कर वहां उपलब्ध दवाओं एवं अभिलेखों की जांच की गई। इनमें सिटी मेडिकल, झर्रा टिकुरिया, विकास मेडिकोज, मस्जिद के पास, शांति मेडिकल, रंगनाथ नगर, न्यू वंदना मेडिकल, शास्त्री वार्ड, सनी मेडिकोज, रघुनाथ गंज, शुभ श्री मेडिकल, मंगल नगर तथा मां मेडिकल, जय हिन्द चौक शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान संबंधित मेडिकल संचालकों को नारकोटिक्स दवाओं की खरीदी एवं बिक्री से संबंधित बिल, अभिलेख और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान जिन प्रतिष्ठानों में नियमों के अनुरूप अभिलेख अथवा अन्य कमियां पाई गई हैंए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्राप्त जवाब एवं दस्तावेजों के परीक्षण के बाद संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

नियमों की अनदेखी पर होगी कड़ी कार्रवाई

मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि औषधियों के विक्रय एवं भंडारण में निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य है। विशेष रूप से नारकोटिक्स एवं नियंत्रित श्रेणी की दवाओं की खरीदी-बिक्री में निर्धारित अभिलेखों का संधारण एवं नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। जिले में मेडिकल प्रतिष्ठानों की जांच की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर लाइसेंस निलंबन सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

(फोटो विकास गुप्ता)

सौम्या रांधेलिया बनी अखिल भारतवर्षीय जैन युवा परिषद की राष्ट्रीय महामंत्री

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी की सौम्या रांधेलिया को अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है। समाज में विभिन्न संस्थाओ में अनेक कार्य में सहयोग जो सदैव आमजन के हित में रहे है ऐसे कार्यो को देखते हुए अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन पारस, एवं राष्ट्रीय महामंत्री पूर्व विधायक सुनील जैन, एवं युवा परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक समीर जैन कि अनुशंसा पर सौम्या रांधेलिया को युवा परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत समैया ने राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया है जिसका शपथ ग्रहण समारोह सागर में सम्पन्न हुआ जहां देश भर के कोने कोने से आए पदाधिकारियों ने शपथ ली और 12 वार्षिक संकल्प लिए शिक्षा मिशन, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, ड्राइविंग लाइसेंस संबंधित जागरूकता, जैन धर्म प्रभावना, वृद्धजन देखभाल केंद्र, जैन स्कॉलर्स अवॉर्ड, स्वास्थ जागरूकता मैराथन, चिकित्सा शिविर, सामाजिक उद्यमिता विकास आदि की उपस्थिति रही।

संघ की कार्यकारिणी का किया गया विस्तार

संघ ने ढीमरखेड़ा ब्लॉक की बैठक आयोजित कर तहसील ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति की गई

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 12 सितंबर दिन शनिवार को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक संघ की ढीमरखेड़ा ब्लॉक स्तर की बैठक संघ के उप प्रांताध्यक्ष अजय गौतम जी की अध्यक्षता में आयोजित कर जिला कार्यकारिणी की सहमति से संघ के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके ने जितेंद्र मिश्रा को ब्लॉक अध्यक्ष सदानंद कोल को जिला कार्यकारिणी में सचिव नीलेश पौराणिक को उपाध्यक्ष सुजीत शुक्ला को संगठन सचिव के पद पर मनोनीत किया गया और इसके साथ ही संगठन की बैठक में समस्त विभागों के समस्त कर्मचारी शामिल हुये बैठक में सीपीसीटी परीक्षा के संबंध आदेश जारी करने हेतु पदोन्नति आदेश जारी करने विभागीय समिति का गठन करने हेतु जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने तहसील स्तर पर विभागीय परामर्श दात्री बैठक आयोजित करने राजस्व विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के समयमान वेतनमान आदेश शीघ्र जारी करने कार्यभारित आकस्मिक निधि कर्मचारियों को नियमित पदस्थापना में करने दैनिक वेतन भोगी स्थाई कर्मी अंशकालीन रसोईया बहनों की मांगों पर चर्चा हुई और उसके उचित समाधान हेतु पत्राचार ज्ञापन कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई उक्त बैठक में संघ के पदाधिकारी मनोज श्रीवास सौरभ सिंह राकेश जसूजा धर्मेंद्र सदानंद कोल अनिल पांडेय सदस्य जितेंद्र मिश्रा नीलेश पौराणिक सुजीत शुक्ला जनमेजय रजक आशीष बर्मन उमेश पुरी उमेश सेन सुधाकर उपाध्याय सुंदर लोधी कृष्ण कुमार सेन रामप्रकाश रैदास यशवंत प्रताप सिंह प्रदीप सिंह परते देवानंद वर्मा भागीरथ सिंह आलोक शुक्ला अन्य उपस्थित रहे और नव नियुक्त पदाधिकारियों को संघ के समस्त पदाधिकारी सदस्यों ने बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की गई समस्त विभागों के कर्मचारियों ने संघ को सहयोग करने का संकल्प लिया है।

फोटो विकास गुप्ता

गश्त के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा गांजा तस्कर

उमरियापान पुलिस ने 720 ग्राम गांजा के साथ किया गिरतार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में उमरियापान पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान एक बुजुर्ग आरोपी को गांजा के साथ गिरतार किया है। उमरियापान थाना प्रभारी महेन्द्र जायसवाल ने बताया कि पुलिस क्षेत्र में नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान देवरी मंगेला यात्री प्रतीक्षालय के पास पुलिस टीम को अचानक एक संदिग्ध बुजुर्ग व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रामप्रकाश पटेल निवासी पड़ारिया खुर्द बताया। चेक करने पर आरोपी के कजे से 720 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जिसे वह विक्रय करने के उद्देश्य से ले जा रहा था। जत किए गए गांजे की कीमत लगभग 7200 रुपये है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए गांजे को जत किया और आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। कार्यवाही में थाना प्रभारी महेन्द्र जायसवाल, उपनिरीक्षक भरत सिंह मार्को, प्रधान आरक्षक अजय तिवारी, आशीष झारिया, दिनेश रजक, आरक्षक सतेन्द्र चौरसिया, नीलेश पटेल, मोहन मुबेल की भूमिका सराहनीय रही।

526 बिजली प्रकरण निपटे, 72.50 लाख रुपये जमा

बिजली विभाग की कार्ययोजना से बड़ी संख्या में उपभोताओं को मिला लाभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिला न्यायालय में आयोजित नेशनल लोक अदालत में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से संबंधित 526 प्रकरणों का समझौते के माध्यम से निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में 526 उपभोताओं ने कुल 72 लाख 50 हजार रुपये की राशि जमा कराई। लोक अदालत में बिजली प्रकरणों के समझौते के माध्यम से निराकरण पर न्यायाधीश गोपेश गर्ग ने संबंधित पक्षों को बधाई दी। अधिक से अधिक प्रकरणों के समाधान के लिए विद्युत विभाग ने पहले से विशेष कार्ययोजना तैयार की थी। इसके तहत मैदानी स्तर पर उपभोताओं को नोटिस वितरित किए गए और प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। विभाग की इस तैयारी का परिणाम लोक अदालत में देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में बिजली प्रकरणों का समझौते के जरिए समाधान हुआ। इस दौरान अधीक्षण अभियंता वृत कटनी डी.एन. चौकीकर, कार्यपालन अभियंता संरक्षण संधारण संभाग शरद विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता शहर संभाग मुकेश महोबे तथा कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग शैलजा सिंह चौहान सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पूज्य संत श्री श्री बनवारीदास जी के कर कमलों से पचेली बोली काव्य कृति का विमोचन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

भारत के हृदय स्थल पान उमरिया-करौंदी के ग्राम्य अंचल में केंद्रित आंचलिक बोली पचेली कविताओं का संकलन पचेली काव्य वीथिका का विमोचन पचेलखंड के संत श्री श्री बनवारी दास महाराज जी के कर कमलों से गत दिवस 12 सितंबर शनिवार को भरभरा आश्रम में संपन्न हुआ । इस अवसर पर पूज्य संत महाराज जी द्वारा पचेली कृति प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस बोली में साहित्य सृजन करने वाले रचनाकारों एवं सहयोगियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए पचेली बोली उन्नयन अभियान से जुड़े लोगों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया गया ।

उल्लेखनीय है कि कटनी जिले का पान उमरिया-करौंदी जो भारत का भौगोलिक केंद्र बिंदु होने से हार्ट ऑफ कंट्री भी कहलाता है यह बघेलखंड, बुंदेलखंड एवं महाकौशल से घिरा भी है फलस्वरूप यहां उक्त तीनों क्षेत्र की परंपराओं का ही नहीं इनकी बोलियों का मिश्रण भी पाया जाता है । इस बोली को विद्वानों द्वारा पचेली बोली की संज्ञा प्रदान की गई है । यह बोली सदियों से प्रचलन में तो रही है किंतु इसका साहित्य, पुस्तक रूप में उपलब्ध नहीं था । ग्राम महगवां-खलरी (डुंडी) मूल के डा. कौशल दुबे जो वर्तमान में जबलपुर में निवासरत तथा दर्शन के प्राध्यापक हैं, के प्रयासों से पचेलखंड के हिंदी रचनाकारों को पचेली बोली में लिखने लिए प्रेरित कर इसका साहित्य पुस्तक रूप में लाने का अभियान विगत एक दशक से चलाया जा रहा है । जिसके अंतर्गत विरासत संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाली संस्था इंटैक (कला एवं संस्कृतिक निधि) कटनी चेप्टर द्वारा पचेली बोली की कविताओं के क्रमशः दो संकलन प्रकाशित किए गए हैं । डा. कौशल दुबे की पचेली कविताओं का भी एक संकलन प्रकाशित हुआ है । पचेली नवगीत एवं मुहावरों के दो संकलन प्रकाशनाधीन है । वही पद्मश्री बाबूलाल दाहिया द्वारा पचेली साहित्य एवं संस्कृति पर कृति तथा बघराजी महाविद्यालय के प्राध्यापक सुरेंद्र सिंह बागरी द्वारा पचेली बोली पर शब्दकोश तैयार किए जाने पर कार्य प्रगति पर है । आशा व्यक्त की जाती है कि आने वाले वर्षों में पचेली बोली की साहित्यिक कृतियां समाज में उपलब्ध हो सकेंगी । इस अवसर पर पचेली रचनाकार विजय बागरी विजय, गजेंद्र कुमार बख्शी, डा. के. एल. हल्दकार, इंटैक कटनी चेप्टर के अजय सरावगी, राजेंद्र सिंह ठाकुर, म.प्र. हिंदी साहित्य सम्मेलन कटनी जिला सचिव अजय प्रताप सिंह बघेल, कटनी टेंट लाइट एसोसिएशन के संजय तिवारी, सौरभ जैन, मोनू गुप्ता, अजय सिंह, सतीश खंपरिया, शिवम पांडे, दीपू बर्मन, पंकज अवस्थी एवं अन्य उपस्थित रहे । फोटो विकास गुप्ता

भारत ने जीता जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब

चीन को 1-0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों-स्टाफ के लिए इनाम घोषित

मोकी (चीन)

सानिका चंद्रकांत माने के 17वें मिनट में किए गए गोल ने मैच का नतीजा तय किया। इस गोल की बदौलत, अब तक अजेय रही भारतीय जूनियर महिला टीम ने फाइनल में चीन को रविवार को 1-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार यह टूर्नामेंट जीता। इस जीत के साथ ही भारत ने जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली।

इस उपलब्धि के सम्मान में, हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की। खिताबी मुकाबले की शुरुआत में चीन का पलड़ा भारी रहा और उन्होंने भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंडरों ने पूरे संकल्प के साथ अपने गोल पोस्ट की रक्षा की। पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका और न ही कोई साफ मौका बन पाया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही बाजी भारत के पक्ष में पलटी। सानिका ने फुर्ती दिखाते हुए चीनी डिफेंडर को छकाया और

गोल के और करीब पहुंच गई। चीनी सर्कल में आए एक लंबे स्लैप-पुश पर उन्होंने अपनी स्टिक लगाई और बड़ी कुशलता से गेंद को गोलकीपर जू मेंगजियाओ के बगल से गोल में पहुंचाकर भारत को जरूरी बढ़त दिलाई। चीन के पास गोल करने का सबसे अच्छा मौका तब आया जब उन्हें मैच का एकमात्र पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, उनका सीधा शॉट बेकार चला गया क्योंकि गेंद बैकबोर्ड की तय ऊंचाई से ऊपर गोल में गई थी, जिससे भारतीय टीम ने राहत की सांस ली।

आखिरी पलों में किया खिताब पर कब्जा

हाफ-टाइम से ठीक दो मिनट पहले भारत के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने का सबसे अच्छा मौका था, जब कप्तान खैदेम शिलेइमा चानू को शॉट लेने का मौका मिला, लेकिन चीनी गोलकीपर ने उसे रोक दिया। ब्रेक के बाद चीन ने नए इरादे के साथ खेल शुरू किया और क्वार्टर के सातवें मिनट में बराबरी करने के करीब पहुंच गया। एक बेहतरीन मूव में, एक चीनी अटैकर बेसलाइन से आगे बढ़ा और गोल के सामने एक खतरनाक माइनस पास दिया। हालांकि, भारतीय डिफेंडरों ने उसे रोक दिया और चीन को बराबरी करने से वंचित रखा। जब चीन बराबरी करने के लिए दबाव बना रहा था, तब आखिरी क्वार्टर में भारत के डिफेंस का मजबूत जज्बा देखने को मिला। डिफेंडिंग चैंपियन अपनी सर्कल के आस-पास अनुशासित, एकजुट और सतर्क रहे और एक ऐसा मजबूत घेरा बनाया जिसे भेदने में चीन को मुश्किल हुई। भारत ने मैच के आखिरी पलों में भी अपनी पकड़ बनाए रखी और 1-0 से यादगार जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं हारा। एलीट पूल में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ टॉप पर रहने के बाद, उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया और फिर फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार ट्रॉफी जीतकर हैट्रिक पूरी की।

मेसी का 99वां गोल, इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। इंटर मियामी और नेशविल के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था। नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं।

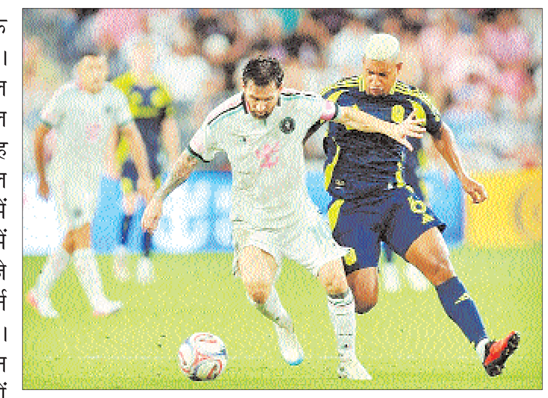

इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ एमएलएस गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी लैंडन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं। इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलमों होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे। नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में एमएलएस में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

तन्वी पात्री ने जीता ऑल-इंडियन फाइनल में अंडर 17 का खिताब

चेंगदू (चीन)

पंद्रह साल की तन्वी पात्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर17 और अंडर15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों का सिंगल्स अंडर17 खिताब जीता। उन्होंने ऑल-इंडियन फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी शायना मणिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से हराया। यह जीत ओडिशा की इस युवा खिलाड़ी के शानदार 2026 सीज़न में एक और उपलब्धि है। पात्री ने पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीता था और इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट भी जीता था। अब उन्होंने अपने 2024 अंडर15 एशियन खिताब के साथ अंडर17 का कॉन्टिनेंटल खिताब भी अपने नाम कर लिया है। दूसरी सीड वाली पात्री ने फाइनल तक पहुँचने के लिए मुश्किल ड्रॉ का सामना किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद, उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली के खिलाफ कड़े तीन-गेम वाले मुकाबले में 18-16, 12-15, 15-13 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने जापान

की शिजुकु काशियो को 15-9, 15-12 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में चीन की लिन हेंग मेन के खिलाफ 15-8, 15-8 से शानदार जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, पात्री ने तनावपूर्ण निर्णायक गेम में संयम बनाए रखते हुए चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से हराया। ड्रॉ के दूसरी तरफ, छठी सीड वाली मणिमुथु का सफर भी उतना ही शानदार रहा, जिससे बेंगलुरु फाइनल का रीमैच तय हुआ। उनके सफर में जापान की युई इताबाशी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मजबूत जीत और एक अन्य जापानी शटलर, एनोन ओकिमोटो के खिलाफ सेमीफाइनल में 15-13, 15-12 से संयमित जीत शामिल थी, जहाँ उन्होंने आखिरी पलों में बेहतरीन धैर्य दिखाया। 2025 में दीक्षा सुधाकर की ऐतिहासिक जीत के बाद, पात्री की जीत ने लगातार दूसरे साल अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स की ट्रॉफी भारत के नाम कर दी। पिछले साल अंडर15 एशियन टाइटल जीतने वाली मणिमुथु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। अंडर15 कैटेगरी में एक और मेडल जोड़ते हुए, लड़कों की डबल्स जोड़ी आदित्य सिंह नेगी और तन्मय वर्मा ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

जेफरसन-वुडन और केबिनाटशिपी ने किया शानदार प्रदर्शन

बुडापेस्ट। बुडापेस्ट में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में मेलिसा जेफरसन-वुडन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में अब तक का संयुक्त रूप से सातवां सबसे तेज समय निकाला, जबकि बोत्सवाना के कोलेन केबिनाटशिपी पुरुषों की 400 मीटर दौड़ की ऑल-टाइम लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंच गए। महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में जेफरसन-वुडन ने 10.62 सेकंड का समय लेकर जीत हासिल की, जो इस साल का दुनिया में सबसे तेज समय है। उन्होंने सेंट लूसिया की ओलंपिक चैंपियन जूलियन अल्फ्रेड को पीछे छोड़ा, जो 10.74 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। 2023 की वर्ल्ड चैंपियन शा कैरी रिचर्डसन 10.76 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में, अमेरिका के केनी बेडनारेक ने 9.85 सेकंड में जीत हासिल कर अपना पहला व्यक्तिगत ग्लोबल खिताब जीता। जमैका के वर्ल्ड चैंपियन ओब्लिक सेविल 9.90 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

दक्षिण अफ्रीका ने वनडे सीरीज में नामीबिया का किया सूपड़ा साफ

विंडहोक। ब्योर्न फोर्टेन (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉर्डन हरमन (77) और कॉनर एस्टरहाउजन (नाबाद 68) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में नामीबिया को 171 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को जॉर्डन हरमन और कॉनर एस्टरहाउजन की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 150 रनों की साझेदारी हुई। 21वें ओवर में वाल्डो स्मिथ ने जॉर्डन हरमन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जॉर्डन हरमन ने 59 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 77 रनों की पारी खेली। 22वें ओवर की तीसरी गेंद पर डेवाल्ड ब्रेविस ने छक्का लगाकर दक्षिण अफ्रीका को यह बड़ी जीत दिलाई। कॉनर एस्टरहाउजन ने 68 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 68) रनों की पारी खेली। वाल्डो स्मिथ नामीबिया की ओर एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी कर रही नामीबिया को 36.2 ओवरों में 156 रनों के स्कोर पर समेट दिया था। नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने

उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। माइकल वैन लिंगेन (दो) और यान फ्रायलिंक (दो) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद ऐलेक्जेंडर बूजीग-फॉलशॉक और लॉरेन स्टीनकैंप की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। 21 ओवर में फोर्टेन ने लॉरेन स्टीनकैंप (23) रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में ऐलेक्जेंडर बूजीग-फॉलशॉक (31) रनआउट हो गये। 23वें ओवर में फोर्टेन ने जेराई इरास्मस (तीन) रन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी आक्रमण के आगे ज़ेन ग्रीन (33) रन को छोड़कर नामीबिया का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। मैक्स हाइंगो (20) रन बनाकर नाबाद रहे।

चामिंडा वास बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है। बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में कच्चे तेल के अलावा निवेशकों की निगाह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बयान और महंगाई के घरेलू आंकड़ों पर रहेगी। कच्चे तेल में बीते सप्ताह रही बड़ी तेजी के कारण शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। इस सप्ताह भी यह बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा, फेड की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को होने वाली है। इसका असर दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारतीय शेयर बाजारों पर भी होगा। घरेलू स्तर पर खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने वाले हैं। इस पर भी निवेशकों की नजर होगी। बीते सप्ताह बाजार में चौतरफा बिकवाली रही। बीएसई का 30 शेयरों

वाला सेंसेक्स 1,733.67 अंक (2.27 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट के साथ शुक्रवार को 74,781.76 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 499.60 अंक यानी 2.09 प्रतिशत टूटकर 23,398.10 अंक पर आ गया। प्रमुख सूचकांकों के मुकाबले वृहत बाजार में दबाव कम रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.09 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.94 फीसदी लुढ़क गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 25 में गत सप्ताह गिरावट रही। इंफोसिस को सबसे अधिक 8.12 प्रतिशत का नुकसान हुआ। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 6.72 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 4.84, टीसीएस का 4.30, टेक महिंद्रा का 3.30, टाटा स्टील का 3.25, अल्ट्राटेक सीमेंट का 3.10 और आईसीआईसीआई बैंक का 3.08 प्रतिशत लुढ़क गया। आलोच्य सप्ताह में सन फार्मा का शेयर तीन प्रतिशत, बजाज फिनसर्व का 2.72 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस का 2.48, एशियन पेंट्स और मारुति सुजुकी का 2.28 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.03 प्रतिशत टूटा। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.97 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.54, आईटीसी का 1.46, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.45, ट्रेंट का 1.43 और एलएंडटी का 1.29 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक पूंजी बाजार से निकाले 17,732 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 17,732 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। शुद्ध निकासी उनके द्वारा बाजार में लगाई गई पूंजी और निकाली गई पूंजी का अंतर होता है। इससे पहले, लगातार तीन महीने तक एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार में लिवाल रहे हैं। अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उनका निवेश 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये बढ़ा था। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में एफपीआई इक्विटी, डेट और हाइब्रिड उपकरणों में बिकवाल रहे हैं जबकि म्यूचुअल फंड में उन्होंने शुद्ध रूप से निवेश किया है।

टेस्ला की सेकेंड जनरेशन रोडस्टर 1 अक्टूबर को आएगी

मस्क बोले- गो फॉर लॉन्च, कार में थ्रस्टर्स मिल सकते हैं, जिससे उड़ भी सकेगी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला अपनी सेकेंड जनरेशन रोडस्टर स्पोर्ट्स कार 1 अक्टूबर को लाएगी। कंपनी ने एक्स पर गो फॉर लॉन्च लिखकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में 10.01 की तारीख लिखी है। इस कार में कोल्ड गैस थ्रस्टर्स दिए जा सकते हैं, जिनकी मदद से यह कार शायद हवा में थोड़ा उड़ भी सकेगी। उड़ने का मतलब यह नहीं कि कार आसमान में प्लेन की तरह यहां-वहां घूम पाए। यह सिर्फ परफॉर्मेंस बूस्ट और शॉर्ट-टर्म लिफ्ट के लिए हो सकता है टेस्ला ने अपनी सेकेन्ड जनरेशन रोडस्टर कार को सबसे पहले नवंबर 2017 में दिखाया था। हालांकि, इसके बाद कई बार इसकी प्रोडक्शन और लॉन्च डेट को आगे बढ़ाया।

पहले माना जा रहा था कि कार 2020 तक सड़कों पर होगी, लेकिन डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी दिक्कतों के कारण इसमें करीब 8 साल की देरी हो चुकी है।

पुरानी डिजाइन पूरी तरह बदली, नए अवतार में आएगी कार

हाल ही में आई टेक वेबसाइट द इंफॉर्मेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने 2017 में पेश किए गए रोडस्टर के पुराने डिजाइन को पूरी तरह से बदल दिया है। 1 अक्टूबर को पेश होने जा रही कार बिल्कुल नए और अपग्रेडेड डिजाइन के साथ आएगी। कंपनी ने कार के फीचर्स को अभी तक सीक्रेट रखा है। कार की लॉन्चिंग में देरी को लेकर बीते साल इलॉन मस्क और ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन के बीच सोशल मीडिया पर बहस भी हुई थी। आल्टमैन ने एक्स पर लिखा था कि 50 हजार डॉलर की बुकिंग फीस देने के बाद 7.5 साल का इंतजार बहुत लंबा लगता है। इस पर जवाब देते हुए मस्क ने दावा किया था कि आल्टमैन को उनकी बुकिंग फीस पहले ही रिफंड की जा चुकी है।

चीनी, चावल के दाम घटे, दालों, खाद्य तेलों में तेजी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 165 रुपये सस्ती हो गयी। चीनी के साथ चावल में भी नरमी रही। वहीं, खाद्य तेलों और दालों के भाव बढ़ गये जबकि गेहूं की कीमत लगभग अपरिवर्तित रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 165 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 5,523 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गुड़ का भाव पिछले सप्ताह थोक बाजार में 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। सप्ताह के दौरान चावल की

औसत कीमत 49 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 4,072 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 2,863 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। वहीं, आटे का भाव 15 रुपये चढ़कर 3,352 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 87 रुपये और उड़द दाल की 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। चना दाल 23 रुपये और मूंग दाल 20 रुपये महंगी हुई। मसूर दाल 17 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। बीते सप्ताह मूंगफली तेल की औसत कीमत 309 रुपये और वनस्पति की 97 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सरसों तेल 84 रुपये और पाम ऑयल 61 रुपये मजबूत हुआ।

लोन और ईएमआई फिर महंगे होंगे

आरबीआई रेपो रेट 0.50 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है, क्रूड ऑयल 100 डॉलर पार होने से महंगाई बढ़ेगी

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में होम लोन और कार लोन महंगा हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रिसर्च में दावा किया है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई अक्टूबर की क्रेडिट पॉलिसी में रेपो रेट 0.25 प्रतिशत बढ़ा सकता है, इसके बाद दिसंबर में भी इतनी ही बढ़ोतरी कर सकता है। यानी 0.50 प्रतिशत तक रेपो रेट बढ़ सकते हैं। मिडिल ईस्ट में चल रही जंग के कारण 15 दिन में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल पार कर चुका है और इसके 105-123 तक पहुंचने की आशंका है। देश में महंगाई का दायरा लगातार बढ़ रहा है। सीपीआई यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली जरूरी सामानों की संख्या जनवरी 2026 में 22 थी, जो जुलाई तक बढ़कर 53 हो गई है। पेट्रोल-डीजल, गैस, दवाइयां और इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने की लागत बढ़ी है, जिसका सीधा असर जनता की जेब पर पड़ रहा है। रिपोर्ट में महंगाई पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई को रेपो रेट बढ़ाने की सलाह दी गई है। यह फैसला अमेरिकी नीतियों से नहीं, बल्कि देश के अंदरूनी आर्थिक

हालात को देखकर लिया जाएगा। अगस्त में हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट को लगातार चौथी बार 5.25% पर स्थिर रखा था। हालांकि, अब अक्टूबर 5 से 7 के बीच होने वाली अगली एमपीसी बैठक में दरें बढ़ाना लगभग तय माना जा रहा है रेपो रेट महंगाई से लड़ने का टूल है। जब महंगाई ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक इसे बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होने पर डिमांड घटती है और महंगाई कम हो जाती है।

जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है, तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

पब्लिक फंड ने खोला टाटा संस की लिस्टिंग का रास्ता

नई दिल्ली। टाटा समूह की मूल कंपनी टाटा संस टाटा संस खुद को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के दायरे से बाहर निकालकर शेयर बाजार में लिस्ट होने से बचना चाहती थी। लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने उसकी एनबीएफसी वाला दर्जा खत्म करने की मांग खारिज कर दी। टाटा संस की इस मांग के खारिज होने के पीछे सबसे बड़ी वजह बना है पब्लिक फंड। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भले ही टाटा संस खुद सीधे तौर पर पब्लिक फंड न जुटाती हो, मगर उसकी समूह कंपनियों की पहुंच पब्लिक फंड तक है। जटिल क्रॉस-होल्डिंग के चलते टाटा संस अप्रत्यक्ष रूप से सार्वजनिक धन से गहराई से जुड़ी है। इसी एक तकनीकी अड़चन ने अब टाटा संस की लिस्टिंग के दरवाजे खोल दिए हैं। टाटा समूह की कंपनियों के बीच शेयरों का ताना-बाना बेहद जटिल है। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की 66 फीसदी हिस्सेदारी है। शापूरजी पालोनजी ग्रुप 18.4 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा एकल स्टेक होल्डर है। बाकी का बड़ा हिस्सा समूह की ही विभिन्न लिस्टेड कंपनियों और व्यक्तिगत शेयरधारकों के पास है। टाटा संस भी इन सभी कंपनियों में नियंत्रक हिस्सेदारी रखती है। सूत्रों का कहना है कि आरबीआई ने माना है कि जब समूह की सहायक कंपनियां बैंक फाइनेंस, डिबेंचर या कमर्शियल पेपर के जरिए बाजार से सार्वजनिक धन जुटाती हैं, तो होल्डिंग कंपनी होने के नाते टाटा संस को इससे अलग नहीं माना जा सकता।

प्रदेश की लाडली बहना लाभ लेने वाली नहीं, अब बन रही है लाभ कमाने वाली: मुख्यमंत्री डॉ यादव

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगर-मालवा जिले को दी शासकीय विधि महाविद्यालय सहित 254 करोड़ लागत के 50 विकास कार्यों की सौगात

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की लाडली बहनें लाभ लेने वाली नहीं बल्कि लाभ कमाने वाली बन रही है। नारी सशक्तिकरण केवल नारों से नहीं हो सकता है, इसके लिये प्रदेश सरकार दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को आगर-मालवा से प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 10 हजार से अधिक लाड़ली बहनों को लाड़ली बहना योजना की 40वीं किश्त के रूप में सिंगल क्लिक से 1835 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। इसमें आगर-मालवा जिले की 1 लाख 13 हजार से अधिक लाड़ली बहनें भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने आगर मालवा जिले को 254 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 50 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 226 करोड़ रुपए से 33 विकास कार्यों का भूमिपूजन और क़रीब 28 करोड़ रुपए से 17 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने लगभग 118 करोड़ रुपए की लागत से 3 सड़क परियोजनाओं और 19 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले शासकीय विधि महाविद्यालय का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगर में एक बड़ी गौशाला का निर्माण करने और आगर-मालवा जिले के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मनुष्य की जैसी दृष्टि-वैसी सृष्टि। विकास के लिए मन में संकल्प शक्ति होना जरूरी है और हम इसी संकल्प शक्ति से प्रदेश के विकास के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। हमने नागरिकों से विकास का जो भी वादा किया है, उसे पूरा करके भी दिखाया है। सच्चा वादा-पक्का काम अब यही हमारी सरकार की मुख्य पहचान बन गया है।

पट्टों की पक्की रजिस्ट्री कराकर पट्टेधारियों को नि:शुल्क देगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सितम्बर जनसेवा को समर्पित महीना है। आने वाली 17 सितम्बर से प्रदेश में जनसेवा से जुड़े दो ब? काम प्रारंभ होने हैं। उन्होंने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना-2026 के तहत हमारी सरकार 17 सितम्बर से एक बहुत बड़ा कदम उठाने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐसे सभी 50 लाख से अधिक पट्टेधारियों को, जिनके पास पट्टे तो हैं, परंतु इसकी रजिस्ट्री नहीं है, इन सभी को हमारी सरकार पक्की रजिस्ट्री कराकर नि:शुल्क रूप से पट्टेधारियों को प्रदान करेगी। इन 50 लाख पट्टों की पक्की रजिस्ट्री का शुल्क सरकार अपने खजाने से वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे देश में मध्यप्रदेश ही सबसे पहले ऐसा नवाचारी क्रांतिकारी कदम उठाने जा रहा है।

25 सितम्बर से प्रारंभ होगी प्रदेश की अपनी सुगम बस सेवा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितम्बर से ही प्रदेश में अगले एक माह (17 अक्टूबर) की अवधि का सेवा संकल्प अभियान प्रारंभ होने जा रहा है। इस अभियान में प्रदेशवासियों को जनसेवा और लोक कल्याण की नई-नई सौगातें दी जायेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान ही 25 सितम्बर (अनंत चतुर्दशी) से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का मंगल आरंभ कर प्रदेश की अपनी सुगम बस सेवा की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सुगम बसें प्रदेश के गांव-गांव, पंचायत-पंचायत, कस्बे, ब्लॉक, तहसील सहित सभी छोटे-बड़े नगरों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किमी का रोड़ नेटवर्क उपलब्ध है। प्रदेश में वर्ष 2030 तक 15 हज़ार से अधिक बसें चलाई जायेंगी।

बहनों को स्वावलंबी बनाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की लाड़ली बहनों को तीज और गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि बहनों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना हमारा लक्ष्य है। हम अपनी बहनों से किया हर वादा पूरी निष्ठा और समर्पण से निभायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों के मान सम्मान और सुरक्षा में कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। हमारी सरकार बहनों की आजीविका, स्व रोजगार और इनके आर्थिक स्वावलंबन के लिए सभी प्रबंध कर रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के सद्प्रयासों से हमारी बहनें अब सिर्फ़ हितलाभ पाने वाली ही नहीं, अपितु अपना हित स्वयं सृजित करने और लाभ कमाने वाली भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश की 4 लाख से अधिक बहनें अब सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की वित्तीय और तकनीकी मदद और स्व-उद्यशीलता से अब उद्योगपति बन रही हैं।

गणेश चतुर्थी सामाजिक एकता, सौहार्द्र और लोक संस्कृति के संवर्धन का पर्व : खण्डेलवाल

भोपाल, (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की है। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि गणेश चतुर्थी सामाजिक एकता, सौहार्द्र और लोक संस्कृति के संवर्धन का पर्व है। यह विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता तथा बुद्धि, विवेक, समृद्धि और सौभाग्य के अधिष्ठाता भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं आराधना का उत्सव है। भगवान श्री गणेश की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सद्बुद्धि और नई आशा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और समाज में आपसी भाईचारे एवं सद्भाव को मजबूत करने का अवसर भी है। सार्वजनिक रूप से गणेश उत्सव के आयोजन से समाज के सभी वर्ग एक साथ आते हैं और सामूहिक सहभागिता की भावना मजबूत होती है। यह पर्व सेवा, सद्भाव, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में भी गणेश चतुर्थी के अवसर पर 14 सितंबर को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी दोपहर 3.30 बजे विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रतिमा स्थापित करेंगे।

श्री खण्डेलवाल ने प्रदेशवासियों से गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और सौहार्द्र के साथ मनाने का आह्वान करते हुए भगवान श्री गणेश से प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की है।

शत-प्रतिशत टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन एवं एएनसी जांच सुनिश्चित हो: उप मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)

बालाघाट में स्वास्थ्य सेवाओं की शत प्रतिशत पहुंच और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट जिले में स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट के पूरे क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाओं से प्रभावी रूप से कवर करना है। कोई भी पात्र व्यक्ति स्वास्थ्य सुविधा से वंचित न रहे और प्रत्येक स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत एवं जवाबदेह बनाया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सुखवीर सिंह, आयुक्त धनराजू एस, एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बालाघाट कलेक्टर कुँअर सत्यम, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट जिले के प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्वास्थ्य अधोसंरचना के सशक्तीकरण के लिए आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे में लाते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और पहुंच को और बेहतर बनाया जाए।

गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन सुनिश्चित करें

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट नक्सल प्रभाव से मुक्त हुआ है। ऐसे क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरुक बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य जागरुकता अभियान से जोड़ते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन हो तथा सभी एएनसी समय पर हों, यह सुनिश्चित किया जाए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं को समय पर चिन्हित कर उनका नियमित फॉलोअप किया जाए और आवश्यकतानुसार उन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार एवं प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

संस्थागत प्रसव के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किए जाएँ। जिन गर्भवती महिलाओं में प्रसव के दौरान जोखिम की संभावना हो, उन्हें समय रहते स्वास्थ्य संस्थान में भर्ती कराकर आवश्यक निगरानी एवं उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के लिए बर्थ वेटिंग होम की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि एचआरपी चिन्हित गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के लिए बर्थ वेटिंग होम की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि एचआरपी चिन्हित गर्भवती उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं समय से उपलब्ध हो सके उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिकारियों द्वारा मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों को निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया जाए। उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने के साथ ही निर्धारित इंसेंटिव का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का दौरा करें, कर्मचारियों की समस्याओं को समझें और उन्हें बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करें।

3 मौतों के बाद भी नहीं निकला रास्ता

- रसीलपुर तिगड्डे पर गड्ढों में फंसा 50 गांवों का आवागमन, सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज हो चुकीं दर्जन भर से अधिक शिकायतें

हटा (स्वतंत्र मत)

हटा भिड़ारी रनेह मार्ग पर रसीलपुर तिगड्डे के पास करीब 500 मीटर सड़क का हिस्सा पिछले 14 साल से विवाद और न्यायालयीन स्थगन के चलते अटका है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और बारिश में पानी भरने से वाहन चालकों को सड़क और गड्ढे में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग पर अब तक तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है। यह मार्ग रनेह सहित करीब 50 गांवों के लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। वर्ष 2012 में सड़क निर्माण को लेकर हटा निवासी सरमन मोदी और लखन मोदी द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर किए जाने के बाद संबंधित हिस्सा निर्माण से अलग रखा गया था। सड़क की बदहाली को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर भी करीब एक दर्जन से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। विवादित हिस्से से जुड़ी करीब 12 एकड़ भूमि को लेकर सीलिंग विवाद बताया जाता है। ग्रामीणों का सवाल है कि भूमि विवाद अपनी जगह है लेकिन आमजन के सुरक्षित आवागमन के लिए 500 मीटर सड़क का वैधानिक या वैकल्पिक समाधान क्यों नहीं निकाला जा रहा। इधर हटा रनेह नकटी मार्ग के लिए नया टेंडर जारी होने से ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार इस हिस्से की समस्या भी दूर होगी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के साथ गड्ढों की तत्काल मरम्मत और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था की मांग की है। पीडब्ल्यूडी के उपयंत्री राकेश अग्रवाल ने कहा कि स्थगन आदेश देखने के बाद ही निर्माण की स्थिति के संबंध में जानकारी दी जा सकती है।

अतिवृष्टि से फसल नुकसान पर 72 घंटे में करें बीमा दावा दर्ज : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले के किसानों से अपील की है कि हाल ही में हुई अतिवृष्टि के कारण बाढ़, जलभराव अथवा अन्य कारणों से खरीफ फसल को नुकसान हुआ है और किसान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल का बीमा कराया है, तो वे तत्काल अपनी फसल क्षति की सूचना दर्ज कराएं। श्री यादव ने कहा प्रभावित किसान 14447 नंबर पर कॉल कर 72 घंटे के भीतर अपनी शिकायत दर्ज कराएं ताकि फसल नुकसान का समय पर सर्वे एवं बीमा संबंधी कार्रवाई हो सके। शिकायत दर्ज होने के बाद बीमा कंपनी के अधिकारी 7 दिवस के भीतर मौके पर पहुंचकर फसल का निरीक्षण करेंगे तथा नियमानुसार बीमा राशि के भुगतान संबंधी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पात्र किसान भाइयों से आग्रह किया है कि फसल नुकसान की स्थिति में बिना विलंब किए 14447 पर सूचना दर्ज कराएं जिससे उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने की कार्रवाई समय पर सुनिश्चित की जा सके।

विद्यार्थियों को स्वच्छता एवं पोषण के प्रति किया जागरूक

दमोह (स्वतंत्र मत)। दस्तक अभियान के अंतर्गत हाथ धोने के महत्व, स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीएएफ टीम द्वारा स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से दमोह जिले के विभिन्न ब्लॉकों के माध्यमिक विद्यालयों में जागरूकता गतिविधि आयोजित की गई। गतिविधि के दौरान चित्र कार्ड के माध्यम से कहानी एवं संवादात्मक प्रस्तुतीकरण के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमुख स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी संदेश प्रभावी रूप से प्रदान किए गए। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ता द्वारा ओआरएस घोल तैयार करने की विधि तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा हाथ धोने की सही एवं निर्धारित प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं तथा उप स्वास्थ्य केंद्र एचएससी के माध्यम से प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी दी गई। समग्र रूप से यह गतिविधि अत्यंत सूचनाप्रदए सहभागितापूर्ण एवं प्रभावी रही। विभिन्न विभागों एवं हितधारकों के समन्वित प्रयास एवं सक्रिय सहभागिता के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता, हाथ धोने तथा स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण संदेशों के प्रति प्रभावी जागरूकता सुनिश्चित की गई।

आज घर-घर विराजेंगे भगवान श्रीगणेश

अंतिम रूप देने में जुटे कलाकार, छोटी प्रतिमाओं की बढ़ी मांग

हटा (स्वतंत्र मत)। गणेश चतुर्थी पर आज घर-घर और पंडालों में भगवान गणेश की स्थापना होगी। इसके चलते शहर में गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम तेज हो गया है। नगर में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर कलाकार दिन रात प्रतिमाओं के रंग रोगन और सजावट में जुटे हैं। घरों में स्थापना के लिए छोटी गणेश प्रतिमाओं की मांग अधिक है, वहीं समितियों द्वारा बड़े आकार की प्रतिमाएं तैयार कराई जा रही हैं। इस बार मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की मांग भी देखने को मिल रही है। श्रद्धालु घरों में स्थापना के लिए छोटी और आसानी से विसर्जित होने वाली प्रतिमाएं पसंद कर रहे हैं। कलाकारों के अनुसार प्रतिमाओं को आकार देने से लेकर चेहरे के भावए आंखों की बारीकी, रंग रोगन और सजावट तक अंतिम चरण में विशेष मेहनत करनी पड़ रही है। पंडालों के लिए 8 से 10 फीट तक की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। शहर के साथ आसपास के गांवों से भी प्रतिमाओं की मांग पहुंच रही है। कलाकारों के परिवार के सदस्य भी निर्माण कार्य में सहयोग कर रहे हैं और देर रात तक प्रतिमाओं को अंतिम स्वरूप दिया जा रहा है।

महंगाई के बीच बढ़ी लागत

प्रतिमा निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी, रंग, लकड़ी, बांस और सजावटी सामग्री की कीमत बढ़ने से लागत में भी इजाफा हुआ है। इसके बावजूद कलाकार गणेशोत्सव से पहले सभी प्रतिमाओं को तैयार करने में जुटे हैं। आज स्थापना के साथ ही शहर में गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। घरों में छोटे गणेश विराजेंगे तो विभिन्न पंडालों में बड़ी प्रतिमाओं की स्थापना के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन शुरू होंगे।

जनता से संवाद और समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री पटेल

दमोह (स्वतंत्र मत)। आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने दमोह के जटाशंकर स्थित कार्यालय में क्षेत्रवासियों से आत्मीय भेंट कर उनकी समस्याएं एवं जनहित से जुड़े विषयों को सुना। उन्होंने प्राप्त समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा जनता से निरंतर संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा समृद्ध पथरिया के संकल्प के साथ वे निरंतर कार्य कर रहे हैं तथा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विषयों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा सेवा और समर्पण के 25 वर्ष : सेवा संकल्प अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा आयोजित श्सेवा और समर्पण के 25 वर्ष रू सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े सहित विभिन्न जनभागीदारी आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान की तैयारियों तथा बडनगर से वाराणसी जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा के रूट एवं आयोजन को लेकर जिला भाजपा कार्यालय दमोह में भाजपा युवा मोर्चा की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष मनीष सोनी, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मृदुल मिश्रा, युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री राहुल तिवारी एवं युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों तथा वडनगर से वाराणसी तक प्रस्तावित जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा के रूट एवं आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहींए बल्कि स्वस्थए सुंदर और विकसित भारत के निर्माण की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं की सक्रिय सहभागिता से सेवा एवं जनकल्याण के अभियानों को नई ऊर्जा मिलती है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वच्छता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष मनीष सोनी ने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान है। स्वच्छता पखवाड़े सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ऐसे अभियानों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देता है। युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मृदुल मिश्रा ने कहा कि देश के युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। युवा मोर्चा कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता कर स्वच्छता एवं सेवा को जनअभियान बनाने का कार्य करेंगे। युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री राहुल तिवारी ने कहा कि सेवा कार्य केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिएए बल्कि इसे समाज के व्यवहार और संस्कार का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में युवा मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घमापुर थाना क्षेत्र का मामला, शुरू हुई जांच

जहरीले कीड़े के काटने से वृद्धा की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जहरीले कीड़े के काटने से एक वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में घमापुर थाने में नवीन सतनामी उम्र 25 वर्ष निवासी कांचघर ने सूचना देकर बताया कि उसकी दादी सुंदर बाई सतनामी उम्र 72 वर्ष को दिनांक 10 सितंबर की रात बाथरूम गई थीं। इसी दौरान उन्हें किसी जहरीले कीड़े ने हाथ में काट लिया। दादी को उपचार हेतु विक्टोरिया अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ग्वारीघाट थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

लिंक क्लिक करते ही शिक्षक के खाते से निकली रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्वारीघाट थाने में प्रमोद कुमार पासी उम्र 57 वर्ष निवासी भीमनगर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह नवोदय विद्यालय बड़वारा जिला कटनी में शिक्षक है । विगत दिन उसके व्हाटसएप पर अज्ञात नम्बर से लिंक आई, उसने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया तो उसके सेंट्रल बैंक के खाता से 50 हजार रूपये, 14 हजार रूपये निकलने के 2 मैसेज आया। उसने बैंक जाकर अपना स्टेटमेंट निकलवाया जहां से उसके अकाउंट से कुल 64 हजार रूपये निकलने की जानकारी मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके खाते से धोखाधड़ी करते हुये कुल 64 हजार रूपये निकाल लिये हैं। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

मप्र हाईकोर्ट का बड़ा एक्शनः 2 आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

अवमानना से जुड़ा मामला, 21 सितंबर को पेश करने का आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना के मामले में प्रशासनिक अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य के दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए हैं। तत्कालीन प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल और तत्कालीन सागर कलेक्टर संदीप जीआर के खिलाफ यह कार्यवाही अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने दोनों अधिकारियों को 21 सितंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित कराने के निर्देश दिए हैं। वारंट की तामीली की जिम्मेदारी भोपाल पुलिस कमिश्नर और सागर एसपी को सौंपी गई है। कोर्ट के इस आदेश से साफ है कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में लापरवाही को लेकर हाईकोर्ट ने प्रशासनिक अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया है।

नहीं हुआ आदेश का पालन

दरअसल यह अवमानना याचिका सागर कलेक्टर कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत शीला सेन की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने अपने नियमितीकरण के संबंध में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 19 मार्च 2025 को राज्य सरकार और सागर कलेक्टर को याचिकाकर्ता के दावे का 90 दिनों के भीतर निराकरण करने का आदेश दिया था। निर्धारित समयसीमा गुजर जाने के बावजूद आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके बाद शीला सेन ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर दी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता कविता गुप्ता ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

नोटिस के बाद भी नहीं दी अनुपालन रिपोर्ट

कोर्ट ने अपने आदेश में अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि याचिका में अनावेदक बनाए गए दोनो आईएएस अधिकारियों को नोटिस की तामीली हो चुकी थी। इसके बावजूद मामले में अपेक्षित कार्यवाही नहीं की गई। कोर्ट के मुताबिक, सागर कलेक्टर ने 3 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को पत्र भेजकर बताया था कि तहसीलदार को संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद भी न तो किसी अधिवक्ता की नियुक्ति की गई और न ही अदालत में अनुपालन रिपोर्ट पेश की गई। हाईकोर्ट ने इस स्थिति को प्रशासनिक व्यवस्था की दयनीय स्थिति करार दिया।

बागेश्वर बाबा के भाई शालिग्राम की जमानत पर फैसला सुरक्षित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के छोटे भाई शालिग्राम गर्ग उर्फ छोटे सरकार की मुश्किलें फिलहाल बनी हुई हैं। हत्या के प्रयास के मामले में जिला कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद अब उनकी नियमित जमानत याचिका पर मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। जानकारी के मुताबिक जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की सिंगल बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। बचाव पक्ष ने आरोपों को रंजिशन फंसाने की साजिश बताते हुए शालिग्राम को निर्दोष बताया। वहीं अभियोजन ने अपराध की गंभीरता, हथियार की बरामदगी और मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया। दरअसल मामला छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 184/2026 के तहत शालिग्राम पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक घटना 14 जुलाई 2026 की है। फरियादी मोतीलाल कुशवाहा अपने घर पर थे। आरोप है कि कुछ लोग उन्हें यह कहकर बरगद के चबूतरे के पास ले गए कि छोटे सरकार बुला रहे हैं। वहां शालिग्राम अपनी काले रंग की चार पहिया गाड़ी के साथ मौजूद थे। एफआईआर के मुताबिक विवाद के दौरान गाली-गलौज हुई।

हितकारिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. आनंद तिवारी का निधन

सभा ने खोया अनुभवी, समाजसेवी एवं मार्गदर्शक व्यक्तित्व, 76 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य, गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष एवं नेशनल हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आनंद तिवारी का रविवार को 76 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही हितकारिणी सभा सहित शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई।

डॉ. तिवारी, हितकारिणी सभा के वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्यों में शामिल रहे। संस्था से अपने लंबे जुड़ाव के दौरान उन्होंने सभा की गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों तथा जनसेवा से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई। उनका सहज, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व सभी के लिए आत्मीय रहा। संस्था के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और वरिष्ठ सदस्य के रूप में उनका मार्गदर्शन हितकारिणी परिवार के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में भी डॉ. तिवारी का उल्लेखनीय योगदान रहा। वे सामाजिक सरोकारों से निरंतर जुड़े रहे और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके निधन से हितकारिणी सभा ने एक अनुभवी एवं आत्मीय सदस्य तथा समाज ने एक संवेदनशील व्यक्तित्व खो दिया है।

डॉ. आनंद तिवारी, हितकारिणी सभा के सदस्य एवं 'स्वतंत्र मत' के डायरेक्टर हिमांशु तिवारी के पिता थे। उनके निधन पर हितकारिणी सभा परिवार, स्वतंत्र मत परिवार तथा उनके शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

डॉ. आनंद तिवारी की अंतिम यात्रा रविवार को उनके निज निवास भविष्य निधि क्वार्टर के पास, विजय नगर से रानीताल मुक्तिधाम के लिए निकली, जहां शाम 5 बजे उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में शहर के वरिष्ठ चिकित्सक, हितकारिणी सभा के सदस्य, पदाधिकारी सहित विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर पलटी सवारियों से भरी बस

सिहोरा क्षेत्र का मामला, 2 घायल

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। बचैया से सिहोरा आ रही बस नयागांव तिराहे के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। पलटने के कारण यात्रियों में चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया परंतु उसमें दो महिलाएं घायल हो गई जिन्हें इलाज के लिए सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लाया गया जहां पर उनका इलाज जारी है हासिल जानकारी के मुताबिक बस में लगभग 22 लोग सवार थे। बस मझौली से बचैया होते हुए सिहोरा आ रही थी बस का नाम लोगों ने बताया कि पांडे बस सर्विस शिवालय नाम लिखा हुआ है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। घायल रश्मि विश्वकर्मा पति इंद्र कुमार विश्वकर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम रोंसरा एवं किरण बाई यादव अवधेश यादव उम्र 24 वर्ष निवासी सोमा कला जो की गंभीर रूप से घायल है उनका इलाज सिहोरा अस्पताल में जारी है । मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

जन कल्याण संघ ने शुरू किया अस्पताल सुधारो अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जन कल्याण संघ द्वारा नवनियुक्त जिला एवं प्रदेश पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर सम्मानित किया गया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष रोहित कुरील ने प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी तथा युवाओं के पलायन को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवा लाखों रुपये खर्च कर उच्च शिक्षा हासिल करने के बावजूद रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से मुंबई, बेंगलुरु और नागपुर जैसे शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। वहीं जन कल्याण संघ के प्रदेश सचिव अधिवक्ता विकास कुमार सोनी ने अस्पताल सुधारो अभियान शुरू करने की घोषणा करते हुए सरकारी और निजी अस्पतालों में कथित अनियमितताओं, दलाली और बेड की कमी जैसे मुद्दों को उठाया और जनता से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी लूट या परेशानी की शिकायत संघ के कार्यालय एवं हेल्पलाइन पर दर्ज कराने की अपील की। इस दौरान मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एड संजय वर्मा, एड.रोहित कुरील , एड. रोबिन जैन, एड. इमरान अहमद, एड. विकास सोनी, एड.समर सिंह राठौर, एड.आनंद चौधरी आदि उपस्थित रहे ।

महापौर कप कबड्डी प्रतियोगिता पर बैठक का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के एमएलबी खेल परिसर में आगामी 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली महापौर कप सीनियर पुरुष इंटर जोन कबड्डी चैंपियनशिप की तैयारियों को लेकर रानीताल स्थित यूथ हॉस्टल हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में जबलपुर कॉरपोरेशन कबड्डी संघ के नव नियुक्त सचिव सुनील ताम्रकार का अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पप्पू द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

5 लाख के गांजे के साथ पुलिस ने पकड़ा अंतरराज्यीय तस्कर

क्राइम ब्रांच और मदल महल थाने की संयुक्त कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

क्राइम ब्रांच और मदन महल पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए 10 किलो 168 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गांजे की कीमत लगभग 5 लाख 8 हजार 400 रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, 12 सितंबर की रात क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मॉडल रोड पर लॉयड गैलरी के सामने एक संदिग्ध व्यक्ति 2 बैग लेकर बस से उतरा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रवि कुमार के रूप में हुई। वह इस्माईलपुर, जिला अरवल, बिहार का रहने वाला है और वर्तमान में झारसुगुड़ा, ओडिशा में रह रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के नीले और हरे रंग के बैगों की तलाशी ली। इनमें गांजे के 10 पैकेट मिले। इसके अलावा एक एंड्रॉइड मोबाइल भी जब्त किया गया।

पुलिस ने शुरू की फरार आरोपी की तलाश - बरामद किए गए गांजे का तौल कराने उसका कुल वजन 10 किलो 168 ग्राम निकला। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख 8 हजार 400 रुपए बताई गई है। इधर पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पाटन रोड के पास रहने वाले मलखान के साथ बस से जबलपुर आया था। आरोपी के मुताबिक, मलखान ने तीन पत्ती बस स्टैंड पर मिलने की बात कही थी और वह पहले ही रास्ते में बस से उतर गया।

अवैध शराब के ठिकानों को बंद कराने जमकर हुआ प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कच्ची-देशी शराब की बिक्री और शराब दुकानों के बाहर कथित अवैध अहातों व चखना सेंटरों के विरोध में रविवार को भगवती मानव कल्याण संगठन और भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ने प्रदर्शन किया। आबकारी कार्यालय और सिहोरा थाने के सामने हुए प्रदर्शन में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। संगठन ने थाना प्रभारी के नाम सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि तहसील के कई गांवों में कच्ची शराब बिक रही है। शराब दुकानों के बाहर हरी मैटिंग लगाकर कथित अहाते चलाए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच बढ़ाने कांग्रेस ने शुरू की निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता

आयोजन के चौथे चरण में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं विचारों को सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) द्वारा आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के चौथे चरण का रविवार को सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भारतीय शिक्षा व्यवस्था अतीत, वर्तमान एवं भविष्य विषय पर अपने विचारों, कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। निबंध एवं चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के बदलते स्वरूप, वर्तमान चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं को अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। कांग्रेस अध्यक्ष (शहर), सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा और रचनात्मक सोच को सामने लाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में विचार करने, प्रश्न पूछने, सृजन करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने की क्षमता विकसित करना भी आवश्यक है ।

रचनात्मक क्षमता को आगे बढ़ाने का अवसर - ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ समसामयिक विषयों पर स्वतंत्र रूप से सोचने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले चरणों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जबलपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमता को आगे बढ़ाने का बेहतर अवसर मिल सके।

शोक संदेश

हमें अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि **नेशनल हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट, जबलपुर** के डायरेक्टर एवं **समाजसेवी**

डॉ. आनंद तिवारी जी

का आज दिनांक **13 सितम्बर 2026** को देह परिवर्तन हो गया।

वे **हिमांशु तिवारी जी** एवं **सुधांशु तिवारी जी** के पूज्य पिताजी थे।

अंतिम यात्रा

निज निवास विजय नगर से शाम 5:00 बजे रानीताल मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

दिनांक 13 सितम्बर 2026 | समय शाम 5:00 बजे | स्थान रानीताल मुक्तिधाम, जबलपुर

ॐ शांति

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**